www.hindmatamirror.com • वर्ष: 12 • अंक: 207 • ठाणे, बुधवार 22 अप्रैल, 2026 • पेज: 8 • मूल्य: 2 रुपए hindmatamirror1@gmail.com

‘मातृभूमि’ के लिए सलमान खान ने लद्दाख की पहाड़ियों में बहाया पसीना

पेज 8

दैनिक

हिंदमाता मिरर

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

पैनी नजर, पुख्ता खबर

आयुष्मान खुराना बनेंगे सूरज बड़जात्या के नए ‘प्रेम’

8 पेज

सुप्रभात

मूर्ति के समान मनुष्य का जीवन भी सभी ओर से सुंदर होना चाहिए। संतोष प्राकृतिक दौलत है, ऐश्वर्य कृत्रिम गरीबी। - सुकरात

मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (22 अप्रैल) 6:57 बजे, सूर्योदय (23 अप्रैल) 6:16 बजे, **तापमान: 33 डिग्री से. (धूप खिली रहेगी।)**

पहलगाम हमले के शहीद आदिल शाह के परिवार को मिला आनंद नाथ भवन

शिंदे ने पूरा किया वादा

पर्यटकों को बचाते हुए आदिल दी थी जान

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

राजनीति में वादे अक्सर हवा हो जाते हैं, लेकिन महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कश्मीर की वादियों में मानवता की एक नई मिसाल पेश की है। मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में एक बेहद भावुक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां 22 अप्रैल 2025 को हुए पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हुए आदिल शाह के परिवार को एक नवनिर्मित मकान की चाबियां सौंपी गईं। पहलगाम की बैसरन घाटी में खच्चर की सवारी कराने वाले आदिल शाह उस समय आतंकियों की गोलियों का शिकार हो गए थे, जब वे वहां आए पर्यटकों की जान बचा रहे थे। उस भीषण हमले में 26 लोगों की जान गई थी। आदिल अपने परिवार का इकलौता सहारा थे, लेकिन उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना अतिथि देवो भवः की परंपरा को निभाया।

शिंदे साहब ने हमारे सिर पर छत दे दी है

आदिल के पिता, सैयद हैदर शाह ने घर मिलने पर सरकार का आभार जताया, लेकिन उनकी आंखें अपने बेटे की याद में नम थीं। उन्होंने बताया कि जम्मू-कश्मीर सरकार ने आदिल की पत्नी और भाई को सरकारी नौकरी दी है, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति अब संभल जाएगी। उन्होंने भावुक होकर कहा कि कोई भी सहायता मेरे बेटे की कमी पूरी नहीं कर सकती, लेकिन शिंदे साहब ने जो वादा किया था उसे पूरा कर हमारे सिर पर छत दे दी है।

शिवसेना ने किया था वादा

पहलगाम आतंकी हमले के बाद शिवसेना की ओर से आदिल के परिवार को पांच लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई थी, साथ ही उनके लिए एक पक्का मकान बनवाने का वादा भी किया गया था। उस वादे को पूरा करते हुए, आज नवनिर्मित आवास का नाम ‘आनंद नाथ भवन’ रखा गया है। इस अवसर पर यह भी बताया गया कि यह नाम पूजनीय गुरु, धर्मवीर आनंद दिघे साहब की स्मृति को समर्पित है।

शिंदे ने वर्चुअली जुड़कर दी श्रद्धांजलि

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे इस कार्यक्रम में मुंबई से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े। उन्होंने शहीद आदिल को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि आदिल शाह केवल एक युवक नहीं थे, बल्कि वे राष्ट्र के गौरव की एक दीप्तिमान मिसाल हैं। उन्होंने धर्म, भाषा और संप्रदाय से ऊपर उठकर मानवता के लिए बलिदान दिया। एक मां ने अपना बेटा खोया, लेकिन राष्ट्र उनके इस त्याग को कभी नहीं भूलेगा।

मौके पर मौजूद रहे महाराष्ट्र के दिग्गज मंत्री

शहीद के पैतृक गांव हापटनार में आयोजित इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र सरकार के मंत्री संजय शिरसाट, योगेश रामदास कदम स्वयं उपस्थित रहे। इनके साथ शिवसेना सचिव कैप्टन अभिजीत अडसुल, सरहद संस्था के निदेशक संजय नाहर, युवा सेना के बाजीराव चव्हाण, युवा सेना सचिव (कोंकण क्षेत्र) विकास गोगावले, युवा सेना कोर समिति के सदस्य अभिमन्यु खोपकर, अनंतनाग के जिला पुलिस अधीक्षक रमीज राजा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक फारूक अहमद, जम्मू-कश्मीर शिवसेना प्रमुख अश्विनी कुमार गुप्ता और प्रदेश सचिव मोहम्मद शकील मोगरे, तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

खुल गई ट्रंप टैरिफ रिफंड विंडो

166 अरब डॉलर करने होंगे वापस

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले को झटका देते हुए बीते महीने टैरिफ को रद्द कर दिया था। साथ ही कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन को आदेश दिया था कि अभी तक टैरिफ के तौर पर जो टैक्स वसूले गए हैं, उसे भी वापस किया जाए। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर रिफंड की प्रक्रिया 20 अप्रैल से शुरू हो गई है, और अनुमान लगाया गया है कि कुल 166 अरब डॉलर रिफंड किए जाएंगे। इसी कड़ी में अब अमेरिकी सरकार ने उन आयातकों के लिए क्लेम करने की प्रक्रिया खोल दी है, जिन्होंने ट्रंप प्रशासन के दौरान 'इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट' (आईईईपीए) के तहत टैरिफ का भुगतान किया था। करीब 3,30,000 अमेरिकी व्यवसायों ने 5.3 करोड़ से अधिक शिपमेंट पर यह शुल्क चुकाया था, जो कि अब रिफंड के लिए पात्र हैं।

रिफंड के लिए करना होगा आवेदन

लेकिन रिफंड का प्रोसेस ऑटोमैटिक नहीं है। कंपनियों को इसके लिए आवेदन करना होगा। उम्मीद है कि मंजूरी मिलने के बाद 60 से 90 दिनों के भीतर (मई से जुलाई 2026 के बीच) भुगतान मिलना शुरू हो जाएगा। खास बात यह है कि रिफंड सीधे अमेरिकी नागरिकों या उपभोक्ताओं को नहीं मिलेगा। यह पैसा केवल उन आयातकों और कंपनियों को वापस किया जा रहा है, जिन्होंने मूल रूप से यह शुल्क सरकार को दिया था। भले ही कंपनियों को अरबों डॉलर वापस मिल रहे हों, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि आम उपभोक्ताओं को इसका तत्काल लाभ मिलने की संभावना कम है।

भारत को कितना मिल सकता है रिफंड?

अगर भारत की बात करें तो अनुमान लगाया जा रहा है कि भारतीय एक्सपोर्टर्स को रिफंड के तौर करीब 10 से 12 अरब डॉलर तक का फायदा हो सकता है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी कोर्ट के टैरिफ आदेश के रद्द होने के बाद अमेरिका में 166 अरब डॉलर के टैरिफ रिफंड का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि यह रिफंड सीधे भारतीय एक्सपोर्टर्स के बैंक खातों में नहीं आएगा। नियमों के अनुसार, रिफंड क्लेम केवल अमेरिकी इंपोर्टर्स ही दाखिल कर सकते हैं। भारतीय एक्सपोर्टर्स को इस रिफंड के लिए अपने अमेरिकी बायर्स के साथ उन ट्रेड को लेकर बातचीत करनी होगी। जब दोनों के बीच रिबेट शेयरिंग पर सहमति बन जाएगी, तो फिर भारतीय एक्सपोर्टर के अकाउंट में पैसा आ पाएगा। खासकर टेक्सटाइल, इंजीनियरिंग गुड्स और केमिकल्स सेक्टर को इसका लाभ मिलने वाला है।

गलत सिग्नल से ट्रेन उस प्लेटफार्म पर पहुंची जहां पहले से गाड़ी खड़ी थी

स्टेशन मास्टर निलंबित

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएएमटी) पर रेलकर्मी द्वारा मंगलवार दोपहर को दिए गए गलत सिग्नल के कारण लोकल ट्रेन उस प्लेटफार्म पर जा पहुंची जहां पहले से ही ट्रेन खड़ी थी। हालांकि गनीमत यह रही कि यह ट्रेन से कुछ दूर पहले ही ठहर गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दोपहर तीन बजकर 15 मिनट पर हुई इस घटना के कारण मध्य रेलवे की मुख्य लाइन पर सेवाएं प्रभावित हुईं और ट्रेनों के संचालन में देरी हुई। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घटना के बाद स्टेशन मास्टर को निलंबित कर दिया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बदलापुर जाने वाली ट्रेन को प्लेटफॉर्म नंबर चार के बजाय गलती से प्लेटफॉर्म नंबर पांच पर जाने का सिग्नल दे दिया गया, जबकि वहां पर पहले से ही खोपोली जाने वाली एक अन्य ट्रेन खड़ी थी।

दोनों ट्रेनों के बीच पर्याप्त दूरी थी

मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी स्वप्निल नीला ने बताया कि ट्रेन ने सीएसएमटी का होम सिग्नल पार कर लिया था, जो प्लेटफॉर्म से करीब 270 मीटर पहले स्थित है और वह इंटरनल होम सिग्नल पर रुक गई, जो लाल था। नीला ने कहा, दोनों ट्रेनों के बीच पर्याप्त दूरी थी। उपनगरीय प्लेटफॉर्म के लिए सीएसएमटी का इंटरनल होम सिग्नल लाल था और चालक ने उसी के अनुसार ट्रेन रोक दी। उन्होंने बताया कि बदलापुर ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच की दूरी करीब 130 मीटर थी।

संचालन कुछ समय के लिए प्रभावित

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, गलत सिग्नल दिए जाने के कारण ट्रेन को एक व्यस्त प्लेटफॉर्म की ओर भेज दिया गया था। इस घटना के कारण मुख्य लाइन पर संचालन कुछ समय के लिए प्रभावित हुआ। बाद में ट्रेन को पीछे करके सही मार्ग पर लाया गया, जिसके बाद सेवाएं बहाल कर दी गईं। नीला ने बताया, लोकल ट्रेन को पीछे हटाया गया और इस दौरान प्लेटफॉर्म पांच से आठ तक की ट्रेन सेवाएं अस्थायी रूप से रोक दी गई थीं।

लगातार दूसरे दिन गड़बड़ी

यह लगातार दूसरा दिन है जब मुख्य लाइन की सेवाएं प्रभावित हुई हैं। एक दिन पहले ठाणे जिले के डोंबिवली स्टेशन के पास कार शेड से निकल रही एक खाली लोकल ट्रेन का डिब्बा पटरी से उतर गया था। सुबह के व्यस्त समय में सेवाएं 15 से 20 मिनट तक देरी से चलीं और शाम के समय भी देरी जारी रहने की आशंका है।

शॉर्ट स्टोरी

पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, दो की मौत, चार घायल

हिंदमाता नेटवर्क @ पालघर

पालघर जिले में मंगलवार को पटाखा फैक्टरी में विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान भवेश दिलीप वावरे (35) और मोनिका सचिन पडवाले (30) के रूप में हुई है। निगम आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख विवेकानंद कदम ने बताया कि वाडा तालुका के कोंसाई गांव में एक पुराने फार्महाउस में टिन के शेड में पटाखा निर्माण इकाई में दोपहर करीब 12 बजे विस्फोट हुआ। उस समय लगभग 35 श्रमिक पटाखे बनाने में लगे हुए थे। इनमें ज्यादातर महिलाएं थीं। वाडा थाने के एक अधिकारी ने बताया, यह घटना उस समय हुई जब रसायनों को मिलाने की प्रक्रिया चल रही थी।

यूसुफ पठान के ससुर और दो अन्य गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

तृणमूल कांग्रेस सांसद और पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान के ससुर और दो अन्य लोगों को सड़क पर हुई झड़प के दौरान एक व्यक्ति पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। घटना शनिवार रात मझगांव के हीराबाई परिसर के पास हुई, जब यूसुफ खान नामक एक व्यक्ति की कार एक गड्ढे से गुजरी और सड़क पर जमा पानी के कुछ झींटें पूर्व क्रिकेटर के रिश्तेदार शोएब खान पर पड़े। इसके बाद मारपीट शुरू हो गई। शोएब खान ने डंडे से कार पर हमला किया। पुलिस मौके पर पहुंची और पूर्व क्रिकेटर के ससुर खालिद खान तथा दो अन्य लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

जांच में पेन किलर निकला जॉम्बी ड्रग

हिंदमाता नेटवर्क @ ठाणे

पुलिस ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि एक वायरल वीडियो में ठाणे की एक सड़क पर विचित्र अवस्था में दिख रहा व्यक्ति तथाकथित ‘जॉम्बी ड्रग’ के प्रभाव में नहीं था, बल्कि उसने अत्यधिक मात्रा में दर्द निवारक दवा ‘प्रेगाबालिन’ ले ली थी। सोशल मीडिया पर 15 अप्रैल को सामने आए इस वीडियो में महाराष्ट्र के ठाणे शहर के भायंदर इलाके में एक व्यक्ति अजीब सी हालत में खड़ा दिखाई दे रहा है। पुलिस ने कहा, जांच के दौरान पता चला कि यह वीडियो 13 अप्रैल की रात करीब 10 बजे रिकॉर्ड किया गया था। फुटेज में नेपाल के अछाम जिले में रहने वाला 22 वर्षीय श्रमिक समीर राजेंद्र रावल नजर आ रहा था।

टीसीएस : आरोपी निदा खान की तलाश जारी

हिंदमाता नेटवर्क @ नाशिक

महाराष्ट्र पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के नाशिक कार्यालय में कई महिला कर्मचारियों के कथित यौन उत्पीड़न और धर्मांतरण से जुड़े मामले में आरोपी निदा खान की भूमिका धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने से संबंधित है तथा उसकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। अधिकारी की यह टिप्पणी निदा के गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण हासिल करने में नाकाम रहने के एक दिन बाद आई है। टीसीएस में यौन उत्पीड़न और धर्मांतरण से जुड़े कथित मामले के सिलसिले में अब तक नौ प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी हैं।

मंत्री गिरीश महाजन पर आगबबूला हुई महिला

देखने वाले रह गए सन्न! वीडियो वायरल

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

वरली में बीजेपी के मोर्चे के बीच मंत्री गिरीश महाजन पर एक महिला भड़क गई। सड़क पर ट्रैफिक जाम की वजह से महिला ने मंत्री से बहस की और भड़कते हुए कहा कि यहां से चले जाओ। इसका वीडियो भी वायरल हो रहा है। अब इसे लेकर राजनीति भी शुरू हो गई है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल कहा कि इस बहन ने बीजेपी का असली चेहरा उजागर कर दिया। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने एक्स पर लिखा, महिलाओं के सशक्तिकरण के नाम पर राजनीति करने वाली, आरक्षण के मुद्दे को आगे कर महिलाओं को गुमराह करने वाली और उन्हें केवल राजनीतिक साधन की तरह इस्तेमाल करते हुए झूठा नैरेटिव फैलाने वाली भाजपा का असली चेहरा इस बहन ने वरली से निकले मोर्चे के सामने जाकर उजागर कर दिया है।

बीजेपी कर रही लोगों को गुमराह

सपकाल ने आगे कहा कि महिला आरक्षण की आड़ में संविधान और चुनावी प्रक्रिया में बदलाव करने की भाजपा की साजिश को इंडिया गठबंधन ने पहले ही नाकाम कर दिया था। इसके बाद अब मोर्चों और प्रचार के माध्यम से फिर से लोगों को गुमराह करने की कोशिश शुरू थी लेकिन इस साहसी बहन ने वह प्रयास भी विफल कर दिया है।

बीजेपी को सत्ता से बाहर करेंगी महिलाएं

हर्षवर्धन सपकाल ये भी कहा कि आज केवल मंत्री गिरीश महाजन को पीछे हटने पर मजबूर किया गया है। आने वाले समय में देश की महिलाएं इसी तरह भाजपा को सत्ता से बाहर करने का काम करेंगी।

केंद्र ने ममता को हराने के लिए दो लाख से अधिक सीआरपीएफ कर्मी तैनात किए: उद्धव

आईपीएल की तरह बिक रहे हैं महाराष्ट्र के नेता

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भाजपा नीत केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को हराने के लिए वहां दो लाख से अधिक केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) कर्मियों को तैनात किया है। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होगा, जबकि मतगणना चार मई को होगी। अपनी पार्टी के संगठन भारतीय कामगार सेना की आम सभा की बैठक को संबोधित करते हुए ठाकरे ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) बनर्जी के करीबियों पर छापे मार रहा है। उनका इशारा तृणमूल कांग्रेस को राजनीतिक परामर्श देने वाली फर्म आई-पैक के खिलाफ केंद्रीय एजेंसी की जांच की ओर था।

शेरनी की तरह लड़ रही हैं ममता

उन्होंने सवाल किया, ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में शेरनी की तरह लड़ रही हैं। उन्हें हराने के लिये पश्चिम बंगाल में दो लाख से अधिक सीआरपीएफ कर्मी तैनात किए गए हैं। अगर राज्य के हर कोने में सुरक्षा बल तैनात होंगे, तो लोग निडर होकर वोट कैसे देंगे? जब मणिपुर जातीय हिंसा के आग में जल रहा था, तब वहां केवल 30,000 सीआरपीएफ कर्मी तैनात किए गए थे।

आईपीएल की तरह बिक रहे हैं महाराष्ट्र के नेता

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र की वर्तमान राजनीतिक स्थिति की तुलना इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से करते हुए सरकार पर अब तक का सबसे कड़ा प्रहार किया है। ठाकरे ने कहा कि जिस तरह आईपीएल में खिलाड़ियों की नीलामी होती है और उनके ऊपर करोड़ों की बोली लगती है, ठीक उसी तरह महाराष्ट्र में नेताओं की खरीद-फरोख्त का गंदा खेल चल रहा है। उन्होंने महायुति सरकार को नीलामी वाली सरकार करार दिया।

जनता कोई खिलाड़ी नहीं है जो बिक जाएगी

उद्धव ठाकरे ने अपनी सभा में भारी भीड़ को संबोधित करते हुए कहा कि आज विचारधारा का अंत हो गया है और केवल खोके (पैसों) की राजनीति रह गई है। उन्होंने सीधे तौर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने राज्य की लोकतांत्रिक परंपराओं को बाजार बना दिया है। ठाकरे ने कहा, जनता देख रही है कि कैसे निष्ठा को पैसों के लिए बेचा जा रहा है, लेकिन याद रखें, जनता कोई खिलाड़ी नहीं है जो बिक जाएगी।

नौ आईपीएस अधिकारियों का तबादला

गडचिरोली के एसपी नीलोत्पल का तबादला, कोल्हापुर की संभालेंगे कमान

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के मकसद से किए गए एक बड़े प्रशासनिक फेरबदल में महाराष्ट्र सरकार ने भारतीय पुलिस सेवा के 9 अधिकारियों का तबादला कर दिया। इस तबादला आदेश के बाद सातारा, सांगली, गडचिरोली, कोल्हापुर और जलगांव जैसे अहम जिलों में नई अगुवाई देखने को मिलेगी। सरकार ने कहा कि इन रणनीतिक नियुक्तियों का उद्देश्य पुलिस प्रशासन को सुव्यवस्थित करना और राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की कार्यक्षमता को बढ़ाना है। तुषार दोषी का तबादला सातारा में पुलिस अधीक्षक के पद से कर दिया गया, उन्हें सांगली के पुलिस अधीक्षक का कार्यभार संभालने के लिए भेजा गया।

■ सतारा जिला परिषद चुनावों को लेकर उपजे एक राजनीतिक विवाद के केंद्र में दोषी थे। निखिल पिंगले पुणे में पुलिस उपायुक्त के पद से हटकर सतारा के पुलिस अधीक्षक के रूप में दोषी का स्थान लेने के लिए चले गए। इसी तरह, संदीप घुगे को सांगली में उनके कर्तव्यों से मुक्त कर दिया गया और उन्हें मुंबई के राज्य खुफिया विभाग में पुलिस उपायुक्त (सुरक्षा) के पद पर नियुक्त किया गया। वहीं, योगेश गुप्ता का तबादला कोल्हापुर के पुलिस अधीक्षक पद से गडचिरोली रेंज में पुलिस उप महानिरीक्षक (अतिरिक्त प्रभार) के रूप में कर दिया गया। इसके अलावा, नीलोत्तपल का तबादला गड़चिरोली से कोल्हापुर के नए पुलिस अधीक्षक के रूप में किया गया। एम रमेश को पदोन्नत कर गड़चिरोली का पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया। महेश्वर रेड्डी का तबादला जलगांव से राज्य अपराध जांच विभाग, पुणे कर दिया गया। श्रीकांत धिवारे धुले से जलगांव के पुलिस अधीक्षक का कार्यभार संभालने के लिए आए और राजकुमार शिंदे को पुणे से वाशिम में पुलिस अधीक्षक के रूप में तैनात किया गया।

हिंदमाता एंकरः बारामती उपचुनाव में सुप्रिया सुले ने प्रचार के अंतिम दिन सुनेत्रा के लिए रिकॉर्ड जनादेश का आह्वान किया

शरद पवार अस्पताल में भर्ती, बारामती उपचुनाव में वोटिंग नहीं कर पाएंगे, लिखा भावुक पोस्ट

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

एनसीपी (शरद चंद्र पवार) पार्टी के प्रमुख शरद पवार हॉस्पिटल में एडमिट है। उन्हें स्वास्थ्य संबंधी समस्या के कारण मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि उन्हें सोमवार को दोपहर बाद अस्पताल में एडमिट किया गया, जहां उनका इलाज जारी है। सूत्रों के अनुसार, उनकी तबीयत खराब होने के चलते डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है और साथ ही नियमित जांच भी की जा रही है। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। हालांकि, शरद पवार बारामती सीट पर हो रहे उपचुनाव में 23 अप्रैल को वोटिंग नहीं कर पाएंगे। ऐसे में शरद पवार ने सोशल मीडिया पर बारामती की जनता के लिए भावुक पोस्ट लिखा है।

मैंने मतदान करने का निर्णय लिया था

शरद पवार ने कहा- "मैंने 1967 में लड़ी गई अपनी पहली चुनाव से लेकर अब तक बारामती विधानसभा क्षेत्र में अपने मताधिकार का लगातार उपयोग किया है। अब वर्ष 2026 में बारामती विधानसभा क्षेत्र में महाराष्ट्र के एक लोकप्रिय और प्रिय नेता स्वर्गीय अजित पवार के दुर्भाग्यपूर्ण, आकस्मिक निधन की शोकपूर्ण पृष्ठभूमि में यह उपचुनाव हो रहा है। इस उपचुनाव के लिए बारामती आकर अब तक की परंपरा के अनुसार मतदान करने का मैंने निर्णय लिया था। दुर्भाग्यवश मेरी तबीयत खराब हो गई और मुझे मुंबई के अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। डॉक्टरों ने उपचार और अनिवार्य विश्राम के कारण मुझे मुंबई से बाहर जाने से मना किया है। इसलिए अत्यंत मजबूरी में मुझे अपने मताधिकार का उपयोग करने से वंचित रहना पड़ रहा है, यह मैं अत्यंत दु:खी और खेदपूर्ण मन से कहना चाहता हूं। मुझ पर अपार प्रेम और विश्वास रखने वाले बारामती के नागरिक, मतदाता और कार्यकर्ता मुझे समझेंगे, ऐसा मुझे विश्वास है।"

सुनेत्रा पवार को वोट दें- शरद पवार

शरद पवार ने आगे कहा- "हमारे दल (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरद चंद्र पवार) ने इस उपचुनाव में सुनेत्रा अजित पवार को समर्थन दिया है। स्वर्गीय अजित पवार को यह हमारे दल की ओर से एक प्रकार की श्रद्धांजलि है। मैं बारामती के सभी मतदाताओं से अपील करता हूं कि वे सुनेत्रा अजित पवार को वोट देकर स्वर्गीय अजित पवार को श्रद्धांजलि अर्पित करें। बारामती के मतदाताओं ने मुझ पर लंबे समय से विश्वास बनाए रखा है। मुझे विश्वास है कि वे इस अपील का सकारात्मक जवाब देंगे।"

मतदान का विकल्प उपलब्ध नहीं

शरद पवार ने आगे कहा- "मतदान के लिए व्यक्तिगत रूप से उपस्थित न हो पाने के कारण मैंने चुनाव आयोग के विभिन्न विकल्पों की भी जानकारी ली और पूछताछ की। लेकिन राज्य के चुनाव अधिकारियों द्वारा बताया गया कि ऐसे विकल्प उपलब्ध नहीं हैं। अंततः अत्यंत दु:खी और भारी मन से मुझे मतदान से दूर रहने का निर्णय लेना पड़ा। मैं बारामती के मतदाताओं से एक बार फिर अपील करता हूं कि वे इस उपचुनाव में सुनेत्रा अजित पवार को वोट दें। धन्यवाद!"

सुप्रिया ने सुनेत्रा के लिए रिकॉर्ड जनादेश का आह्वान किया

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शप) सांसद सुप्रिया सुले ने मंगलवार को अपने चचेरे भाई दिवंगत अजित पवार की विरासत का आह्वान करते हुए मतदाताओं से अपील की कि वे प्रचार के अंतिम दिन बारामती विधानसभा उपचुनाव में उनकी भाभी उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार को रिकॉर्ड मतों के अंतर से जिताएं। सुले ने कहा, किसी ने कभी नहीं सोचा था कि हमारे जीवन में यह दिन आएगा। आज भी कोई यह विश्वास नहीं कर पा रहा है कि अजित दादा अब हमारे बीच नहीं हैं। उनकी अनुपस्थिति का दर्द हमेशा हमारे साथ रहेगा। उन्होंने मतदाताओं से सुनेत्रा पवार के लिए एकजुट होने का आग्रह किया और कहा कि निर्णायक जनादेश दिवंगत नेता को एक श्रद्धांजलि होगी।

उल्हासनगर मनपा में महिला राज

दस विशेष समिति के सभापति बनने में भी महिलाओं का बजा डंका

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

जहां एक ओर देश में महिला विधेयक को लेकर हंगामा मचा हुआ है। वहीं उल्हासनगर मनपा के प्रमुख पदों पर 90 फीसदी महिलाए विराजमान है और उनके हाथों शहर की बागडोर है। मनपा में पहले से ही आयुक्त के रूप में मनीषा अव्हाले अपनी जिम्मेदारी निभा रही है। वही जनता द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधियों के माध्यम से शहर की प्रथम व्यक्ति अर्थात महापौर बनने का सौभाग्य एक महिला अश्विनी कमलेश निकम को मिला है। सोमवार को उल्हासनगर मनपा की विविध दस समितियों के सभापतियों के चुनाव हुए इनमें भी महिलाओं का वर्चस्व दिखाई दिया। 10 में 8 समितियों की सभापति महिला बनी है। इन समितियों के गठन के लिए भाजपा और शिंदे शिवसेना के बीच बेहतरीन समन्वय देखने को मिला। प्रत्येक समिति के लिए केवल एक ही नामांकन प्राप्त हुआ था। जिसके चलते चुनाव निर्विरोध संपन्न हुए और इनमें महिलाए कामयाब हुई। शिंदे शिवसेना के कुलवंत सिंह सोहता तथा भाजपा के विपुल मयेकर यह दो पुरुष सभापति बने है शेष 8 सभापति महिलाए चुनी गई है।

दस में 8 सभापति महिलाए बनी

साक्षी संदीप सुर्वे को शिक्षा समिति का सभापति चुना गया है। यह उनका पहला चुनाव है और एक महत्वपूर्ण समिति में वह चुनी गई है। इसी तरह वरिष्ठ और कुशल पार्षद के रूप में जानी जाने वाली मीना दीपक सोंदे को महिला एवं बाल कल्याण समिति का अध्यक्ष चुना गया है।जो एक सेवा-उन्मुख समिति है। लगातार दूसरी बार चुनी गईं सविता तोरने - रगड़े को स्वास्थ्य समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। उन्हें स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार करने का अवसर मिला है। साई पार्टी की इकलौती नगरसेविका दीप्ति दुधानी को शिवसेना के कोटे से लोक निर्माण समिति का अध्यक्ष बनाया गया है।

मनपा में आयुक्त और महापौर भी महिला

मनपा की योजना एवं नगर विकास समिति (टीपीडी) के लिए भाजपा की मीना कौर अजीत लबाना को इस समिति का अध्यक्ष चुना गया है। टीपीडी महकमा टीडीआर घोटाले के लिए कुख्यात है अब देखना होगा कि टीपीडी की नवनिर्वाचित सभापति मीना कौर लबाना क्या एक्शन लेती है। भाजपा के वरिष्ठ पार्षद दीपा नारायण पंजाबी को जल आपूर्ति एवं जल निकासी का जटिल विभाग सौंपा गया है। उसकी असली परीक्षा इस बात पर होगी कि वह इसे कैसे संभालती है।भाजपा की प्रीति विनोद माखीजा खेल एवं सांस्कृतिक समिति की अध्यक्ष चुनी गई हैं। इस विभाग के पास न तो पर्याप्त धन है और न ही काम। इसलिए यह अध्यक्ष पद मात्र दिखावटी है। शिंदे सेना की प्रेरणा अजीत माखीजानी राजस्व समिति की सभापति चुनी गई हैं।

उल्हासनगर में अब बहेगी विकास की गंगा

सबसे महत्वपूर्ण बात और मनपा के खजाने की कुंजी माने जाने वाले शिंदे सेना के वरिष्ठ नगर अधिकारी कुलवंत सोहता बिट्टू भाई का चयन उचित है। सभी को विश्वास है कि शांत, संयमित और बेदाग छवि वाले सोहता सभी को साथ लेकर चलेंगे और इस पद को बखूबी संभालेंगे। लगभग साढ़े 8 वर्षों के बाद, जब सभी समितियों का चुनाव सर्वसम्मति से हुआ है। आशा व्यक्त की जा रही है कि उल्हासनगर में अब और अधिक विकास और प्रगति होगी। हालांकि, कई वरिष्ठ और अनुभवी पार्षदों का नाराज होना स्वाभाविक है क्योंकि उन्हें इस चुनाव में अवसर ही नहीं मिला है। यह उनकी मजबूरी है कि वे सार्वजनिक रूप से अपनी नाराजगी व्यक्त नहीं कर पा रहे है।

विरार में महिला की हत्या पति व दूसरी पत्नी फरार

पारिवारिक विवाद में बेरहमी से पिटाई पुलिस ने दर्ज किया मामला

हिंदमाता संवाददाता @ विरार

विरार के व्यस्त ग्लोबल सिटी क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक महिला की उसके ही पति ने दूसरी पत्नी के साथ मिलकर हत्या कर दी। मृतका की पहचान आरती (30) के रूप में हुई है। मामले में बोलींज पुलिस थाने में हत्या का केस दर्ज किया गया है।

घटनास्थल का विवरण

जानकारी के अनुसार, विरार पश्चिम के ग्लोबल सिटी स्थित एकता पार्क इलाके में कल्पवृक्ष सोसाइटी की इमारत का निर्माण कार्य जारी है। इसी इमारत की पहली मंजिल पर बने लेबर रूम में आरती अपने पति मुन्ना और उसकी दूसरी पत्नी मीरा के साथ रह रही थी।

हत्या की वजह

प्रारंभिक जांच में पारिवारिक विवाद को घटना का कारण बताया जा रहा है। आरोप है कि मुन्ना और मीरा ने मिलकर आरती की बेरहमी से पिटाई की। मारपीट के दौरान उसका सिर दीवार से टकराया, जिससे उसे गंभीर चोट लगी और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

पुलिस कार्रवाई

घटना के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही बोलींज पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इमारत के ठेकेदार श्रीराम गोपीराम गुजर की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

इलाके में दहशत

भीड़भाड़ वाले इलाके और मजदूरों के आवास में हुई इस वारदात से आसपास के क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पुलिस ने फरार आरोपियों की तलाश के लिए विशेष टीमों का गठन किया है और मामले की जांच जारी है।

भाजपा पार्षद जंगम पर दुष्कर्म का आरोप

• पार्षद ने भी दर्ज कराई ब्लैकमेलिंग की एफआईआर

हिंदमाता संवाददाता @ मीरा- भायंदर

मीरा- भायंदर में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां मीरारोड पुलिस ने 40 वर्षीय सामाजिक कार्यकर्ता की शिकायत पर भाजपा के स्थानीय पार्षद लक्ष्मण गणपत जंगम (60) के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है। आरोप है कि जंगम ने शादी का झांसा देकर पिछले 04 वर्षों में कई बार महिला का शारीरिक शोषण किया। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मेघना बोराडे के अनुसार, दर्ज एफआईआर में महिला ने बताया कि जुलाई 2022 से आरोपी ने उसे काम के बहाने अपने कार्यालय बुलाया और शादी का वादा कर उसकी इच्छा के विरुद्ध संबंध बनाए। शिकायत में यह भी कहा गया है कि बाद में आरोपी उसे विभिन्न रिसॉर्ट और लॉज में ले जाकर लगातार शोषण करता रहा। पीड़िता ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि जब उसने विरोध किया तो पार्षद ने उसे धमकाया और शिकायत करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। पुलिस ने पार्षद जंगम के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 69 (धोखे से यौन संबंध) और 351(2) (आपराधिक धमकी) के तहत मामला दर्ज किया है।

एफआईआर दर्ज

हालांकि, पार्षद लक्ष्मण जंगम ने नवघर पुलिस स्टेशन में महिला के खिलाफ पलटवार करते हुए एफआईआर दर्ज कराई। जंगम का दावा है कि वह महिला को पिछले 04 वर्षों से जानते हैं, लेकिन 2026 की शुरूआत से वह उन्हें ब्लैकमेल करने लगी थी। पार्षद के अनुसार, महिला ने कथित तौर पर अंतरंग फोटो और वीडियो के जरिए उन्हें धमकाया और एक 3-बीएचके फ्लैट, व्यावसायिक दुकान तथा लग्जरी कार की मांग की।

झूठा दुष्कर्म का मामला दर्ज: जंगम

जंगम का कहना है कि इन मांगों को ठुकराने के बाद ही उनके खिलाफ झूठा दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया गया। नवघर पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक के अनुसार महिला के खिलाफ जबरन वसूली के आरोप में बीएनएस की धारा 308(3) के तहत मामला दर्ज किया है। फिलहाल, पुलिस दोनों पक्षों द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर की समानांतर जांच कर रही है।

नॉट रिचेबल एआईएमआईएम पार्षद सहर शेख आई सामने

फर्जी दस्तावेज के आरोपों पर दी सफाई

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

महाराष्ट्र की राजनीति में मुंब्रा की एआईएमआईएम पार्षद सहर शेख के 'फर्जी प्रमाण पत्र' विवाद ने तूल पकड़ लिया है। पिछले कई दिनों से मीडिया और सोशल मीडिया पर लग रहे आरोपों के बाद, सहर शेख ने चुप्पी तोड़ते हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस की और विरोधियों को खुली चुनौती दी। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ चलाया जा रहा 'मीडिया ट्रायल' पूरी तरह से एक राजनीतिक प्रोपेगेंडा है।

इलेक्शन हारने का गुस्सा निकाल रहे हैं विरोधी

सहर शेख ने कहा कि चुनाव में मिली करारी हार के बाद उनके प्रतिद्वंद्वी इस जीत को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। इसी वजह से उन्हें और उनके परिवार को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि मेरे पिता के महाराष्ट्र के निवासी होने पर सवाल उठाना और मुझे 'फरार' या 'नॉट रीचेबल' बताना केवल मेरी छवि खराब करने की साजिश है। जबकि मैं लगातार ग्राउंड लेवल पर आरटीई और अस्पताल के कामों में व्यस्त थी।

तहसीलदार और न्यूज चैनल्स को कानूनी नोटिस

ठाणे मनपा के मुंब्रा से पार्षद सहर शेख ने इस मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए कई लोगों को मानहानि का नोटिस भेजा है। उन्होंने बताया कि उन्होंने एक न्यूज चैनल, सुफियान खान, जावेद सिद्दीकी, फराह सिद्दीकी और एनसीपी एसपी के एक इंस्टाग्राम हैंडल समेत कई पेजों को कानूनी नोटिस दिया है। उन्होंने तहसीलदार की रिपोर्ट को भी एकतरफा करार दिया और कहा कि वह इसे भी कोर्ट में चुनौती देंगी।

सहर शेख हुई भावुक

सहर शेख ने भावुक होते हुए कहा कि एक इंसान के तौर पर इस तरह के झूठे आरोपों से उन्हें धक्का लगा है, लेकिन वह देश के कानून और संविधान पर पूरा भरोसा रखती हैं। उन्होंने कहा, हमारा परिवार कानून को मानने वाला है, इसलिए हमने अपनी लड़ाई कानूनी तरीके से लड़ने का फैसला किया है। मीडिया ट्रायल चलाने वाले पेड पीआर का सच जल्द ही सबके सामने होगा। पार्षद ने यह भी स्पष्ट किया कि उन पर लगे फर्जी दस्तावेज और अधिकारियों को गुमराह करने के आरोप बेबुनियाद हैं और वह अदालत में हर सबूत पेश करने के लिए तैयार हैं।

मीरा-भायंदर में प्रेमी पर चाकू से हमला

पति ने की हत्या, अलग रह रही थी पत्नी

हिंदमाता संवाददाता @ मीरा भायंदर

मुंबई के भायंदर पश्चिम इलाके में रिश्तों का एक दर्दनाक अंत सामने आया है। यहां एक पति ने अपनी अलग रह रही पत्नी के प्रेमी पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया, जिससे युवक की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल युवक को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

लंबे समय से अलग रह रहा था दंपति

शिकायतकर्ता नैना रोहित पवार (31) ठाणे शहर के नारायण नगर इलाके में अपने मायके में रह रही हैं। उनकी शादी वर्ष 2013 में रोहित पवार से हुई थी, लेकिन आपसी विवादों के चलते वर्ष 2019 से दोनों अलग रह रहे थे। पुलिस के अनुसार, नैना का पिछले तीन वर्षों से राकेश नामक युवक के साथ प्रेम संबंध था और दोनों शादी करने की योजना बना रहे थे। हालांकि, कानूनी रूप से तलाक न होने के कारण उनका विवाह नहीं हो सका।

घटना से पहले की गतिविधियां

19 अप्रैल को नैना अपनी बेटी के साथ मीरा भायंदर की एक ज्वैलरी दुकान पर गई थीं, जहां उन्होंने पुराने सोने के झुमके बदलवाए। ये झुमके उनके पति रोहित पवार ने बनवाए थे। इस घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी पति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। मीरा भायंदर पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है, ताकि घटना के पीछे की पूरी सच्चाई सामने आ सके।

बघेड़ा-झंडीटोला मुख्य मार्ग बदहाल

हिंदमाता नेटवर्क @ यवतमाल

बघेड़ा से झंडीटोला जाने वाली मुख्य सड़क इन दिनों पूरी तरह जर्जर हो चुकी है, जिससे राहगीरों और किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कभी सुगम और सुविधाजनक मानी जाने वाली यह सड़क अब बदहाली का शिकार हो गई है। सड़क की डामर परत उखड़ जाने के कारण जगहजगह नुकीले पत्थर बाहर आ गए हैं। इससे वाहनों के टायर क्षतिग्रस्त हो रहे हैं, वहीं पैदल चलने वाले लोगों के लिए भी यह मार्ग जोखिम भरा बन गया है। दोपहिया वाहन चालकों का संतुलन बिगड़ना आम बात हो गई है, जिसके चलते आए दिन छोटे-बड़े हादसे हो रहे हैं। यह मार्ग क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

स्थायी समितियों का गठन अटका

ठाणे महानगरपालिका में सहयोगी दलों के बीच बढ़ी खींचतान

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

ठाणे महानगरपालिका में शिवसेना-भाजपा की युति है। महापौर पद पर शिवसेना की शर्मिला पिंपलोलकर एवं उप महापौर पद पर भाजपा के कृष्णा पाटिल विराजमान हैं। लेकिन दोनों दलों के बीच सब कुछ ठीक ठाक नहीं है। दोनों दलों के बीच अपासी सहमती नहीं बनाने की वजह से अभी तक स्थायी समिति सहित अन्य विशेष समितियों का गठन नहीं हो पाया है और न ही मनोनीत नगरसेवकों की नियुक्ति हो पायी है। मनपा सदन में दोनों दलों के बीच अनबन देखने को मिल रही है। मनपा गठित होने के बाद पहली आमसभा में शिवसेना-भाजपा के नगरसेवक आपस में भिड़ गए थे। सोमवार को एक बार कटुता देखने को मिली। संसद में नारी शक्ति वंदन बिल गिरने के बाद से शिवसेना एवं भाजपा के नेता एवं सांसद विपक्ष पर लगातार हमला बोल रहे हैं। लेकिन ठाणे महानगरपालिका में भाजपा की तरफ से नारी शक्ति वंदन बिल पर भाजपा के स्थगन प्रस्ताव को महापौर शर्मिला पिंपलोलकर ने स्वीकार करने से इंकार कर दिया। जिसको लेकर भाजपा नगरसेवकों ने सदन में और सदन के बाहर आक्रामक तेवर दिखाया। भाजपा नगरसेवक भरत चव्हाण ने नारी शक्ति वंदन एक्ट' बिल पास न करने के रवैये के विरोध में मनपा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कराने का प्रस्ताव दिया। जिसे स्वीकार नहीं किया गया।

विरोध प्रदर्शन किया

इस विरोध प्रदर्शन में उप महापौर कृष्णा पाटिल, भाजपा गुट नेता मुकेश मोकाशी, नगरसेविका नंदा पाटिल, नम्रता कोली, अर्चना मणेरा, मृणाल पेंडसे, काजोल गुणिजन, उषा वाघ, वेदिका पाटील, माधुरी मेटांगे, अनिता भोईर और अन्य नगरसेवक शामिल हुए। नारी शक्ति वंदना एक्ट के जरिए संसद और विधानसभा में महिलाओं को ज्यादा प्रतिनिधित्व मिलता, लेकिन कांग्रेस समेत विपक्षी पार्टियों ने इस बिल को खारिज कर दिया। भरत चव्हाण ने कहा कि यह देश की 70 करोड़ से ज्यादा महिलाओं का अपमान है। भरत चव्हाण ने इस मुद्दे पर बैठक स्थगित की मांग की थी, जबकि नगरसेविका नंदा पाटिल ने इसे अनुमोदन दिया था।

आमसभा में उठाएंगे मुद्दा

इस प्रस्ताव के जरिये भाजपा कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों पर निशाना साधना चाहती थी, लेकिन प्रस्ताव को पटल पर रखने से मना कर देने पर उप महापौर कृष्णा पाटिल, मनपा में भाजपा के गुट नेता मुकेश मोकाशी समेत अन्य भाजपा नगरसेवकों ने कड़ी नाराजगी जतायी। नगरसेवक भरत चव्हाण ने कहा कि अगले आमसभा में इस मुद्दे को भाजपा फिर से उठाने का फैसला किया है। भाजपा की तरफ से कहा गया कि कांग्रेस सहित विपक्षी पार्टियों ने 'नारी शक्ति वंदन एक्ट' का विरोध करके महिलाओं के अधिकारों का हनन किया है। महिला आरक्षण का विरोध करके विपक्षी पार्टियों का असली चेहरा सामने आ गया है। नगरसेवक भरत चव्हाण ने मांग की कि महापौर व मनपा सचिव कांग्रेस समेत विपक्षी पार्टियों के रुख का विरोध करने के लिए सोमवार की आम सभा को एक दिन के लिए स्थगित करें, लेकिन महापौर व मनपा सचिव ने इस मांग को स्वीकार नहीं किया। जिसकी वजह से भाजपा नगरसेवकों ने सभागृह के बाहर नारे लगाकर विरोध किया।

हिंदमाता एंकर: रिस्प्लाइस फाउंडेशन व सहयोगी संस्थाओं की पहल, 26 अप्रैल को होगा निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

माटुंगा में ऑटिज्म मरीजों के लिए नि:शुल्क गट हेल्थ कैंप

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

ऑटिज्म से प्रभावित बच्चों के लिए राहत भरी पहल करते हुए रिस्प्लाइस ऑटिज्म रिसर्च फाउंडेशन 26 अप्रैल को माटुंगा (पूर्व) स्थित मैसूर ऑडिटोरियम में निःशुल्क गट हेल्थ असेसमेंट एवं माइक्रोबायोम टेस्टिंग कैंप आयोजित करेगा। यह कार्यक्रम शिवसेना मेडिकल हेल्प सेल, माझा 'सु' संकल्प अभियान और करुणा सेवा ट्रस्ट के संयुक्त सहयोग से दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगा।

संस्थान की पहल

हैदराबाद स्थित रिस्प्लाइस ऑटिज्म रिसर्च फाउंडेशन, ऑटिज्म और अन्य न्यूरोलॉजिकल समस्याओं के प्रबंधन के लिए शोध-आधारित कार्य करने वाला देश का अग्रणी संस्थान है। यह फाउंडेशन फीकल माइक्रोबायोटा ट्रांसप्लांटेशन (एफएमटी) और मल्टी-ओमिक्स आधारित व्यक्तिगत उपचार पद्धतियों पर काम कर रहा है। संस्थान के अनुसार, एफएमटी थेरेपी गट-ब्रेन एक्सिस को संतुलित करने में सहायक है, जिससे ऑटिज्म से ग्रस्त बच्चों में पाचन संबंधी समस्याओं में सुधार देखा गया है। यह प्रक्रिया स्वस्थ व्यक्ति के लाभकारी बैक्टीरिया को मरीज के शरीर में स्थानांतरित कर गट माइक्रोबायोम को संतुलित करती है।

शोध और निष्कर्ष

फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ. चंद्रशेखर थोडुपुनुरी का कहना है कि ऑटिज्म की शुरूआत गर्भ से ही होती है। उनके अनुसार, एग्रोकेमिकल्स का शरीर में जैव-संचय ऑटिज्म के विकास में अहम भूमिका निभा सकता है। इस दिशा में फाउंडेशन द्वारा आईसीएमआर में पंजीकृत शोध अध्ययन भी जारी है। डॉ. थोडुपुनुरी ने बताया कि ऑटिज्म के बढ़ते मामलों को देखते हुए गर्भधारण से पहले और गर्भावस्था के दौरान सावधानी बेहद जरूरी है। फाउंडेशन ने इसके लिए एक प्रिवेंशन प्रोग्राम भी शुरू किया है, जिसका उद्देश्य जन्म से पहले ही इस समस्या को नियंत्रित करना है।

सहयोग और उद्देश्य

इस पहल में कई सामाजिक संगठनों का सहयोग मिल रहा है। फाउंडेशन का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना, मुफ्त जांच उपलब्ध कराना और देशभर में एफएमटी केंद्र स्थापित करना है, ताकि प्रभावित बच्चों को बेहतर उपचार मिल सके। कैंप में भाग लेने के इच्छुक अभिभावक 8433529769, 8433529435 और 9100065552 पर संपर्क कर पंजीकरण कर सकते हैं।

शॉर्ट स्टोरी

शिवाजी चौक के नामकरण पर आंदोलन की चेतावनी

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

शहर के मुख्य बाजार स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज चौक को आम बोलचाल में 'शिवाजी चौक' कहे जाने पर 'छावा' संगठन ने आपत्ति जताई है। संगठन ने चौक का नाम सम्मानपूर्वक 'श्रीमंत छत्रपति शिवाजी महाराज चौक' करने की मांग को लेकर मनपा प्रशासन और महापौर से आमसभा में प्रस्ताव पारित करने का अनुरोध किया है। संगठन का कहना है कि इससे नई पीढ़ी के सामने छत्रपति शिवाजी महाराज के इतिहास और वीरता को उचित सम्मान के साथ प्रस्तुत किया जा सकेगा। मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी गई है। इसके अलावा, शिवाजी महाराज की प्रतिमा की स्थिति को लेकर भी चिंता जताई गई है। संगठन के अनुसार प्रतिमा में कई स्थानों पर क्षति है और उसे चबूतरे सहित पुनर्स्थापित करने की जरूरत है। साथ ही सोशल मीडिया पर रील बनाने के दौरान प्रतिमा के साथ अनुचित व्यवहार किए जाने पर रोक लगाने की मांग की गई है। छावा के प्रदेश अध्यक्ष निखिल गोले ने महापौर अश्विनी निकम को ज्ञापन सौंपकर मांगें रखी हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि 27 अप्रैल 2026 तक सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई, तो चौक पर एक दिवसीय प्रतीकात्मक भूख हड़ताल की जाएगी।

आज होगी भगवान बद्री विशाल की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

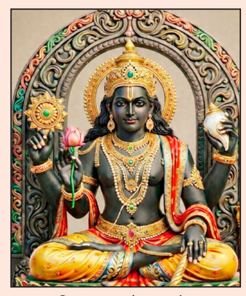

35 वर्षों के भागीरथ प्रयासों को सफल बनाने में उत्तरांचल मित्र मंडल वसई आज अपने प्रयासों में सफल हुआ है । आज भगवान बद्री विशाल मंदिर वसई में भगवान बद्री विशाल की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी साथ ही मानव कल्याण केंद्र का लोकार्पण महोत्सव भी आज सुनिश्चित किया गया है। मंडल के अध्यक्ष माधवानंद भट्ट ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा का यह कार्यक्रम 18 से 22 अप्रैल तक बड़ी धूमधाम से मनाया जा रहा है। श्री भट्ट ने बताया कि यह महोत्सव केवल एक आयोजन नहीं बल्कि हमारे पूरे सनातन धर्म समाज के लिए एक न भूलने वाला पल है। जिसकी हमने कभी कल्पना भी नहीं की थी। यह हमारे जीवन का ऐतिहासिक एवं अद्वितीय क्षण है।

जेपी वसंत विला प्रोजेक्ट का शुभारंभ

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

हेमंत शर्मा ग्रुप के आवासीय प्रोजेक्ट का भव्य शुभारंभ दहिसर ईस्ट में हुआ। यह प्रोजेक्ट दहिसर ईस्ट के विद्या मंदीर रोड पर स्थित है। इस परियोजना के प्रमोटर हेमंत शर्मा ने अपने पेशे की शुरूआत आर्किटेक्ट के रूप में की थी। महानगर की कई आवासीय परियोजनाओं में उन्हें आर्किटेक्ट के रूप में काम करने का लंबा अनुभव है। मुंबई महानगरपालिका में एक कुशल एवं जानकार आर्किटेक्ट के रूप में उन्होंने ख्याति अर्जित की है।ऐसा कई बार देखा गया है कि कोई बिल्डिंग जो 10-12 सालों से किसी तकनीकी कारणों से नहीं बन पा रही थी। वह भी उन्होंने कुशलतापूर्वक अपने हाथ में लेकर पूरी की है। उन्होंने डीसीपीआर 2034 का बारीकी से अध्ययन किया है। कार्यक्रम में रियल एस्टेट इंडस्ट्रीज से संबंधित शहर के कई प्रमुख व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। जेपी वसंत विला इस प्रोजेक्ट में भी शुरूआती दौर से कई दिक्कतें आने के बावजूद इस प्रोजेक्ट का शुभारंभ होने से यहां के निवासियों ने अपनी खुशी जाहिर की। बिल्डर आदित्य दरेकर, सैंडी,भरत लालवानी एवं रियल एस्टेट इंडस्ट्रीज कई महत्वपूर्ण व्यक्ति शर्मा ग्रुप से जुड़े हुए हैं।

भीषण आग लगने से गोडाउन जलकर खाक, डेढ़ घंटे में काबू

हिंदमाता संवाददाता @ नालासोपारा

मुंबई-अहमदाबाद महामार्ग के पेल्हार स्थित खान कंपाउंड में ए.के. इंटरप्रायजेज के गोडाउन नंबर 7 में मंगलवार सुबह करीब 9:10 बजे भीषण आग लग गई। आग की लपटें देखते ही आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही वसई-विरार महानगरपालिका की फायर ब्रिगेड की 2 गाड़ियां और 4 पानी के टैंकर मौके पर पहुंचाए गए। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद करीब डेढ़ घंटे में आग पर काबू पा लिया। फायर अधिकारी जयेश चिपलूनकर के अनुसार, इस घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है, हालांकि गोडाउन में रखे सामान को भारी नुकसान पहुंचा है। फिलहाल मौके पर कूलिंग का कार्य जारी है और आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

मीरा-भायंदर पालिका को ई-गवर्नेंस में तीसरा स्थान

हिंदमाता संवाददाता @ मीरा-भायंदर

ई-गवर्नेंस के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए मीरा-भायंदर नगर पालिका को राज्य स्तर पर तृतीय स्थान से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान 'राजीव गांधी प्रशासनिक गतिशीलता अभियान एवं प्रतियोगिता 2025-26' के तहत दिया गया, जिसमें राज्य की 29 नगर पालिकाओं ने भाग लिया था। 21 अप्रैल 2026 को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पालिका आयुक्त राधाबिनोद ए. शर्मा को यह पुरस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सिस्टम मैनेजर राज घरत भी उपस्थित रहे। पालिका ने केंद्र सरकार के डिजिटल इंडिया मिशन के तहत एनआईसी द्वारा विकसित ई-ऑफिस प्रणाली को सफलतापूर्वक लागू किया है। खास बात यह है कि मात्र 60 दिनों में सभी विभागों में 100 प्रतिशत ई-ऑफिस लागू करने वाली यह महाराष्ट्र की पहली नगर पालिका बन गई है। ई-ऑफिस के जरिए फाइलों का आवागमन, पत्राचार और अनुमोदन प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल हो गई है। अब तक 1.49 लाख से अधिक दस्तावेज और 8,800 से ज्यादा फाइलों का डिजिटल प्रबंधन किया जा चुका है। करीब 90 प्रतिशत मामलों का निपटान तीन दिनों में हो रहा है। इस पहल से पारदर्शिता बढ़ी है, कार्यप्रणाली तेज हुई है और कागजरहित व्यवस्था से 4 करोड़ रुपए से अधिक की बचत भी हुई है।

भागवताचार्य मुरली मनोहर व्यास ने बताया शस्त्र-शास्त्र का महत्व

हिंदमाता संवाददाता @ चंद्रपुर

भगवान परशुराम जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में आध्यात्मिक चिंतक व भागवताचार्य मुरलीमनोहर व्यास ने कहा कि दुष्टों और अत्याचारियों के संहार के लिए क्रोध भी आवश्यक होता है। यह विचार उन्होंने श्री गोवर्धननाथजी हवेली, चंद्रपुर में रविवार को शयन दर्शन के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम ने अन्यायी क्षत्रियों के अत्याचारों से पृथ्वी को मुक्त करने के लिए क्रोधावतार धारण किया। राष्ट्र, धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए आवश्यक होने पर क्रोध भी धर्म का अंग बन जाता है। व्यास ने कथा के माध्यम से सहस्त्रार्जुन का उल्लेख करते हुए बताया कि उसने कठोर तपस्या कर वरदान प्राप्त किया और अहंकार में आकर अत्याचार करने लगा। उसने जमदग्नि ऋषि और माता रेणुका का अपमान कर उनकी कामधेनु का हरण किया। इसके बाद भगवान परशुराम ने युद्ध में सहस्त्रार्जुन का वध किया तथा बाद में उसके पुत्रों द्वारा जमदग्नि ऋषि की हत्या का भी प्रतिशोध लिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि परशुरामजी ने सभी क्षत्रियों का नहीं, बल्कि केवल दुष्ट और अत्याचारी क्षत्रियों का संहार किया। इसका प्रमाण यह है कि उन्होंने अपना शिव धनुष राजा जनक के पास सुरक्षित रखा, जिससे सज्जन क्षत्रियों के प्रति उनके सम्मान का भाव स्पष्ट होता है। व्यास ने कहा कि परशुरामजी के क्रोध के पीछे भी धर्म की स्थापना का उद्देश्य था, जबकि भगवान श्रीकृष्ण प्रेम के प्रतीक हैं। उन्होंने बताया कि पुष्टिमार्ग में श्रीकृष्ण के प्रेम स्वरूप की उपासना की जाती है, लेकिन परशुरामजी के क्रोधावतार को भी श्रद्धा और सम्मान के साथ वंदन किया जाता है। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर भगवान परशुराम जयंती का भक्तिभाव से उत्सव मनाया।

विपक्ष ने महिला आरक्षण संशोधन विधेयक को पारित नहीं करवाकर 'पाप' किया: पंकजा मुंडे

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

महाराष्ट्र की मंत्री पंकजा मुंडे ने विपक्षी दलों पर महिला आरक्षण संशोधन विधेयक को लोकसभा में पारित नहीं होने देने के लिए, उस पर पाप का भागी बनने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कहा कि उन्होंने नीति निर्माण में महिलाओं को समान अवसर से वंचित किया है। मुंडे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के ठाणे मुख्यालय में आयोजित एक प्रेसवार्ता में कहा कि यह देश के लिए एक अवसर को खो देने के समान है। उन्होंने कहा, विपक्षी दलों ने संसद में महिला आरक्षण संशोधन विधेयक को पारित नहीं करवाकर एक गंभीर पाप किया है। इस देश की महिलाएं इस कृत्य के लिए उन्हें कभी माफ नहीं करेंगी। भाजपा नेता ने कहा, न्यायसंगत आरक्षण की मांग करने का समय आ गया है। योग्यता, प्रयास और क्षमता में कम न होने के बावजूद महिलाओं को वर्षों से कुचला और वंचित किया गया है।

संविधान संशोधन विधेयक पारित नहीं हो पाया

लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण 2029 के संसदीय चुनाव से लागू करने से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक 17 अप्रैल को संसद के निचले सदन में पारित नहीं हो पाया। सदन में संविधान (131वां) संशोधन विधेयक, 2026 पर हुए मत विभाजन के दौरान इसके पक्ष में 298 और विरोध में 230 वोट पड़े। लोकसभा में संवैधानिक संशोधन विधेयक को पारित करने के लिए दो-तिहाई बहुमत आवश्यक है।

दक्षिणी राज्यों के प्रतिनिधित्व को कम कर देगा?

विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि परिसीमन प्रक्रिया से संबंधित यह विधेयक अगर लागू किया जाता है, तो दक्षिणी राज्यों के प्रतिनिधित्व को कम कर देगा। मुंडे ने कहा कि मुद्दा एहसान करने का नहीं, बल्कि अधिकारों को मान्यता देने का है। भाजपा नेता ने दावा किया, महिलाओं के लिए आरक्षण कोई एहसान नहीं है, यह उनका अधिकार है। नीति-निर्माण में उन्हें अवसरों से वंचित रखा गया है और यह राष्ट्र के लिए वह अवसर है जिसे खो दिया गया।

पीएम मोदी ने बनाया था 350 महिलाओं के संसद पहुंचने का रास्ता, विपक्ष ने लगाई रोक: चंद्रशेखर बावनकुले

हिंदमाता नेटवर्क @ नागपुर

नागपुर में महिला आरक्षण बिल को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। राज्य सरकार में मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने महिलाओं के अधिकारों से जुड़े एक महत्वपूर्ण विधेयक को रोकने का काम किया है। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में 350 से अधिक महिलाओं के प्रवेश का रास्ता साफ किया था लेकिन विपक्षी दलों ने इस पहल को आगे बढ़ने से रोक दिया। उन्होंने कहा कि अगर महाराष्ट्र की बात करें तो यहां विधानसभा में 100 से अधिक महिला विधायक मौजूद हैं, जो महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है।

■बावनकुले के मुताबिक, कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों का उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों को मजबूत करना नहीं, बल्कि केवल उनके वोट हासिल करना रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस बिल को रोककर महिलाओं के लिए एक बड़ा अवसर खत्म कर दिया गया है। मंत्री ने यह भी कहा कि महिलाओं में इस मुद्दे को लेकर नाराजगी है और इसे लेकर भारतीय जनता पार्टी द्वारा एक मार्च भी निकाला जाएगा। उनका दावा है कि आने वाले चुनावों में महिलाएं कांग्रेस और उसके सहयोगियों को इसका जवाब देंगी।

■इसी दौरान बावनकुले ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी की हालिया प्रतिक्रियाएं और उनका गुस्से भरा रवैया यह दर्शाता है कि राज्य में उनकी स्थिति कमजोर हो रही है। बावनकुले का मानना है कि पश्चिम बंगाल की जनता आगामी चुनावों में उन्हें सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा सकती है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। जनता ने अबकी बार मन बना लिया है कि टीएमसी को हटाकर भाजपा लानी है क्योंकि वही पश्चिम बंगाल का विकास कर सकती है।

■गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को होना है। इस चरण को लेकर राजनीतिक गतिविधियां अपने चरम पर हैं। भाजपा और तृणमूल कांग्रेस दोनों ही दल अपने-अपने उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने के लिए जोरदार प्रचार अभियान चला रहे हैं। जनसभाओं, रोड शो और घर-घर संपर्क के माध्यम से मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिशें जारी हैं।

पाकिस्तान से आई 'गोरी' खराब कर रही है लोगों की किडनी!

हिंदमाता नेटवर्क @ नागपुर

पहलगाम हमले के बाद आयात पर राष्ट्रीय प्रतिबंध के बावजूद, पाकिस्तान में बना Goree Beauty Cream नामक ब्यूटी क्रीम महाराष्ट्र के नागपुर और छत्रपति संभाजीनगर जैसे भारतीय बाजारों में अवैध रूप से बेची जा रही है। यह क्रीम 'इंस्टेंट ग्लो' का दावा करती है, लेकिन इसमें मौजूद भारी मात्रा में मरक्यूरी (पारा) किडनी फेलियर का मुख्य कारण बन रही है। नागपुर के एक अस्पताल में पिछले दो वर्षों में 18 ऐसी महिलाएं सामने आई हैं, जिन्हें इस क्रीम के उपयोग के कारण 'मेंब्रेनस नेफ्रोपैथी' जैसी गंभीर किडनी बीमारी हुई है। डॉक्टरों के अनुसार, क्रीम में मौजूद मरक्यूरी त्वचा के माध्यम से खून में मिलकर किडनी को सीधा नुकसान पहुंचाता है, जिससे शरीर में सूजन और यूरिन से प्रोटीन लीक होने जैसी समस्याएं होती हैं। हालांकि खाद्य एवं औषधी प्रशासन ने छापेमारी कर बड़ी मात्रा में स्टॉक जब्त किया है, लेकिन यह क्रीम अब भी ऑनलाइन और अन्य देशों के रास्ते अवैध रूप से उपलब्ध है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि 'इंस्टेंट ग्लो' के पीछे न भागें और बिना डॉक्टरी सलाह के ऐसी क्रीमों का इस्तेमाल न करें।

पहलगाम में जान गंवाने वाले पीड़ित परिवारों का दर्द एक बार फिर सामने आया

•ऑपरेशन सिंदूर के लिए पीएम मोदी का जताया आभार

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी 22 अप्रैल को है। इस बीच महाराष्ट्र के पुणे में पीड़ित परिवारों का दर्द एक बार फिर सामने आया है। इस हमले में जान गंवाने वाले संतोष जगदाले की पत्नी प्रगति जगदाले ने सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रगति जगदाले ने मंगलवार को कहा, "सरकार ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए उन्हें न्याय दिलाने का प्रयास किया, जिसके लिए वे बेहद आभारी हैं। प्रगति ने प्रधानमंत्री से कम से कम एक बार मिलने की इच्छा जताई।" हालांकि इस आभार के साथ उनका दर्द भी साफ झलकता है। प्रगति जगदाले ने बताया कि घटना को एक साल बीत जाने के बाद भी वह उस भयावह दिन को भूल नहीं पाई हैं। उन्होंने कहा कि आज भी उन्हें बैसरन घाटी में हुए हमले की आवाजें, चीखें और अफरा-तफरी याद आती है। धर्म की पहचान के आधार पर हमला किया गया था, जिसने उनके जीवन को पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने भावुक होकर कहा कि वह हर दिन उसी घटना को जीती हैं और शायद इसे कभी भुला नहीं पाएंगी।

संतोष जगदाले की बेटी असावरी जगदाले ने भी अपने पिता को याद करते हुए भावुक बातें साझा कीं। उन्होंने कहा कि पहलगाम से जुड़ी यादें उनके जीवन की सबसे दर्दनाक स्मृतियों में शामिल हैं, जिन्हें वह अपनी आखिरी सांस तक नहीं भूल पाएंगी।

असावरी ने बताया कि उनके पिता उनके लिए एक मजबूत सहारा थे, जो हमेशा उन्हें जीवन में सीखने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते थे। असावरी ने कहा कि पिछला एक साल उनके परिवार के लिए बेहद कठिन रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि उन अन्य 25 परिवारों के लिए भी यह समय उतना ही दर्दनाक रहा होगा, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया। उनके अनुसार, यह एक ऐसा अनुभव रहा है जिसे वह 'नरक जैसा' मानती हैं जहां एक ओर अपनों को खोने का दुख है, वहीं दूसरी ओर न्याय और सरकारी वादों को पूरा करवाने के लिए संघर्ष जारी है।

मुनगंटीवार ने कोयला परिशोधन इकाई के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई

प्रदूषण का मामला उठाया

हिंदमाता नेटवर्क @ चंद्रपुर

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक और पूर्व मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने चंद्रपुर जिले के एक गांव में कथित प्रदूषण से फसल को पहुंच रहे नुकसान को लेकर एक कंपनी और महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीसीबी) के एक अधिकारी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। भाजपा नेता ने बताया कि एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को रामनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई। इस प्रतिनिधिमंडल में मुनंगटीवार के अलावा चंद्रपुर तहसील के बेलसनी गांव के कुछ किसान शामिल थे। शिकायत में चंद्रपुर के विधायक ने आरोप लगाया कि कंपनी द्वारा 2024 से संचालित 'कोयला परिशोधन' इकाई के कारण बड़े पैमाने पर पर्यावरणीय प्रदूषण हुआ है। उन्होंने दावा किया है कि इस प्रदूषण के कारण कपास, सोयाबीन और अन्य फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है और पशुधन भी मारे गए हैं। उन्होंने स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ने का दावा किया। मुनगंटीवार ने बताया कि सरकार द्वारा गठित एक समिति ने इस मामले में निरीक्षण किया था और प्रभावित किसानों के लिए कुल 68,61,864 रुपए के मुआवजे का आकलन किया था। हालांकि, यह राशि अभी तक कंपनी से वसूल नहीं की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि एमपीसीबी के क्षेत्रीय अधिकारी अपनी जिम्मेदारी निभाने में नाकाम रहे और उन्होंने कंपनी से पैसा वसूलने के लिए कोई कदम नहीं उठाया। उन्होंने इस मामले में लापरवाही बरतने वाले अधिकारी और दोषी कंपनी, दोनों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

नागपाड़ा में पैसों के विवाद को लेकर बुजुर्ग की हत्या

आरोपी गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

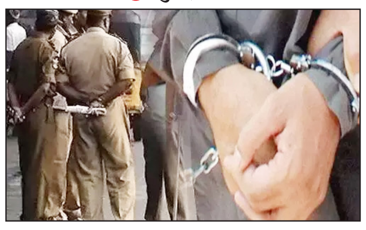

मुंबई के नागपाड़ा इलाके में पैसों के लेनदेन को लेकर हुई बहस में एक बुजुर्ग की बेरहमी से हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए मंगलवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

यह पूरी घटना सोमवार शाम करीब 6.30 बजे मदनपुरा की करीम परदा मेंशन इमारत में हुई। मृतक की पहचान मोहम्मद इकबाल इब्राहिम सेलिया (55) के रूप में हुई है। उनकी पत्नी तंजीला सेलिया ने पुलिस को बताया कि उनके पति की हत्या मीरा रोड के रहने वाले सादिक आकिब जवार (35) ने की है। जानकारी के मुताबिक, शुरूआती जांच में यह बात सामने आई है कि इकबाल ने सादिक के पास करीब 65 लाख रुपए निवेश किए थे। इस निवेश पर मिलने वाले हर महीने के मुनाफे को लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था। सोमवार को जब सादिक उनके घर पहुंचा, तो बहस इतनी बढ़ गई कि उसने गुस्से में आकर धारदार हथियार से इकबाल पर कई वार कर दिए। हमले के दौरान बुजुर्ग के गले, सीने, पेट और हाथों पर गंभीर चोटें आईं, जिसके कारण उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

■ नागपाड़ा पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया है और अब इस मामले की जांच की जा रही है। सितंबर 2025 में मुंबई से एक ऐसी ही दिल दहला देने वाली घटना सामने आई थी। कांदिवली इलाके में पुलिस ने एक शख्स को अपने ही सत्तर वर्षीय पिता की हत्या करवाने के आरोप में गिरफ्तार किया था। आरोप था कि उसने संपत्ति के विवाद की वजह से सुपारी देकर पिता की हत्या करवाई थी। इस मामले में पुलिस ने मृतक के बेटे और उसके व्यापारिक साझेदार को पकड़ लिया था, जबकि एक अन्य आरोपी की तलाश जारी थी। मृतक बुजुर्ग का नाम मोहम्मद सैयद था, जिनकी कांदिवली के चारकोप इलाके में धातु की एक फैक्ट्री थी। पुलिस ने जब सीसीटीवी कैमरों की जांच की, तो उसमें दो लोग फैक्ट्री के अंदर घुसते हुए दिखाई दिए। वे करीब एक घंटे तक अंदर रहे और फिर मोहम्मद सैयद पर जानलेवा हमला कर दिया। हत्या करने के बाद हमलावरों ने अपना हथियार फैक्ट्री के परिसर में ही बनी एक पानी की टंकी में फेंक दिया था, जिसे बाद में पुलिस ने ढूंढ निकाला।

महाराष्ट्र में लव जिहाद को रोकने के लिए बड़ी पहल

9वीं क्लास के बाद पढ़ने वाली छात्राओं को दी जाएगी ट्रेनिंग

हिंदमाता नेटवर्क @ नागपुर

महाराष्ट्र में लव जिहाद की घटनाओं को देखते हुए विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल एवं दुर्गा वाहिनी 9वीं क्लास के ऊपर पढ़ने वाली छात्राओं और कॉलेज की युवतियों को लव जिहाद से बचने की ट्रेनिंग देंगे। मई महीने के अपने ट्रेनिंग कैंप में लव जिहाद की घटनाओं से बचने के तरीके सिखाए जाएंगे। आने वाले शिक्षा सत्र में हर स्कूल, हर कॉलेज में जाकर छात्राओं को जागरुक किया जाएगा।

विवादों में यूनिवर्सल मल्टीपर्पज सोसायटी

दरअसल नागपुर के मनकापुर क्षेत्र में सामाजिक सेवा के नाम पर संचालित यूनिवर्सल मल्टीपर्पज सोसायटी पूरी तरीके से विवादों के घेरे में है। संस्था के संस्थापक रियाज काजी को चार युवतियों की शिकायत के बाद मनकापुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। रियाज ने वर्ष 2010 में यूनिवर्सल मल्टीपरपज सोसायटी की स्थापना की थी, इससे पहले वह 2005 में स्वास्थ्य विभाग से जुड़ा था, 2018 से वह शिक्षा क्षेत्र में काम कर रहा है और शिक्षा अभियान के अंतर्गत उसके 9 केंद्र संचालित हो रहे हैं। 2018 में पढ़ें हम, पढ़ाए हम नामक अभियान शुरू किया गया। धार्मिक रीति रिवाज के लिए दबाव डालने के मामले में पकड़े गए रियाज काजी की एनजीओ में होने वाली फंडिंग की जांच मनकापुर पुलिस कर रही है। इन दिनों महाराष्ट्र में बड़े पैमाने पर धर्मांतरण जैसे मुद्दे सुर्खियों में आए हैं, चाहें वह नासिक का मामला हो, अमरावती के परतवाड़ा का हो, या नागपुर का मामला हो। इसके बाद विश्व हिंदू परिषद के कार्यकताओं ने मई महीने में होने वाले विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, दुर्गा वाहिनी, मातृशक्ति के होने वाली शिविर का पाठ्यक्रम में बदलाव किया है।

विश्व हिंदू परिषद के विदर्भ के उपाध्यक्ष ने क्या बताया?

विश्व हिंदू परिषद के विदर्भ के उपाध्यक्ष हेमंत जांबेकर ने बताया कि विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, दुर्गा वाहिनी के ट्रेनिंग कैंपों में लव जिहाद से बचने की ट्रेनिंग दी जाएगी। उन्हें बताया जाएगा कि किस तरीके से उन्हें फंसाया जा रहा है। उससे कैसे बचना चाहिए, इस ट्रेनिंग कैंप के बाद विश्व हिंदू परिषद आने वाले शिक्षा क्षेत्र के शुरूआत से ही स्कूल, कॉलेज में जाकर नौवीं क्लास के ऊपर की छात्राओं सहित कॉलेज की युवतियों को लव जेहाद से बचने का उपाय बताएगी। विश्व हिंदू परिषद अब सरकार से मांग कर रही है कि उनके पास फंडिंग कहां से हो रही है, पैसा कहां से आ रहा है, इसके जड़ तक सरकार जाए और जांच करें। विश्व हिंदू परिषद पूरे महाराष्ट्र में स्कूल और कॉलेज में जाकर नौवीं क्लास के ऊपर की छात्राओं को लव जिहाद के खिलाफ कैसे सतर्क रहा जाए, कैसे उसे समझ में आए कि कोई अन्य धर्म के लोग उसे फंसाने की कोशिश कर रहा है, उसके बारे में जागृत करेंगे। विश्व हिंदू परिषद हर स्कूल में हर कॉलेज में जाकर जिस तरीके से यह जिहाद का विषय चल रहा है उसके बारे में अवगत कराएगी।

अदालत ने अग्निवीर की मां की याचिका पर जवाब में देरी पर केंद्र से नाखुशी जताई

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

बंबई उच्च न्यायालय ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मारे गए एक अग्निवीर की मां की याचिका का जवाब न देने पर मंगलवार को केंद्र से नाखुशी जताई और भारी जुमार्ना लगाने की चेतावनी दी। मां ने अग्निवीरों के लिए भी सैनिकों के समान मरणोपरांत लाभ देने की मांग की थी। न्यायमूर्ति रवींद्र घुगे और न्यायमूर्ति हितेन वेनेगांवकर की पीठ ने केंद्र को अग्निवीर मुरली नाइक की मां की याचिका के जवाब में अपना हलफनामा दाखिल करने के लिए 6 मई तक का समय दिया। नाइक पिछले साल मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जम्मू कश्मीर में सीमा पार से हुई गोलाबारी में मारे गए थे। अदालत ने कहा कि केंद्र को पिछले साल दिसंबर और फिर जनवरी में नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन आज तक जवाब दाखिल नहीं किया गया है। न्यायमूर्ति घुगे ने चेतावनी दी, यह याचिका पिछले साल से लंबित है। याचिका में उठाए गए मुद्दों पर याचिकाकर्ता ने पिछले साल जुलाई में सरकार को लिखे एक पत्र में भी बात की है। अगर अगली तारीख तक जवाबी हलफनामा दाखिल नहीं किया गया, तो हम भारी जुमार्ना लगाएंगे। अदालत ने कहा कि अब और कोई स्थगन नहीं लगाया जाएगा। अदालत ने महाराष्ट्र सरकार को अपना हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया और मामले की अगली सुनवाई 18 जून को करना तय किया। मुरली नाइक की मां ज्योतिबाई नाइक ने अपनी याचिका में कहा कि केंद्र की अग्निपथ योजना अग्निवीरों और नियमित सैनिकों के बीच 'मनमाना' फर्क पैदा करती है।

महिला आरक्षण तुरंत लागू करें, इसे परिसीमन से न जोड़ें : वर्षा गायकवाड़

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

कांग्रेस की मुंबई इकाई की अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ ने संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण तुरंत लागू करने की मंगलवार को मांग की। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़कर बेवजह लटकाया जा रहा है। मुंबई उत्तर-मध्य लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली गायकवाड़ ने कहा, हमारा स्पष्ट रुख है कि महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण को तुरंत लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने 2023 में पारित महिला आरक्षण विधेयक का जिक्र करते हुए कहा कि अगर इसे 2024 में लागू किया गया होता, तो आज लोकसभा में लगभग 180 महिला सदस्य होतीं। गायकवाड़ ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार महिला विधेयक को लागू करने के बजाय उसे ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाने के लिए महाराष्ट्र विधानमंडल से पारित शक्ति विधेयक लगभग तीन वर्ष से राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा, इसे तुरंत मंजूरी मिलनी चाहिए। मुंबई में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को धनराशि के आवंटन में भेदभाव का आरोप लगाते हुए गायकवाड़ ने कहा कि इससे महिला पार्षदों पर भी असर पड़ा है।

बड़े-बड़े बयान तो दिए जाते हैं

उन्होंने सवाल किया, 'मुंबई में सत्ताधारी पार्टी के पार्षदों को करोड़ों रुपए की धनराशि दी जाती है, जबकि विपक्षी पार्षदों (जिनमें कई महिलाएं भी शामिल हैं) को उस राशि का केवल एक हिस्सा ही मिलता है, क्या यह महिलाओं के साथ भेदभाव नहीं है?' महिलाओं के खिलाफ अपराध को लेकर गायकवाड़ ने कहा, 'बड़े-बड़े बयान तो दिए जाते हैं, लेकिन असल में कितने ताकतवर लोगों के खिलाफ कार्रवाई हुई है?

केंद्र सरकार पर साधा निशाना

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक आदिवासी महिला को देश की राष्ट्रपति तो बना दिया, लेकिन उन्हें महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में आमंत्रित नहीं किया। गायकवाड़ ने कहा, '33 फीसदी आरक्षण का प्रस्ताव राजीव गांधी लेकर आए थे और हमने हमेशा महिलाओं के प्रतिनिधित्व का समर्थन किया है।' महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने और लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर 816 करने के प्रस्ताव वाला संविधान (131वां संशोधन) विधेयक शुक्रवार को लोकसभा में गिर गया, जिसके बाद भाजपा ने कांग्रेस सहित विपक्षी दलों को निशाना बनाते हुए उन पर महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित करने का आरोप लगाया है।

बंधक बनाकर कारोबारी से सवा दो करोड़ वसूले

पहले झटक चुके थे एक करोड़ रुपए

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई के विले पार्ले पूर्व इलाके से करोड़ों रुपए की ठगी और रंगदारी वसूली का बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। आरोपियों ने पहले एक व्यवसायी को निवेश में मोटा मुनाफा दिलाने का लालच देकर अपने जाल में फंसाया और 1 करोड़ रुपए ट्रांसफर करवा लिए। जब पीड़ित को शक हुआ और उसने अपनी रकम वापस मांगी तो आरोपियों ने उसे और उसकी कंपनी के जनरल मैनेजर को बंधक बनाकर पिस्तौल के बल पर जान से मारने की धमकी दी और 2.25 करोड़ रुपए और वसूल लिए। इस तरह आरोपियों ने साजिश के तहत पीड़ित से कुल 3.25 करोड़ रुपए ऐंठ लिए। एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन में 10 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी गई है। पीड़ित आयुष नाकरा द्वारा पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, यह पूरी साजिश 15 जुलाई 2025 से 28 अगस्त 2025 के बीच रची गई। पीड़ित व्यवसायी के अनुसार, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, देवकुमार रॉय, सुशीलकुमार यादव और चेतन संघवी नामक चार ब्रोकरों ने संपर्क किया। इन लोगों ने खुद को बड़े कारोबारी निवेश नेटवर्क से जुड़ा बताते हुए शिकायतकर्ता को आर्कशिप ग्रुप कंपनी में निवेश करने पर भारी मुनाफे का भरोसा दिलाया। आरोपियों ने दावा किया कि कम समय में रकम कई गुना होकर वापस मिलेगी। धीरे-धीरे आरोपियों ने व्यवसायी का भरोसा जीत लिया और उसे यकीन दिलाया कि उसका पैसा पूरी तरह सुरक्षित रहेगा। शिकायत के मुताबिक, 22 अगस्त 2025 को आरोपियों ने पीड़ित की कंपनी के बैंक खाते से मानव धर्मयोग एनजीओ नामक संस्था के खाते में 1 करोड़ रुपए ट्रांसफर करवा लिए। व्यवसायी को बताया गया कि यह निवेश प्रक्रिया का हिस्सा है और जल्द ही उसे अच्छा रिटर्न मिलेगा। कुछ दिन बाद जब पीड़ित ने रकम और मुनाफे को लेकर सवाल पूछने शुरू किए तो आरोपियों का व्यवहार बदल गया।

■आरोप है कि 28 अगस्त 2025 को उमेश कुमार सुमन उर्फ सुबोध रंजन अपने करीब 15 साथियों के साथ पीड़ित व्यवसाई और कंपनी के जनरल मैनेजर पंकज रावत के पास पहुंचा। वहां दोनों के साथ बेरहमी से मारपीट की गई, लात-घूंसों से हमला किया गया और उनके सिर पर पिस्तौल तान दी गई। आरोपियों ने धमकी दी कि अगर तुरंत पैसे नहीं दिए गए तो दोनों को जान से मार दिया जाएगा। अचानक हुए इस हमले से डरे-सहमे व्यवसाई ने अपनी और कर्मचारियों की जान बचाने के लिए आरोपियों की शर्त मान ली।

■पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने 18 अप्रैल 2026 को रामाशिश कुमार गुप्ता उर्फ कुमार सर, उमेश कुमार सुमन उर्फ सुबोध रंजन, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, देवकुमार रॉय, सुशीलकुमार यादव, चेतन संघवी, सुरेंद्र कुमार, साक्षी कुमारी उर्फ वर्षा, स्वाती और गोयल समेत अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। पुलिस बैंक खातों, ट्रांजेक्शन डिटेल्स और आरोपियों के नेटवर्क की जांच कर रही है। साथ ही यह भी खंगाला जा रहा है कि एनजीओ खातों का इस्तेमाल किसी बड़े फर्जी निवेश रैकेट के लिए तो नहीं किया जा रहा था।

हिंदमाता एंकर: अक्षय तृतीया पर महाराष्ट्र सरकार को मिली उल्लेखनीय सफलता

प्रशासन ने रुकवाए तेरह बाल विवाह, जगी उम्मीद

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर जहाँ पूरा महाराष्ट्र उत्सव के माहौल में डूबा था, वहीं महिला एवं बाल विकास विभाग ने एक बड़ी सामाजिक कुप्रथा के खिलाफ निर्णायक जीत हासिल की है। राज्यमंत्री मेघना साकोरे-बोर्डीकर ने जानकारी दी कि विभाग की सतर्कता और प्रभावी योजना के कारण राज्य भर में होने वाले 13 बाल विवाहों को सफलतापूर्वक समय रहते रोक दिया गया। अक्षय तृतीया को साढ़े तीन मुहूर्तों में से एक अत्यंत शुभ मुहूर्त माना जाता है, जिसके कारण इस दिन सामूहिक विवाहों की आड़ में बाल विवाह होने की संभावना काफी बढ़ जाती है। इस खतरे को भांपते हुए राज्यमंत्री बोर्डीकर की अध्यक्षता में पहले ही एक उच्च स्तरीय ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में विभाग के सचिव, आयुक्त, सभी जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षकों को सख्त निर्देश दिए गए थे कि वे अपनी पूरी मशीनरी को मुस्तैद रखें और किसी भी संदिग्ध विवाह पर कड़ी नजर रखें।

जनजागृति अभियान का व्यापक असर

प्रशासन ने केवल कार्रवाई ही नहीं की, बल्कि जमीनी स्तर पर जनमत बनाने के लिए व्यापक अभियान भी चलाया। जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड हेल्पलाइन (1098), आंगनवाड़ी सेविकाओं और ग्राम बाल संरक्षण समितियों के माध्यम से गांव-गांव तक संदेश पहुंचाया गया। कीर्तन, पथनाट्य, पदयात्रा और पोस्टर्स के जरिए नागरिकों को बाल विवाह के शारीरिक और मानसिक दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही, कई स्थानों पर लोगों को बाल विवाह रोकने की शपथ भी दिलाई गई।

कठोर कानूनी प्रावधान और कार्रवाई

सरकार ने स्पष्ट किया कि यदि लड़की की आयु 18 वर्ष और लड़के की आयु 21 वर्ष से कम पाई जाती है तो केवल माता-पिता ही नहीं, बल्कि मंगल कार्यालय के मालिक, बैंड-बाजा बजाने वाले, पुजारी और रिश्तेदारों पर भी 24 घंटे के भीतर मामला दर्ज करने का प्रावधान है। इसी सख्ती का परिणाम है कि अहिल्यानगर में 5, धाराशिव में 2, यवतमाल में 2 और रायगढ़, बुलढाणा, छत्रपती संभाजीनगर व परभणी में 1-1 बाल विवाह रोका गया। यवतमाल में तो एक मामले में एफआईआर भी दर्ज की गई है। राज्यमंत्री मेघना बोर्डीकर ने कहा कि इस समन्वित कार्रवाई ने समाज में एक कड़ा संदेश दिया है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि भविष्य में भी इस कुप्रथा को जड़ से खत्म करने के लिए विभाग इसी तरह की प्रभावी मुहिम जारी रखेगा।

राज्यसभा के पूर्व सदस्य डॉ. गोपालराव पाटील का निधन

हिंदमाता नेटवर्क @ लातूर

राज्यसभा के पूर्व सदस्य और प्रख्यात बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. गोपालराव पाटील का मंगलवार सुबह यहां निधन हो गया। वह 94 वर्ष के थे। पाटील के पारिवारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पाटील ने यहां एक निजी अस्पताल में सुबह 7.12 बजे अंतिम सांस ली। वह 1994 से 2000 के बीच भाजपा से राज्यसभा सदस्य थे और वाणिज्य, विदेश मामलों और रेलवे पर प्रमुख संसदीय समितियों में योगदान दिया। पाटील एक दूरदर्शी शिक्षाविद् भी थे। उन्होंने शिव छत्रपति शिक्षण संस्थान की स्थापना की, जो लातूर में राजर्षि शाहू कॉलेज का संचालन करता है।तीन अक्टूबर, 1931 को धाराशिव जिले के कवथा गांव में जन्मे पाटील ने हैदराबाद के उस्मानिया विश्वविद्यालय से चिकित्सा शिक्षा प्राप्त की और बाद में वह लातूर के सबसे सम्मानित बाल रोग विशेषज्ञों में से एक बने। ग्रामीण क्षेत्रों में उनकी निःशुल्क चिकित्सा सेवाओं के कारण स्थानीय लोग उन्हें प्यार से 'देवमानुस' कहते थे। उन्होंने हैदराबाद के कुरनूल स्थित एक मेडिकल कॉलेज में प्राध्यापक के रूप में भी कार्य किया और कोल्हापुर जिले के कुरुंदवाड़ में मेडिकल ऑफिसर के रूप में भी सेवाएं दीं। बाद में उन्होंने इंडियन पीडियाट्रिक एसोसिएशन की एक शाखा की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और इसके पहले अध्यक्ष बने। उन्हें बाल रोग विशेषज्ञ के रूप में उनके योगदान के लिए कई पुरस्कार भी प्रदान किए गए। पाटील महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री विलासाराव देशमुख के रिश्तेदार थे। उनके परिवार में पत्नी शांताबाई, एक बेटा और तीन बेटियां हैं।

विचार प्रवाह

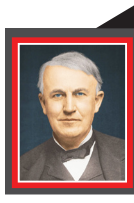

जीवन में असफल हुए कई लोग वे होते हैं जिन्हें इस बात का आभास नहीं होता कि जब उन्होंने हार मान ली तो वे सफलता के कितने करीब थे।

– थॉमस ए. एडीसन

संपादकीय

छात्रों का आत्मघात

कुरुक्षेत्र स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में दो महीनों के दौरान चार छात्रों द्वारा आत्महत्या करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। यह संस्थान ही नहीं, शैक्षिक जगत और उनके परिवारों की भी अपूरणीय क्षति है। घटनाएं तकनीकी संस्थानों में तनाव प्रबंधन और मानसिक उपचार की खामियों को भी उजागर करती हैं। कोई व्यक्ति आत्मघाती कदम तब ही उठाता है जब उसे उम्मीद के सारे दरवाजे बंद नजर आते हैं। इस घातक कदम को उठाने से पहले वो तनाव के चरम से जूझते हुए किस मानसिक कष्ट से गुजरता होगा, अंदाज लगाना कठिन नहीं है। उसकी मन:स्थिति इतनी हताशा से भरी होती है कि आत्महत्या जैसा पीड़ादायक-घातक रास्ता उसे समाधान नजर आता है। विडंबना है कि हम संभावनाओं के इस दुखद अंत को मूकदर्शक बने देखते हैं। हम आत्महत्या के आंकड़ों व संख्या का जिक्र ही करते हैं, लेकिन उसे पाल-पोसकर बड़ा करने वाले मां-बाप पर हुए वज्रपात का अहसास नहीं करते। उच्च तकनीकी संस्थान की दहलीज तक पहुंचने में बच्चे कितना शरीर को गलाते हैं। उन्हें पालने-पोसने व बड़ा करने में मां-बाप अपना खून पसीना एक कर देते हैं। हर बच्चा चांदी का चम्मच लेकर पैदा नहीं होता। उसके इस मुकाम तक पहुंचने में माता-पिता का त्याग शामिल होता है। कई अभिभावक बैंकों से कर्ज लेकर इन तकनीकी संस्थानों में बच्चों का एडमिशन कराते हैं। कई पैरेंट्स इस लायक बनाने के लिये पैसा कोचिंग संस्थानों में बहाते हैं। फिर एक दिन खबर आती है कि उनकी उम्मीदों ने आत्मघात कर लिया। हमें उनके दर्द को अपने दर्द की तरह महसूस करना चाहिए। इन घटनाओं के बाद एनआईटी ने एक पांच सदस्यीय जांच समिति बनायी है। लेकिन क्या समिति उन बच्चों का जीवन लौटा पाएगी? दूसरी ओर राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटास ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से प्रकरण में तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की है। वहीं एनआईटी ने छात्रों की समस्याओं को दूर करने के लिये कुछ अलग समितियां भी बनायी हैं। देश के विभिन्न उच्च तकनीकी संस्थानों में छात्रों के आत्मघात की खबरें अकसर आती हैं। कुछ साल पहले शिक्षा मंत्रालय ने संसद को बताया था कि साल 2018-2023 के बीच उच्च शिक्षा संस्थानों के 98 छात्रों ने आत्महत्या की थी। इनमें सबसे ज्यादा सबसे प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान आईआईटी में हुई थी। उसके बाद आत्मघात करने वाले छात्र एनआईटी और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के थे। जाहिर है इन संस्थानों में कुछ तो ऐसा घट रहा है, जिससे हमारी संवेदनशील प्रतिभाएं साम्य नहीं बैठा पा रही हैं। विडंबना यह है कि देश के हर संस्थान व शासन-प्रशासन के स्तर पर आग लगने पर कुआं खोदने की मनोवृत्ति बनी हुई है। इन संस्थानों में पूरे देश की चुनिंदा प्रतिभाएं ही पहुंचती हैं। जो एक गलाकाट स्पर्धा के दौर से गुजरकर यहां तक आती हैं। लेकिन हमारी शिक्षा व्यवस्था का ढांचा ऐसा है जो बच्चों को किताबी कीड़ा तो बनाता है, लेकिन चुनौतियों से जूझने लायक नहीं बनाता। अब वे शिक्षक भी नहीं रहे जो छात्रों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर पढ़ाएं। बड़ी संख्या ऐसे शिक्षकों की है जिनकी प्राथमिकता अपने विषय और वेतन-भत्तों व सुविधाओं तक ही सीमित रह गई है। परवरिश के स्तर पर भी नहीं सिखाया जाता कि जीवन में बुरे से बुरा घटने पर बिना विचलित हुए कैसे उस चुनौती का सामना किया जाए। परिवार की उम्मीदों का बोझ ढोते, ये प्रतिभावान बच्चे जब असफलता के भय से ग्रस्त होते हैं तो आत्महत्या को अंतिम विकल्प के रूप में सोचने लगते हैं। ऐसी घटनाएं होने पर शिक्षण संस्थानों द्वारा फौरी तौर पर जो कदम उठाये जाते हैं, वे कारगर साबित नहीं होते। किसी आत्महत्या का मामला प्रकाश में आने के बाद हाय-तौबा होती है, तब घोषणाएं होती हैं। फिर वही ढाक के तीन पात। तनाव से गुजरते छात्रों पर पैनी नजर रखने की जरूरत होती है। ये बच्चे बेहद संवेदनशील व ईमानदार होते हैं, जो अपने को साबित न कर पाने पर आत्मघात की राह चुन लेते हैं। समय रहते उनकी पहचान करके संस्थान प्रबंधन व अभिभावकों को उनकी मनोवैज्ञानिक सहायता करनी चाहिए। इन प्रतिभाओं को तनाव के दानव का ग्रास बनने से रोके जाने की जरूरत है।

आज का इतिहास

- 2002 - पाकिस्तान में पर्ल हत्याकांड की सुनवाई प्रारम्भ।
- 2004 - उत्तर कोरिया में ट्रेनों की भीषण टक्कर, 3000 हताहत।
- 2005 - बांडुंग (इंडोनेशिया) में 50 वर्षों के बाद दूसरा एशियाई-अफ़्रीकी सम्मेलन आरम्भ।
- 2008 -भाजपा के महासचिव गोपीनाथ मुण्डे ने अपना इस्तीफा वापस लिया। रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन को लुडविग नोबल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- 2010 - दिल्ली के ज़िला एवं सत्र न्यायालय के न्यायाधीश एसपी गर्ग ने वर्ष 1996 में लाजपत नगर बाजार में हुए विस्फोट मामले में दोषी छह लोगों में से तीन मोहम्मद नौशाद, मोहम्मद अली बट्ट और मिर्जा निशार हुसैन को मौत की सजा सुनायी।
- 1914 - बी. आर. चोपड़ा - हिन्दी फिल्म निमार्ता-निर्देशक
- 1916 - कानन देवी - भारत की प्रसिद्ध अभिनेत्री, गायिका और फि ल्म निमार्ता।
- 1932 - स्वामी सच्चिदानंद - जानेमाने आध्यात्मिक संत, समाज सुधारक, दार्शनिक तथा लेखक हैं।
- 1936 - पी. चंद्रशेखर राव, अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में समुद्र के कानून के न्यायाधीश हैं।
- 1952 - कमला प्रसाद बिसेसर - भारतीय मूल की कैरेबियन द्वीप त्रिनिनाद एवं टोबैगो की महिला प्रधानमंत्री।
- 1960 - मनोज मुकुंद नरवणे-भारतीय थल सेना के नव नियुक्त सेना प्रमुख हैं।
- 1962-गुरुप्रसाद मोहापात्रा - भारतीय आईएएस अधिकारी थे।
- 1974 - चेतन भगत- मशहूर उपन्यास लेखक।
- 1894 - अम्मू स्वामीनाथन - भारतीय संविधान को बनाने में सहयोग देने वाली महिलाओं में से एक थीं।
- 1891 - राधाबाई सुबारायन - भारतीय महिला राजनीतिज्ञ, समाज सुधारक तथा महिला अधिकारों के लिये कार्य करने वाली कार्यकर्ता थीं।
- 1851 - सर गंगा राम - प्रसिद्ध इंजीनियर, समाजसेवी और भारत में हरित क्रांति के नायक थे।
- 1840 - जेम्स प्रिंसेप - ब्राह्मी लिपि भाषाविद् एवं अशोक के शिलालेख पढ़ने वाले प्रथम अंग्रेज व्यक्ति थे।
- 1760 - अकबर द्वितीय - मुगल वंश का 18वां बादशाह था।
- 2021 - श्रवण कुमार राठौर - हिन्दी फिल्मों के प्रसिद्ध संगीतकार थे।
- 2013 - लालगुड़ी जयरमण - भारत के प्रसिद्ध वायलिन वादक।
- 1980 - मंगूराम - समाज सुधारक थे।

आतंक के खिलाफ मजबूत और समग्र मोर्चा

बदलते स्वरूप के आतंकवाद से निपटने के लिए तकनीक

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत दशकों से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष आतंकवाद का सामना करता आया है। यह लड़ाई हमारे लिए नई नहीं है। आतंकवाद कितना वीभत्स हो सकता है, इसका एक उदाहरण पिछले वर्ष पहलगाम में हुआ आतंकी हमला था, जिसमें लोगों को उनका मजहब पूछकर मारा गया था। चूंकि पहलगाम हमले की बरसी निकट है, इसलिए हमें आतंकवाद के खतरों को लेकर सचेत रहना होगा। पहले जहां आतंकवाद सीमांत क्षेत्रों और पारंपरिक तरीकों तक सीमित था, वहीं अब यह उच्च तकनीक, इंटरनेट और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के सहारे तेजी से फैलने वाला वैश्विक खतरा बन गया है।

आतंकवाद का बदलता स्वरूप और नई चुनौती

आज आतंकी केवल हथियारों के सहारे नहीं, बल्कि डिजिटल माध्यमों, गुप्त वित्तीय नेटवर्कों और वैचारिक प्रचार के जरिये भी काम कर रहे हैं। इस बदलते स्वरूप को समझे बिना आतंकवाद से प्रभावी ढंग से निपटना संभव नहीं है। इसी संदर्भ में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक समयानुकूल पहल की है। इसे नाम दिया है 'प्रहार' (यानी प्रोएक्टिव रिस्पांस अगेंस्ट होस्टाइल एक्ट्स)। यह कदम आतंकवाद से निपटने में बाजी पलटने वाला दांव सिद्ध हो सकता है।

अनुभवों से मिली रणनीतिक सीख

भारत ने आतंकवाद से लड़ते हुए कई अनुभव हासिल किए हैं। इस क्रम में माओवाद से निपटने में अपनाई गई 'समाधान' संकल्पना एक उत्कृष्ट उदाहरण है। दृढ़ इच्छाशक्ति, स्पष्ट रणनीति, बेहतर समन्वय और मजबूत खुफिया तंत्र के माध्यम से उग्रवाद को काफी हद तक नियंत्रित किया गया।

समन्वय और स्पष्ट नीति का महत्व

इससे यह सिद्ध हुआ कि यदि नीति स्पष्ट हो और एजेंसियों के बीच तालमेल मजबूत हो, तो जमीनी स्तर पर ठोस परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। हालांकि आतंक से निपटने में आज की चुनौतियां कहीं अधिक विकराल हैं। आतंकवाद मुख्यत: बाहरी ताकतों द्वारा पोषित है। अब बिखरे हुए छोटे-छोटे समूहों, अकेले काम करने वाले व्यक्तियों और आनलाइन नेटवर्क के रूप में भी वह विस्तार ले रहा है। इस तरह यह एक साथ जमीनी, इंटरनेट और वित्तीय तंत्र तीनों स्तरों पर काम करता है। ऐसे में अलग-अलग और असंगठित प्रयास पर्याप्त नहीं होंगे।

'प्रहार' की समग्र रणनीति

प्रहार जैसी संकल्पना इन्हीं पहलुओं को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। यह तकनीक, खुफिया जानकारी, कानून व्यवस्था, वित्तीय निगरानी और अंतरराष्ट्रीय सहयोग में समन्वयन को सुनिश्चित करती है। इसका उद्देश्य स्पष्ट है-खतरे को चिह्नित करना, उसे बढ़ने से रोकना और जरूरत पड़ने पर तुरंत और सख्त कार्रवाई करना। इस नीति की सबसे बड़ी विशेषता इसका समग्र दृष्टिकोण है।

बहुआयामी समस्या, बहुआयामी समाधान

आतंकवाद बंदूक या बम का मामला नहीं है, बल्कि यह एक सोच, एक बड़े नेटवर्क और दुश्मन के सुनियोजित षड्यंत्र का हिस्सा है, इसलिए इसका समाधान भी बहुआयामी होना चाहिए। प्रहार सात मुख्य स्तंभों पर आधारित है, जो इसे एक संतुलित और प्रभावी नीति बनाते हैं।

सात स्तंभों पर आधारित मजबूत ढांचा

एक स्तंभ है रोकथाम यानी खुफिया जानकारी के आधार पर समय रहते कार्रवाई। दूसरा स्तंभ है प्रतिक्रिया, जिसमें किसी घटना पर त्वरित एवं समन्वित कार्रवाई। तीसरा स्तंभ है विश्लेषण, जिसमें सटीक जानकारी एवं विश्लेषण के आधार पर निर्णय। चौथा स्तंभ है मानवाधिकार अनुपालन यानी कानून और संविधान के दायरे में रहकर कार्रवाई। पांचवां स्तंभ है आतंकी वित्तीय ढांचे की कमर तोड़ना, ताकि उन तक वित्तीय मदद पहुंचने ही न पाए। छठा स्तंभ है जागरूकता और कट्टरता-निरोध, जिसमें समाज को साथ लेकर चलना और दुष्प्रचार का समय से खंडन। सातवां स्तंभ है लचीलापन और पुनर्बहाली यानी घटना के बाद तेजी से सामान्य स्थिति बहाल करना। ये सभी स्तंभ ऐसी रणनीति बनाते हैं, जो न केवल आतंक को रोकने में सक्षम है, बल्कि समाज को भी मजबूत बनाती है।

तकनीक के साथ बदलती रणनीति

आज आतंकी नई तकनीकों का तेजी से उपयोग कर रहे हैं। ऐसे में पारंपरिक पुलिसिंग पर्याप्त नहीं रह गई है। प्रहार इस कमी को दूर करते हुए साइबर क्षमता, आधुनिक तकनीक और वित्तीय निगरानी को भी अपने ढांचे में शामिल करता है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने आतंक के खिलाफ अपना रुख और स्पष्ट किया है।

निर्णायक कार्रवाई की नई नीति

बालाकोट एयर स्ट्राइक से लेकर आपरेशन सिंदूर और देश के भीतर आतंकी नेटवर्क पर लगातार कार्रवाई यह दिखाती है कि भारत अब केवल बचाव की नीति तक सीमित नहीं है। जरूरत पड़ने पर उसके पास निर्णायक और पूर्व-निषेधात्मक कठोर कदम उठाने की क्षमता और इच्छाशक्ति दोनों मौजूद हैं।

रोकथाम पर केंद्रित रणनीति

प्रहार यह सुनिश्चित करता है कि ऐसी कार्रवाई केवल परिस्थितियों पर निर्भर न रहे, बल्कि एक व्यवस्थित नीति के तहत की जाए। इस नीति का केंद्रीय आधार आतंक की रोकथाम है। इसके लिए खतरे को प्रारंभिक स्तर पर ही चिह्नित कर उसे निष्प्रभावी करना मूल उद्देश्य है। इसके लिए खुफिया-आधारित पुलिसिंग को सुदृढ़ करना, एजेंसियों के बीच रियल-टाइम सूचना साझाकरण सुनिश्चित करना, भर्ती नेटवर्क को समय रहते ध्वस्त करना और आतंकी समर्थन तंत्र को समाप्त करना अनिवार्य है।

डिजिटल निगरानी और आधुनिक उपाय

साथ ही, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सक्रिय कट्टरपंथी गतिविधियों की निगरानी और आतंकी वित्तपोषण के स्रोतों पर कठोर नियंत्रण इस ढांचे के प्रमुख घटक हैं। एआइ के माध्यम से संभावित खतरों का पूवार्नुमान, बिग डाटा से संदिग्ध पैटर्न की पहचान, सीमाओं पर ड्रोन निगरानी और साइबर फोरेंसिक के माध्यम से इन्क्रिप्टेड संचार की ट्रैकिंग जैसे उपाय इसे अधिक प्रभावी बनाते हैं।

सामाजिक भागीदारी की अनिवार्यता

आतंकवाद के डिजिटल स्वरूप को देखते हुए साइबर क्षमताओं का विस्तार अब अनिवार्य हो गया है, क्योंकि डीपफेक आधारित दुष्प्रचार के बढ़ते उपयोग ने यह चुनौती और जटिल बना दी है। यह भी समझना होगा कि कट्टरपंथ केवल सुरक्षा बलों के माध्यम से नियंत्रित नहीं किया जा सकता। इसके लिए समाज, शिक्षकों, धार्मिक नेतृत्व और नागरिक संगठनों की भागीदारी भी अपरिहार्य है।

आंखनदेखी

इजराइल में इजरायली आर्मर्ड कॉर्प्स स्मारक पर परिवार पुराने टैंकों और सैन्य वाहनों पर चढ़कर उन्हें करीब से देखते नजर आए। यह दृश्य 'योम हाज़िकारोन' यानी शहीद सैनिकों की स्मृति में मनाए जाने वाले दिवस के एक दिन बाद का है, जब लोग श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

सड़क हादसों का अंतहीन सिलसिला

● लापरवाही, कमजोर व्यवस्था और अनदेखे नियमों के बीच सड़कों पर मौत का बढ़ता खतरा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के ऊधमपुर जिले में एक बस के गहरी खाई में गिरने से 20 से अधिक यात्रियों की मौत आए दिन होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में से एक है। चूंकि इस दुर्घटना में मरने वालों की संख्या अधिक है, इसलिए शीर्ष स्तर पर शोक व्यक्त किया जा रहा है और दुर्घटना के कारणों की जांच का भरोसा दिया जा रहा है। परंतु यह भी उतना ही सच है कि ऐसे आश्वासन केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं और इनसे सड़क हादसों में कोई ठोस कमी नहीं आती। देश में मार्ग दुर्घटनाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है और इसके साथ ही मृतकों एवं घायलों का आंकड़ा भी चिंताजनक रूप से ऊपर जा रहा है। लगभग हर हादसे के बाद वही पुराने कारण सामने आते हैं-ओवरलोडिंग, तेज रफ्तार, लापरवाह ड्राइविंग, अनुभवहीन चालक, यातायात नियमों की अनदेखी और खराब सड़कों की स्थिति। इन कारणों का बार-बार दोहराया जाना यह दशार्ता है कि समस्या की पहचान तो है, लेकिन समाधान की दिशा में गंभीर प्रयास नहीं हो रहे।

ऊधमपुर हादसे से मिली चेतावनी

ऊधमपुर में जिस बस में हादसा हुआ, उसके तेज रफ्तार में होने के साथ-साथ उसमें क्षमता से अधिक यात्रियों का होना भी बड़ा कारण बताया जा रहा है। चिंताजनक बात यह है कि यह एक सरकारी बस थी, फिर भी उसमें ओवरलोडिंग की स्थिति बनी रही। कई यात्री खड़े होकर सफर कर रहे थे, जो पहाड़ी रास्तों पर बेहद खतरनाक है। ऐसे इलाकों में तो अतिरिक्त सावधानी अपेक्षित होती है, लेकिन यहां स्पष्ट रूप से लापरवाही देखने को मिली। यह मानना कठिन है कि बस अड्डे से निकलते समय इस बस पर पुलिस या प्रशासन की नजर नहीं पड़ी होगी। फिर भी कार्रवाई का अभाव यह दशार्ता है कि नियमों के उल्लंघन को लेकर एक तरह की उदासीनता फैल चुकी है। विडंबना यह भी है कि यात्री स्वयं भी जोखिम उठाने से पीछे नहीं हटते और खड़े होकर यात्रा करने को तैयार रहते हैं, मानो सुरक्षा उनके लिए प्राथमिकता ही न हो।

ओवरलोडिंग की व्यापक समस्या

सिर्फ यात्री वाहन ही नहीं, बल्कि माल ढोने वाले कमर्शियल वाहन भी बड़े पैमाने पर ओवरलोडिंग करते हैं। यह प्रवृत्ति न केवल सड़क की गुणवत्ता को प्रभावित करती है, बल्कि दुर्घटनाओं के जोखिम को भी कई गुना बढ़ा देती है। इसके बावजूद इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हो पा रहा है, जिससे साफ है कि नियमों के पालन की इच्छाशक्ति का अभाव है। हमारे नीति-निमार्ता सड़क दुर्घटनाओं के कारणों से भली-भांति परिचित हैं। बावजूद इसके, समाधान के नाम पर ठोस कदम उठाने के बजाय केवल आश्वासन दिए जाते हैं। सड़क सुरक्षा को लेकर योजनाएं तो बनती हैं, लेकिन उनका प्रभावी क्रियान्वयन नहीं हो पाता। यही कारण है कि हालात जस के तस बने हुए हैं।

सड़कों की खामियां और प्रशासनिक विफलता

देश में सड़कों और राजमार्गों का निर्माण इस तरह नहीं हो पा रहा है कि उनमें डिजाइन संबंधी खामियां न रहें। कई स्थानों पर 'ब्लैक स्पॉट' यानी दुर्घटना संभावित क्षेत्र बने हुए हैं, जिन पर समय रहते ध्यान नहीं दिया जाता। दूसरी ओर, पुलिस प्रशासन भी यह सुनिश्चित करने में विफल रहा है कि वाहन चालक यातायात नियमों का सख्ती से पालन करें। लगातार बढ़ती दुर्घटनाओं और मौतों के बावजूद जिस तरह केवल औपचारिक बयान देकर जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लिया जाता है, उससे यही प्रतीत होता है कि मानव जीवन का मूल्य कम आंका जा रहा है। सड़क हादसों में हर साल होने वाली लाखों मौतों को यदि गंभीरता से नहीं लिया गया, तो यह स्थिति और भयावह हो सकती है।

प्रेरक प्रसंग

कर्तव्य से बड़ी कोई प्रशंसा नहीं

विजयगढ़ राज्य में राजा भानु प्रताप का शासन था। वे एक पराक्रमी और न्यायप्रिय राजा माने जाते थे। एक दिन वे अकेले ही अपने घोड़े पर सवार होकर जंगल में शिकार के लिए निकल पड़े। जंगल की गहराइयों में अचानक उनका घोड़ा बेकाबू हो गया और राजा नीचे गिर पड़े। चोट लगने के कारण वे असहाय हो गए थे। उसी समय वहां से गुजर रहे एक व्यक्ति ने यह दृश्य देखा। उसने तुरंत राजा को उठाया, उनकी देखभाल की और उन्हें पानी पिलाया। धीरे-धीरे राजा की तबीयत संभल गई। राजा उस व्यक्ति की मदद से बहुत प्रसन्न हुए। उन्होंने उससे उसका नाम और काम पूछा। उस व्यक्ति ने अपना नाम मोहन बताया और कहा कि वह बेरोजगार है। राजा ने उसकी ईमानदारी और मदद की भावना को देखकर उसे महल में पहरेदारी की नौकरी देने का प्रस्ताव दिया। अगले दिन मोहन राजदरबार में पहुंच गया। राजा ने उसे सख्ती से समझाया कि पहरेदारी के दौरान उसे पूरी रात जागकर अपना कर्तव्य निभाना होगा। यदि वह सोता हुआ पाया गया, तो उसे दंड दिया जाएगा। समय बीतता गया और मोहन अपनी ड्यूटी करता रहा। लेकिन एक रात, जब महल की रोशनी बुझ गई, तो वह थकान के कारण सो गया। उसी रात उसने एक अजीब सपना देखा-राजा किसी दूसरे शहर की यात्रा कर रहे हैं और वहां अचानक भूकंप आ जाता है। अगले दिन जब राजा यात्रा की तैयारी कर रहे थे, तब मोहन ने हिम्मत करके अपना सपना उन्हें बता दिया। राजा ने उसकी बात को गंभीरता से लिया और अपनी यात्रा रोक दी। थोड़ी ही देर बाद खबर आई कि जिस शहर में राजा जाने वाले थे, वहां सचमुच भूकंप आ गया है।

■ यह सुनकर राजा को एहसास हुआ कि मोहन की बात सही थी और उसकी वजह से उनकी जान बच गई। अगले दिन राजा ने मोहन को दरबार में बुलाया। उन्होंने उसे अपने गले की सोने की माला भेंट की और उसकी सहायता के लिए धन्यवाद दिया। लेकिन साथ ही उन्होंने उसे नौकरी से निकालने का आदेश भी दे दिया।

■ राजा ने समझाया कि पुरस्कार उसकी वफादारी और समय पर दी गई सूचना के लिए है, लेकिन नौकरी से निकालना इसलिए जरूरी है क्योंकि उसने अपने कर्तव्य में लापरवाही की। वह पहरेदारी के दौरान सो गया था, जो एक बड़ी गलती थी। सीख: प्रशंसा या वाहवाही के चक्कर में कभी भी अपनी जिम्मेदारी और कर्तव्य को नहीं भूलना चाहिए।

राशिफल

मेष– भाग्य का साथ रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। विवाद से दूर रहें। कुसंगति से बचें। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

वृषभ–शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड में सोच-समझकर हाथ डालें। जल्दबाजी न करें। समय अनुकूल है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। किसी मांगलिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा।

मिथुन– व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। समय का अपव्यय होगा। दूर से दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश होगा। काम में मन नहीं लगेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति विशेष से अनबन हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क– कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे।

सिंह– दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में प्रतिष्ठित अतिथियों का आगमन हो सकता है। व्यय होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय बनी रहेगी। दुष्टजनों से दूर रहें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। शत्रु शांत रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

कन्या– व्यावसायिक यात्रा से लाभ होगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। निवेशादि शुभ रहेंगे। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। किसी बड़ी समस्या का हल प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

तुला–व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत रहेंगे। ऐश्वर्य पर खर्च होगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे।

वृश्चिक– प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। शुभ समाचार मिल सकता है। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता रहेगी।

धनु– कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। कारोबारी नए अनुबंध हो सकते हैं, प्रयास करें। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें।

मकर– धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। पूजा-पाठ में मन लगेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता रहेगी। यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। थकान महसूस होगी। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल रहेंगे।

कुंभ– कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक शिथिलता रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। किसी अपने का व्यवहार प्रतिकूल रहेगा। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं। नौकरी में अपेक्षानुरूप कार्य न होने से अधिकारी की नाराजी झेलना पड़ेगी।

मीन–किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। कारोबारी लाभ में वृद्धि होगी। नौकरी में शांति रहेगी। सहकर्मियों का साथ मिलेगा। धनार्जन होगा। कष्ट, भय व चिंता का वातावरण बन सकता है। विवेक से कार्य करें। समस्या दूर होगी।

केरलम के मुंडाथिकोड में पटाखों के गोदाम में भड़की आग

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंडाथिकोड

■ 8 लोगों की मौत ■ 40 से ज्यादा लोग घायल, मचा हड़कंप

केरलम से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। केरलम के त्रिशूर ज़िले के मुंडाथिकोड में पटाखों के एक गोदाम में आग लग गई। इस आग से इलाके में हड़कंप मच गया है। आग इतनी भीषण थी कि 8 लोग इसकी चपेट में आ गए है। केरलम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (KSDMA) ने इस घटना में 8 लोगों की मौत की पुष्टि की है। इस हादसे में मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावनाएं है। यह हादसा 'त्रिशूर पूरम' की तैयारियों के दौरान हुआ। त्रिशूर पूरम केरलम का सबसे भव्य और प्रसिद्ध वार्षिक मंदिर उत्सव है। इस उत्सव को पूरमों की जननी भी कहा जाता है। इस उत्सव के दौरान आतिशबाजी के लिए पटाखे लाए गए थे।

पटाखों में लगी आग

यह पटाथे तिरुवंबडी में एक शेज के नीचे रखे गए थे। मंगलवार को अचानक इन यह पटाखे एक-एक कर फूटने लगे। इस उत्सव में शामिल होने के लिए भारी संख्या में लोग जमा हुए थे। अचानक पटाखे फूटने से मौके पर अफरा-तफरी मच गई और कई लोग इन पटाखों की चपेट में आ गए।

40 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल

इस हादसे में अब तक 8 लोगों की मौतों की पुष्टि की जा चुकी है और 40 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो चुके है। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची। पुलिस ने सभी घायलों को तुरंत एम्बुलेंस के जरिए नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया और दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाने की कोशिश की।

5 अस्थायी शेड में फैली आग

मिली जानकारी के अनुसार, केरलम में आयोजित 'त्रिशूर पूरम' उत्सव के लिए लगभग 5 अस्थायी शेड बनाए गए थे। पटाखों में लगी आग इतनी फैली की इन सभी शेड में आग फैल गई और लोगों को जान बचाकर भागना पड़ा। इस घटना के बाद अभी तक पटाखों को पूरी तरह से बुझाया नहीं जा सका है। फिलहाल राहत-बचाव अभियान तेजी से जारी है। पूरे इलाके में काले धुएं का गुबार छाया हुआ है, जिससे बचाव कार्य में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा करने की तैयारी

फिलहाल विस्फोट के सटीक कारणों की पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन जांच में पटाखा सामग्री के भंडारण और हैंडलिंग में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की आशंका पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। विस्फोट के बाद आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है और कुछ समय के लिए जनजीवन भी प्रभावित हुआ है। प्रशासन अब पटाखा निर्माण और भंडारण से जुड़े सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा करने की तैयारी में है, क्योंकि त्रिशूर पूरम के दौरान बड़े पैमाने पर आतिशबाजी होती है, जिसके लिए सख्त निगरानी और नियमों का पालन जरूरी होता है। फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीमें अभी भी मौके पर राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं और हालात को काबू में लाने का प्रयास कर रही हैं। इलाके को पूरी तरह घेर लिया गया है और प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अगली सूचना तक घटनास्थल के आसपास न जाएं। जिले के वरिष्ठ अधिकारी हालात पर लगातार नजर बनाए हुए हैं, जबकि मेडिकल टीमें घायलों का इलाज आपात आधार पर कर रही हैं।

भारत को 100 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण वाले ईंधन का लक्ष्य रखना चाहिए: नितिन गडकरी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि भारत को जल्द ही ऑटोमोबाइल ईंधन के रूप में 100 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण हासिल करने का लक्ष्य रखना चाहिए, ताकि आयातित तेल पर निर्भरता कम हो सके, जो ईरान युद्ध जैसे भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच ऊर्जा आपूर्ति में व्यवधान के प्रति देश को संवेदनशील बनाता है। मंत्री ने बताया कि भारत अपनी कुल तेल जरूरत का लगभग 87 प्रतिशत आयात करता है। केंद्रीय मंत्री ने इंडियन फेडरेशन ऑफ ग्रीन एनर्जी के ग्रीन ट्रांसपोर्ट कॉन्क्लेव में अपने संबोधन में कहा कि हम 22 लाख करोड़ रुपए के फॉसिल फ्यूल आयात करते हैं, जो प्रदूषण भी बढ़ाता है। इसलिए हमें वैकल्पिक ईंधन और बायो-फ्यूल के उत्पादन को बढ़ाने की दिशा में काम करना होगा।

■ उन्होंने आगे कहा कि निकट भविष्य में भारत को 100 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण हासिल करने का लक्ष्य रखना चाहिए। पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण आज ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना जरूरी है। 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ई20) लॉन्च किया था। वर्तमान में भारतीय वाहन ई20 पेट्रोल पर थोड़े बदलाव के साथ चल सकते हैं, जिससे इंजन में जंग जैसी समस्याओं से बचा जा सकता है। ब्राजील जैसे देशों में 100 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण का उपयोग होता है।

■ पेट्रोल और डीजल वाहनों के उपयोग को कम करने की जरूरत पर जोर देते हुए गडकरी ने कहा कि हम लोगों को जबरदस्ती पेट्रोल-डीजल वाहन खरीदने से नहीं रोक सकते। ई20 को लेकर सोशल मीडिया पर बढ़ती चिंताओं के बारे में उन्होंने कहा कि पेट्रोलियम सेक्टर इस कदम के खिलाफ लॉबिंग कर रहा है। उन्होंने ऑटोमोबाइल कंपनियों से कहा कि वे लागत के बजाय गुणवत्ता पर ध्यान दें, इससे उन्हें नए बाजारों में जगह बनाने में मदद मिलेगी। गडकरी ने यह भी कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन भविष्य का ईंधन है, लेकिन इसे व्यावहारिक बनाने के लिए हाइड्रोजन फ्यूल स्टेशनों की लागत कम करना जरूरी है।

■ उन्होंने आगे कहा कि हाइड्रोजन के ट्रांसपोर्ट में दिक्कत है। साथ ही, हमें 1 किलो हाइड्रोजन को 1 डॉलर में तैयार करना होगा ताकि भारत ऊर्जा निर्यातक बन सके। उन्होंने कचरे से हाइड्रोजन बनाने की जरूरत पर भी जोर दिया। मंत्री ने कहा कि सर्कुलर इकोनॉमी पर ध्यान देकर भारत में रोजगार के नए अवसर पैदा किए जा सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि 1 अप्रैल से लागू होने वाले कॉर्पोरेट एवरेज फ्यूल एफिशिएंसी (सीएएफई ।।।) मानकों का इलेक्ट्रिक और फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा।

इजरायली रक्षा मंत्री ने लेबनान को दी चेतावनी

अगर सीजफायर उल्लंघन नहीं रुका तो होगी कार्रवाई

हिंदमाता नेटवर्क @ यरूशलम

इजरायली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने मंगलवार को चेतावनी दी कि अगर लेबनान सरकार संघर्ष-विराम समझौते के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में लगातार विफल रहती है, तो इजरायली सेना पूरी ताकत से सैन्य कार्रवाई करेगी। यरूशलम के माउंट हर्जल पर शहीद सैनिकों के सम्मान में आयोजित राष्ट्रीय मेमोरियल डे समारोह में काट्ज ने कहा कि लेबनान में हमारे अभियान का अंतिम लक्ष्य हिज्बुल्लाह को निशस्त्र करना और सैन्य और राजनीतिक तरीकों के मेल से इजरायल के उत्तरी समुदायों से खतरे को हटाना है। इजरायल रक्षा बल (आईडीएएफ) ने मंगलवार को कहा कि आतंकवादियों ने फॉरवर्ड डिफेंस एरिया के भीतर आईडीएफ सैनिकों के करीब पहुंच संघर्ष विराम की शर्तों का उल्लंघन किया है। ये लोग बिंत जबील और लिटानी पहुंचे थे।

■ आईडीएफ ने कहा कि खतरे को भांपते हुए उन पर हमला किया और मार डाला। लिटानी नदी के पास हिज्बुल्लाह के कई गुर्गे देखे गए। इजरायली वायु सेना (आईएएफ) ने उन गुर्गों की पहचान होने के कुछ ही समय बाद हमला किया और मार गिराया। इस बीच, ने राष्ट्रपति जोसेफ आउन के हवाले से बताया कि शत्रुता को समाप्त करने के उद्देश्य से की जा रही बातचीत का मतलब आत्मसमर्पण नहीं है, बल्कि यह संघर्षों को सुलझाने का एक साधन है।

■ आउन ने ये टिप्पणियां बाबदा पैलेस में जेजीन जिले के सांसदों और स्थानीय नगरपालिका प्रमुखों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के दौरान कीं। उन्होंने कहा कि बातचीत का मतलब हार मानना या झुकना नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य समस्याओं को हल करना है, और युद्ध से थके हुए लेबनानी लोगों के लिए अपने देश के साथ खड़े होने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बातचीत में शामिल होने का निर्णय अधिकारों की रक्षा को लेकर दृढ़ प्रतिबद्धता से जुड़ा है। दक्षिण में पीड़ित आबादी की मदद के लिए अंतर्राष्ट्रीय पक्षों और मानवीय संगठनों के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए स्थिरता बनाए रखने के लिए लेबनानी सेना, सुरक्षा बलों, नगर पालिकाओं और निवासियों के बीच समन्वय के महत्व पर भी जोर दिया।

बुल्गारिया चुनाव में रूमेन रादेव की जबरदस्त जीत

प्रधानमंत्री मोदी ने दी बधाई

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

बुल्गारिया के संसदीय चुनाव में रूमेन रादेव की अगुवाई वाली 'प्रोग्रेसिव बुल्गारिया' गठबंधन ने भारी जीत हासिल की है। इस जीत पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूमेन रादेव को बधाई दी। मंगलवार को एक्स पर पीएम मोदी ने लिखा कि रूमेन रादेव और उनकी पार्टी 'प्रोग्रेसिव बुल्गारिया' को संसदीय चुनावों में मिली जीत के लिए हार्दिक बधाई। मैं भारत और बुल्गारिया के बीच मैत्रीपूर्ण और बहुआयामी संबंधों को और अधिक मजबूत करने और इस क्षेत्र में व्यापक सहयोग को बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने को लेकर उत्सुक हूं। केंद्रीय चुनाव आयोग (सीईसी) ने 19 अप्रैल को हुए संसदीय चुनावों के प्रारंभिक परिणाम प्रकाशित किए।

■ पूर्व राष्ट्रपति रूमेन रादेव की अगुवाई वाली 'प्रोग्रेसिव बुल्गारिया' गठबंधन ने भारी मतांतर से जीत हासिल की। केंद्रीय चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, 100 प्रतिशत गिनती के बाद गठबंधन को लगभग 44.594 प्रतिशत वोट मिले, जो संसद की 240 सीटों में 135 से अधिक सीटें हासिल करने के लिए पर्याप्त है। यह 1997 के बाद पहला मौका है जब कोई एक पार्टी पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बना सकेगी। रादेव, जो यूरोपीय संघ की आलोचना करते रहे हैं और रूस के साथ संबंध सुधारने की वकालत करते हैं। इस जीत को 'आशा की जीत' बताया।

■ उन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई और राजनीतिक स्थिरता का वादा किया। बुल्गारिया पिछले पांच साल में आठवीं बार चुनाव लड़ रहा था, जिसके बाद जनता अब स्थिर सरकार की उम्मीद कर रही है। इस जीत पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूमेन रादेव को बधाई दी। भारत और बुल्गारिया के बीच संबंध पहले से ही मजबूत रहे हैं। दोनों देश यूरोपीय संघ और नाटो जैसे मंचों पर सहयोग करते हैं। रादेव ने पहले भी भारत की सराहना की थी। 2024 में भारतीय नौसेना द्वारा बुल्गारियाई जहाज को समुद्री लुटेरों से बचाने पर उन्होंने पीएम मोदी का आभार जताया था। इस बीच राष्ट्रपति इलियाना इओटोवा के हवाले से बताया कि संसद को 29 या 30 अप्रैल को बुलाए जाने की पूरी संभावना है। उन्होंने मंगलवार को पत्रकारों से कहा कि यह पूरी तरह संभव है कि मैं अगले बुधवार या गुरुवार को 52वीं राष्ट्रीय सभा बुलाऊं। केंद्रीय चुनाव आयोग (सीईसी) ने अभी तक 19 अप्रैल, 2026 को हुए मध्यावधि संसदीय चुनावों के आधिकारिक परिणामों की घोषणा नहीं की है, जिसमें पूर्व राष्ट्रपति रूमेन रादेव की पार्टी 'प्रोग्रेसिव बुल्गारिया' ने जबरदस्त जीत हासिल की थी।

योगी ने सुभाष चंद्र बोस के नारे को विवेकानंद का बताया!

महुआ मोइत्रा बोलीं- बुलडोजर बुद्धि यूपी जाकर फैंटा पियो

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता

टीएमसी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के दौरान जोरदार प्रचार कर रहे योगी आदित्यनाथ पर बड़ा हमला बोला है। पार्टी का दावा है कि एक रैली में उन्होंने सुभाष चंद्र बोस के प्रसिद्ध नारे को स्वामी विवेकानंद से जोड़ दिया। टीएमसी द्वारा वीडियो साझा किए जाने के बाद पार्टी की लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा ने योगी आदित्यनाथ पर तंज कसते हुए व्यंग्यात्मक टिप्पणी की और उन्हें उत्तर प्रदेश जाकर 'फैंटा' पीने की सलाह दी। टीएमसी ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा का नारा सुभाष चंद्र बोस ने दिया था।

सोशल मीडिया पर छिड़ा विवाद

हालांकि, इस दावे को लेकर विवाद भी खड़ा हो गया है। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने ऐसे वीडियो साझा किए हैं, जिनमें योगी आदित्यनाथ सही रूप से इस नारे को नेताजी सुभाष चंद्र बोस से जोड़ते हुए नजर आ रहे हैं। ऐसे में टीएमसी के आरोपों पर सवाल उठ रहे हैं। साझा किए गए वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो पाई है। हालांकि लोगों का कहना है कि सीएम योगी ने उसी नारो को एक बार नेता जी से जोड़कर बोला फिर एक बार विवेकानंद से, अब दोनों वीडियो अलग-अलग दावों के साथ वायर हो रहा है।

योगी का टीएमसी पर हमला

इधर, पश्चिम बंगाल में बीजेपी के स्टार प्रचारक के रूप में सक्रिय योगी आदित्यनाथ लगातार टीएमसी पर हमलावर हैं। उन्होंने कहा कि टीएमसी का मतलब 'टेरर, माफिया राज और करप्शन' है और इसे केवल 'डबल इंजन' की भाजपा सरकार ही खत्म कर सकती है। उन्होंने ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह 'प्रभु श्री राम' का नाम लेने पर रोक लगाती हैं, जबकि सड़कों पर इफ्तार पार्टियों की अनुमति देती हैं। सोमवार को गारबेटा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने चेतावनी दी कि जब बंगाल में 'डबल इंजन' की सरकार बनेगी, तो माफियाओं पर उसी तरह कार्रवाई होगी जैसे उत्तर प्रदेश में बुलडोजर चलाए जाते हैं।

महिला आरक्षण संशोधन विधेयक को ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रही है भाजपा : कांग्रेस

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कांग्रेस ने मंगलवार को मांग की कि मोदी सरकार 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून को तत्काल लागू करे और लोकसभा की मौजूदा 543 सीट पर 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करें। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की सचिव अंजली निम्बालकर ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तत्काल प्रतिनिधित्व प्रदान करने के बजाय परिसीमन अभ्यास पर जोर देकर 2029 के चुनावों के लिए महिला आरक्षण संशोधन कानून को ढाल के रूप में इस्तेमाल करने की कोशिश कर रही है। निम्बालकर ने प्रेसवार्ता में कहा कि कांग्रेस महिलाओं के लिए आरक्षण के खिलाफ नहीं है, लेकिन भाजपा की मदद के लिए संसद में सीट की संख्या बढ़ाने के उद्देश्य से परिसीमन के पक्ष में भी नहीं है। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व

वाली सरकार को 2023 के महिला आरक्षण विधेयक को लागू करना चाहिए। अगर सरकार इसे संसद के आगामी मानसून सत्र के दौरान लागू करती है, तो विपक्षी दल इसका समर्थन करेंगे। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि केंद्र सरकार 2029 के चुनाव जीतने के लिए महिला आरक्षण संशोधन विधेयक लागू करने की आड़ में परिसीमन अभ्यास करना चाहती है। उन्होंने केंद्र सरकार से जातिगत जनगणना कराने और आरक्षण लागू करने की भी मांग की।

सनातन धर्म आज पूरी दुनिया को सही दिशा दिखा रहा है - भागवत

हिंदमाता नेटवर्क @ अगरतला

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने मंगलवार पश्चिम त्रिपुरा जिले के मोहनपुर उपखंड के फकीरमुरा गांव में मां सौंदर्य चिन्मयी मंदिर का भव्य उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम आदि शंकराचार्य जयंती के शुभ अवसर पर आयोजित हुआ। उद्घाटन के साथ ही मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा और कुंभाभिषेक भी संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. मोहन भागवत ने चिन्मय हरिहर विद्यालय की सराहना की, जहां पूरी तरह निशुल्क शिक्षा प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि शक्ति के साथ-साथ भक्ति भी जरूरी है। केवल सत्य को जानना ही काफी नहीं है, उस सत्य को स्थापित करने के लिए शक्ति की भी आवश्यकता होती है। अपने संबोधन में सरसंघचालक ने कहा कि ज्ञान का अर्थ केवल बोलना नहीं है, ज्ञान का अर्थ है समझना। उन्होंने दो हजार वर्षों की यात्रा का जिक्र करते हुए बताया कि दुनिया ने विज्ञान, समाजवाद, राजतंत्र आदि कई प्रयोग किए, लेकिन अब यह महसूस हो रहा है कि दुनिया को भारत के जीवन दृष्टिकोण की जरूरत है। सनातन धर्म आज पूरी दुनिया को सही दिशा दिखा रहा है।

विविधता में एकता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति

डॉ. भागवत ने जोर देकर कहा कि मंदिर भारतीय सामाजिक जीवन के केंद्र रहे हैं। भारतीय संस्कृति की खासियत यह है कि यहां शक्ति और भक्ति दोनों साथ-साथ चलती हैं। समाज उन लोगों को याद रखता है, जो सबके साथ घुल-मिलकर सेवा का भाव रखते हैं। उन्होंने दक्षिण भारत के चार राज्यों की विशेष प्रशंसा की, जहां सेवा कार्यों में सबसे ज्यादा सक्रियता देखी जाती है। सरसंघचालक ने कहा कि हमारे यहां कई युगों से विविधता रही है, लेकिन हम एक हैं। विविधता में एकता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि भारत के उत्थान को रोकने के लिए बाहरी ताकतें हमारे बीच फूट डालने की कोशिश कर रही हैं। इसलिए सभी को सावधान रहना चाहिए और एकता बनाए रखनी चाहिए।

आज के युग में केवल सत्य जानना पर्याप्त नहीं है

उन्होंने आगे कहा कि आज के युग में केवल सत्य जानना पर्याप्त नहीं है। उस सत्य को स्थापित करने के लिए शक्ति की आवश्यकता है। भारत की असली शक्ति उसकी संस्कृति में निहित है। भारत ने कभी आक्रामक मानसिकता नहीं अपनाई। हमेशा शांति और भाईचारे की वकालत की है। आज युद्ध-ग्रस्त दुनिया को ठीक इसी शांति की सबसे ज्यादा जरूरत है, और भारत इस दिशा में निरंतर काम कर रहा है। डॉ. मोहन भागवत ने ऋषियों-मनीषियों के महान प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने देश के हर कोने में ईश्वर-आराधना का अनूठा दृष्टिकोण स्थापित किया। यह दृष्टिकोण प्रकृति के प्रति गहरी श्रद्धा, नदियों, पहाड़ों, पर्वतों और समस्त सृष्टि को ईश्वर का स्वरूप मानने वाले दृष्टिकोण पर आधारित है। यह कार्य रातोंरात नहीं हुआ, बल्कि यह एक अनवरत और निरंतर प्रक्रिया रही है। कार्यक्रम में त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा, टिपरा मोथा के संस्थापक प्रद्योत देबबर्मा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। मंदिर के निर्माण और निशुल्क शिक्षा के प्रयास को स्थानीय स्तर पर बड़ी सराहना मिल रही है। यह कार्यक्रम सनातन संस्कृति के पुनरुत्थान और सामाजिक एकता के संदेश के साथ समाप्त हुआ। भागवत का दौरा त्रिपुरा में दो दिवसीय रहा, जिसमें उन्होंने विभिन्न सामाजिक संगठनों से भी संवाद किया।

हिंदमाता एंकर: भारत की पश्चिम एशिया हालात पर पूरी नजर

पीएम के निर्देशानुसार खाड़ी देशों से संवाद जारी - विदेश मंत्रालय

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय ने दावा किया है कि भारत की पश्चिम एशिया के बदलते हालात पर पैनी नजर है और उस क्षेत्र के सभी देशों से संवाद जारी है। पश्चिम एशिया में हाल के घटनाक्रमों पर अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग के दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ईरानी अधिकारियों के संपर्क में है और ईरान में रह रहे भारतीय नागरिकों और भारतीय जहाजों की सकुशल निकासी को लेकर बातचीत जारी रखे हुए है। उन्होंने कहा कि भारत पश्चिम एशिया की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर खाड़ी देशों के साथ संपर्क और संवाद को और मजबूत किया गया है।

■ जायसवाल ने अहम दौरों का उल्लेख करते हुए आगे कहा कि हाल के दिनों में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने सऊदी अरब का दौरा किया, विदेश मंत्री ने संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा की, और पेट्रोलियम मंत्री कतर गए। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने भी खाड़ी देशों के अपने समकक्षों के साथ कई बैठक की। इन समन्वित प्रयासों का उद्देश्य भारत और खाड़ी देशों के बीच ऊर्जा सुरक्षा, भारतीय प्रवासियों के कल्याण और अन्य साझा मुद्दों पर सहयोग को मजबूत करना है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने रविवार को रियाद का आधिकारिक दौरा किया। इस दौरान उन्होंने सऊदी के वरिष्ठ नेताओं के साथ कई उच्च-स्तरीय बैठकें कीं, जिनका मकसद द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना, ऊर्जा सहयोग बढ़ाना और क्षेत्र के अहम घटनाक्रमों पर चर्चा करना था। यह दौरा बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों के बीच भारत और सऊदी अरब के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी को रेखांकित करता है। अपने दौरे के दौरान, एनएसए डोभाल ने सऊदी के कई प्रमुख नेताओं से मुलाकात की, जिनमें ऊर्जा मंत्री प्रिंस अब्दुलअजीज बिन सलमान, विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान, और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मुसाद अल-ऐबान शामिल थे।

जहाजों पर हुई गोलीबारी की घटना पर अपनी चिंता व्यक्त

जायसवाल से जब पूछा गया कि क्या ईरान ने शनिवार को हुई गोलीबारी की घटना के बारे में भारत को कोई नई जानकारी दी है, तो उन्होंने कहा कि मैं आपको बस इतना बता सकता हूं कि हम होर्मुज जलडमरूमध्य से अपने जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए ईरानी अधिकारियों के लगातार संपर्क में हैं। साथ ही, ईरान में हमारे कई भारतीय नागरिक भी मौजूद हैं, इसलिए हम उनकी सुरक्षा और कुशलता को लेकर भी ईरानी अधिकारियों से बातचीत कर रहे हैं। शनिवार को, होर्मुज में भारतीय जहाजों पर हुई गोलीबारी को गंभीरता से लेते हुए विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी किया। इसमें बताया गया कि इस मुद्दे पर ईरानी राजदूत मोहम्मद फथाली की विदेश सचिव विक्रम मिस्री के साथ बैठक हुई थी। इस बैठक के दौरान, भारत ने दो भारतीय-ध्वज वाले जहाजों पर हुई गोलीबारी की घटना पर अपनी चिंता व्यक्त की। इन जहाजों पर ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की गनबोट्स ने फायरिंग की थी।

महिला आरक्षण पर बीजेपी का शक्ति प्रदर्शन

CM योगी बोले- कांग्रेस और सपा का चेहरा अलोकतांत्रिक

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

महिला आरक्षण बिल पर बीजेपी ने मंगलवार को लखनऊ में शक्ति प्रदर्शन किया। सीएम आवास से विधानसभा तक पैदल मार्च और महिला जन आक्रोश रैली निकाली गई। इस यात्रा में सीएम योगी के साथ-साथ दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक भी शामिल थे। इसके अलावा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, महिला एवं बाल विकास मंत्री बेबी रानी मौर्य और ऊर्जा मंत्री एके शर्मा भी शामिल थे। पदयात्रा में राज्य सरकार में मंत्री और भाजपा के सहयोगी दलों के नेता आशीष पटेल और ओमप्रकाश राजभर समेत कई नेता शामिल हुए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पदयात्रा शुरू करते हुए भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे दिए। आक्रोश मार्च में शामिल लोग सपा-कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। रैली मार्ग पर कई पोस्टर लगाए गए थे। सीएम योगी ने कहा कि यह जनाक्रोश पदयात्रा कांग्रेस और सपा के महिला-विरोधी रवैये के खिलाफ रोष का प्रतीक है। यह आक्रोश कांग्रेस और सपा समेत विपक्षी दलों के महिला विरोधी आचरण के खिलाफ देश भर में है। उन्होंने कहा कि खासतौर से आधी आबादी के मन में यह आक्रोश है और लखनऊ में हजारों की संख्या में बहनें इसमें शामिल हुई हैं। बीजेपी की महिला पदाधिकारियों ने भी इसमें हिस्सा लिया।

कांग्रेस हो या सपा, इनका चेहरा अलोकतांत्रिक- CM योगी

यात्रा के सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस हो या सपा, इनका चेहरा अलोकतांत्रिक है, महिला विरोधी है, मोदी जी ने इन्हें अपनी महिला विरोधी छवि को समाप्त करने का जो विकल्प दिया, उसका भी इन लोगों ने दुरुपयोग किया है। देश भर में इंडिया गठबंधन के महिला विरोधी आचरण के विरोध में सड़कों पर महिलाओं का आंदोलन हो रहा है। योगी ने कहा कि इतनी भीषण गर्मी के बावजूद इतनी बड़ी भीड़ प्रधानमंत्री मोदी जी की नीतियों के प्रति समर्थन का प्रतीक है। यह मार्च कांग्रेस, सपा, TMC और DMK के महिला-विरोधी रवैये का प्रतीक है। रैली को देखते हुए 11 रूट पर यातायात डायवर्ट किया गया था। इस दौरान पुलिस की मुस्तैदी थी। भीषण गर्मी के बीच रैली मार्ग पर मेडिकल कैंप और जगह जगह एम्बुलेंस की व्यवस्था की गई थी।

नीला ड्रम कांड: कोर्ट में पेश हुए मुस्कान और साहिल

सौरभ की मां बोली- इन्हें फांसी दो

हिंदमाता नेटवर्क @ मेरठ

मेरठ के मशहूर नील ड्रम वाले सौरभ हत्याकांड में मंगलवार को आरोपी पत्नी मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल को कड़ी सुरक्षा के बीच कोर्ट में पेश किया गया। मुस्कान अपनी छोटी बेटी को गोद में लेकर अदालत पहुंची। इससे पहले दोनों की पेशी जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होती थी। लेकिन आज उन्हें व्यक्तिगत रूप से कोर्ट लाया गया। अब तक इस मामले में 22 गवाहों के बयान दर्ज हो चुके हैं। अदालत में आज साहिल और मुस्कान से अहम सवाल-जवाब हुए। आरोप है कि मुस्कान ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर अपने पति सौरभ की हत्या की। हत्या के बाद शव के टुकड़े कर उन्हें नीले ड्रम में पैक किया, जिससे यह केस बेहद सनसनीखेज बन गया। मुस्कान और साहिल की पेशी के बाद अब कोर्ट जल्द ही दोनों पर आरोप तय सकती है। इसके बाद ट्रायल का अगला चरण शुरू होगा। साहिल को लेकर पुलिस कोर्ट पहुंची तो वह सफेद टोपी और राउंड नेक की शर्ट पहना था। पुलिस की गाड़ी से उतरने के बाद उसने सिर नीचे झुका लिया और पुलिस कर्मियों के साथ चलता रहा। कुछ देर बाद ही पुलिस मुस्कान को लेकर पहुंची, जिसने चेहरे पर मास्क लगा रखा था और 6 महीने के बच्ची को गोद में लिए हुई थी। नजरें झुकाए मुस्कान भी कोर्ट में प्रवेश कर गई। उसने बच्ची को दुपट्टे से ढक रखा था।

सौरभ की मां और भाई भी कोर्ट पहुंचे थे

मुस्कान और साहिल के जेल जाने के बाद यह पहला मौका है जब दोनों जेल से बाहर आए हैं। वहीं मृतक सौरभ की मां और भाई भी कोर्ट पहुंचे, जिन्हें पुलिस कर्मियों ने पहले ही रोक लिया। सौरभ की मां मुस्कान पर चिल्लाती नजर आई और गालियां देती नजर आई। साहिल और मुस्कान को जज के सामने पेश किया गया। बताया जा रहा है कि उनसे 15-15 मिनट तक सवाल जवाब हुए। इसके बाद दोनों को फिर से जेल भेज दिया गया। सौरभ के परिजनों ने दोनों को फांसी की मांग की। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं। फिलहाल कोर्ट ने अगली तारीख तय करते हुए मामले की सुनवाई आगे बढ़ा दी है। इस दौरान कचहरी परिसर में लोगों की भीड़ भी देखने को मिली और पूरे मामले को लेकर हलचल बनी रही।

शॉर्ट स्टोरी

पप्पू यादव की तबीयत बिगड़ी, महिला आयोग ने आज ही भेजा था नोटिस

हिंदमाता नेटवर्क @ पूर्णिया

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार अपने चरम पर है। इसी कड़ी में पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव मालदा में जनसभा करने पहुंचे थे। लेकिन तेज गर्मी के चलते उनकी अचानक तबीयत बिगड़ गई। बताया गया कि अत्यधिक गर्मी के कारण उन्हें लू लग गई थी। प्राथमिक उपचार के बाद पप्पू यादव वापस पूर्णिया लौट रहे हैं। इस दौरान उनका एक वीडियो भी सामने आया, जिसमें वह बेड पर लेटे नजर आ रहे हैं और आसपास मौजूद लोग उनके सिर पर पानी डालकर राहत देने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर बिहार राज्य महिला आयोग ने महिलाओं पर दिए गए एक बयान को लेकर पप्पू यादव को नोटिस जारी किया है। आयोग ने उनसे तीन दिनों के भीतर जवाब मांगा है और पूछा है कि ऐसा बयान क्यों दिया गया तथा उनकी लोकसभा सदस्यता समाप्त करने पर विचार क्यों न किया जाए। पप्पू यादव ने हाल ही में राजनीति में महिलाओं की स्थिति और नेताओं के व्यवहार को लेकर बेहद विवादास्पद टिप्पणी की है। उनका कहना है कि देश की राजनीति में महिलाओं के लिए बिना किसी तरह के समझौते के आगे बढ़ना बेहद मुश्किल हो गया है और उनकी सुरक्षा भी गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि समाज में भले ही महिलाओं को देवी का दर्जा दिया जाता हो, लेकिन हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। पप्पू यादव ने कहा कि कड़वी सच्चाई यह है कि 90% महिलाओं का राजनीतिक करियर नेताओं के बिस्तरों से शुरू होता है। महिलाएं किसी प्रभावशाली नेता के रूम में गए बिना राजनीति नहीं कर सकतीं।

पति ने पत्नी को पीट-पीटकर मार डाला, बचने के लिए फैलाई सीढ़ी से गिरने की अफवाह

हिंदमाता नेटवर्क @ नालंदा

बिहार के नालंदा जिले के नूरसराय थाना क्षेत्र के परासी गांव में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक सनकी पति ने अपनी पत्नी की बेरहमी से पिटाई कर हत्या कर दी। घटना शनिवार की देर रात की है। वारदात के बाद आरोपी पति ने लोगों को शक से बचाने के लिए सीढ़ी से गिरने की अफवाह फैला दी। जानकारी के अनुसार, मृतका की पहचान 30 वर्षीय राखी कुमारी के रूप में हुई है, जो मनीष कुमार उर्फ सूरजभान की पत्नी थी। आरोपी पति पिछले सात महीने से जेल में बंद था और करीब 15 दिन पहले ही नाबालिग से छेड़खानी के मामले में बेल पर बाहर आया था। मृतका के पिता उपेंद्र सिंह, जो सिलाव थाना क्षेत्र के करियन्ना गांव के निवासी हैं, ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2020 में अपनी बेटी की शादी की थी। शादी के बाद से ही दामाद अक्सर मायके पक्ष से पैसों की मांग करता था। पैसे नहीं देने पर वह बेटी के साथ मारपीट और प्रताड़ना करता था। शनिवार की रात पड़ोसियों ने फोन कर जानकारी दी कि दामाद ने उनकी बेटी के साथ बेरहमी से पिटाई की है और उसकी हालत गंभीर है। इसके बाद परिवार के लोग तुरंत सदर अस्पताल पहुंचे, लेकिन तब तक राखी कुमारी की मौत हो चुकी थी। परिजनों के अनुसार, मृतका के पूरे शरीर पर जख्म के निशान थे, जिससे साफ है कि उसे बेरहमी से पीटा गया था। नूरसराय थाना अध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि महिला की पीट-पीटकर हत्या की गई है।

छोटे भाई ने की बड़े की हत्या, गुस्साए परिजनों ने 'कातिल' को भी मार डाला

हिंदमाता नेटवर्क @ जालौन

जालौन के रामपुरा थाना क्षेत्र स्थित अन्देला मडैया गांव में सोमवार शाम को जमीन के टुकड़े के लिए खून के रिश्तों ने दम तोड़ दिया। जयनारायण चतुर्वेदी के मंझले बेटे जितेंद्र उर्फ अल्लू ने विवाद के दौरान अपने बड़े भाई कैलाश पर तमंचे से फायर कर उसकी जान ले ली। इस खौफनाक मंजर को देखकर पिता जयनारायण, छोटा भाई गुड्डू और मृतक कैलाश के बेटे हिंसक हो उठे। उन्होंने भागने की कोशिश कर रहे जितेंद्र को घेर लिया और लाठियों से पीट-पीटकर उसे मौत के घाट उतार दिया। सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। फिलहाल, पुलिस ने आरोपी पिता और छोटे भाई को हिरासत में ले लिया है। मिर्जापुरा जागीर के निवासी जयनारायण चतुर्वेदी के तीन बेटों के बीच लंबे समय से जमीन को लेकर अनबन चल रही थी। सोमवार की शाम यही विवाद इतना गहरा गया कि जितेंद्र ने अपना आपा खो दिया और सगे बड़े भाई कैलाश पर सीधा फायर झोंक दिया। गोली लगते ही कैलाश लहूलुहान होकर गिर पड़ा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना ने पूरे परिवार के भीतर प्रतिशोध की आग भड़का दी।

UP में अब रविवार को भी होगी जमीन की रजिस्ट्री

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में अब संपत्ति रजिस्ट्री कराने के लिए लोगों को कामकाजी दिनों में छुट्टी लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। राज्य सरकार ने व्यस्त जीवनशैली को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के 9 प्रमुख शहरों में रविवार को भी रजिस्ट्री कार्यालय खोलने का फैसला किया है। यह नई व्यवस्था 19 अप्रैल 2026 से लागू हो गई है। नई व्यवस्था के तहत लखनऊ, मेरठ, आगरा, अलीगढ़, कानपुर नगर, गाजियाबाद, गौतम बुद्ध नगर, सहारनपुर और वाराणसी में हर रविवार को प्रॉपर्टी रजिस्ट्री की सुविधा उपलब्ध रहेगी। जहां एक से अधिक उप-निबंधक कार्यालय हैं, वहां रोस्टर सिस्टम लागू किया गया है, ताकि हर रविवार को कम से कम एक कार्यालय खुला रहे। रविवार को इस नई व्यवस्था के तहत कई शहरों में रजिस्ट्री कार्य शुरू भी हो गया। हालांकि, जागरूकता की कमी और कुछ तकनीकी दिक्कतों के चलते पहले दिन बैनामों की संख्या सीमित रही। मेरठ में पहले रविवार को कुल 27 बैनामे दर्ज किए गए।

जल जीवन मिशन में यूपी का सोलर मॉडल

30 साल में 1 लाख करोड़ की बचत करेगा प्रदेश

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन योजना अब सिर्फ पानी उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह बिजली बचत और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक बड़ा उदाहरण बनकर उभरी है। राज्य में इस योजना के तहत सोलर एनर्जी के प्रयोग ने इसे और प्रभावी बना दिया है। उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है, जिसने जल जीवन मिशन की परियोजनाओं में बड़े पैमाने पर सोलर पावर का इस्तेमाल शुरू किया। वर्तमान में प्रदेश की 80 प्रतिशत से अधिक योजनाएं सौर ऊर्जा के जरिए संचालित हो रही हैं। आंकड़ों के मुताबिक, जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रदेश में कुल 41,539 परियोजनाएं चल रही हैं, जिनमें से 33,157 परियोजनाओं में सोलर एनर्जी का उपयोग किया जा रहा है। इससे रोजाना करीब 900 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। विभागीय अधिकारियों का दावा है कि सोलर एनर्जी के उपयोग से आने वाले 30 वर्षों में लगभग 1 लाख करोड़ रुपये की बचत होगी। इसके साथ ही हर साल करीब 13 लाख मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन में कमी आएगी, जो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। इस मॉडल को अपनाने के पीछे एक अहम वजह भी रही। स्वच्छ पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक प्रदेश में अक्सर ये देखने को मिलता था कि ज्यादातर योजनाएं इसलिए लंबे समय तक नहीं चल पाती थीं, क्योंकि कुछ दिनों बाद बिजली बिल का पेमेंट नहीं होता था। जिसकी वजह से कनेक्शन कट जाता था और परियोजना का संचालन नहीं हो पाता था। यही वजह थी कि गांवों के लिए शुरू की इस योजना में सोलर एनर्जी के इस्तेमाल की परिकल्पना की गई। इसके लिए परियोजना स्थल पर सोलर पैनल लगाए गए। इन सोलर पैनल से पैदा होने वाली बिजली का इस्तेमाल मोटर और परियोजना के संचालन में किया गया। जिससे आज बिजली रहे या रहे परियोजना के संचालन में किसी भी तरह का कोई असर नहीं पड़ता है। जल जीवन मिशन में सोलर पावर के इस सफल प्रयोग को केंद्र सरकार ने भी सराहा है। इस नवाचार के लिए नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव को अप्रैल 2025 में प्रधानमंत्री पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। उत्तर प्रदेश के इस मॉडल की सफलता को देखते हुए अब देश के अन्य राज्य भी इसे अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

यूपी के इस जिले में अब रातोरात 114 इंस्पेक्टर-दारोगा के तबादले

SSP ने क्यों लिया ये एक्शन? देखें लिस्ट

हिंदमाता नेटवर्क @ बरेली

उत्तर प्रदेश के बरेली जिले की पुलिस व्यवस्था में मंगलवार को बड़ा बदलाव देखने को मिला। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने एक साथ 114 इंस्पेक्टर और दरोगाओं के तबादले कर दिए। देर रात जारी इस आदेश के बाद पूरे पुलिस महकमे में हलचल मच गई। थानों से लेकर चौकियों तक जिम्मेदारियां बदल दी गईं और सभी पुलिसकर्मियों को तुरंत नई तैनाती पर पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। इस बड़े फेरबदल को पुलिस विभाग में एक तरह का बड़ा ऑपरेशन माना जा रहा है। माना जा रहा है कि इससे जिले में पुलिसिंग को मजबूत करने और अपराध पर लगाम लगाने की कोशिश की जा रही है। इस तबादले में सबसे ज्यादा चर्चा क्राइम ब्रांच में हुए बदलावों की हो रही है। यहां तैनात विपिन कुमार को मीरगंज का क्षेत्राधिकारी (CO) बना दिया गया है। वहीं, राजेश कुमार को हाईवे क्षेत्राधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वरुण कुमार को हाईवे दफ्तर से हटाकर क्योलड़िया थाने में निरीक्षक अपराध बनाया गया है। इसके अलावा सुरेन्द्र कुमार को किला से सुभाषनगर भेजा गया है। लव सिरोही को बिथरी चैनपुर से नवाबगंज और राजबली सिंह को रिजर्व लाइन्स से सीधे भोजीपुरा थाने का प्रभारी बनाया गया है। जसवीर सिंह बालियान को इज्जतनगर से हटाकर नगर-तृतीय सीओ कार्यालय भेजा गया है। वहीं, नरेश कश्यप को सम्मन सेल से विशारतगंज थाने में तैनाती दी गई है। इन बदलावों से साफ है कि बड़े स्तर पर अधिकारियों की जिम्मेदारियों में फेरबदल किया गया है।

दरोगाओं और चौकियों में भी बड़ा बदलाव

केवल इंस्पेक्टर ही नहीं, बल्कि दरोगाओं के स्तर पर भी बड़ा बदलाव किया गया है। श्रीनिवास को मीरगंज में वरिष्ठ उपनिरीक्षक बनाया गया है। सतीश कुमार को रिजर्व लाइन्स से शाही और वीर सिंह को रिजर्व लाइन्स से कोतवाली भेजा गया है। धर्मेन्द्र विश्नोई को कोतवाली से इज्जतनगर, जितेन्द्र कुमार को रिजर्व लाइन्स से सीबीगंज और नवदीप कुमार को देवरनियां से सुभाषनगर भेजा गया है। मुकेश कुमार को सुभाषनगर से महिला थाना ट्रांसफर किया गया है। इसके अलावा श्रीपाल सिंह और कृपाल सिंह को सिरौली से हटाकर सुभाषनगर और महिला थाना में नई जिम्मेदारी दी गई है। इससे हर थाने में नए चेहरे देखने को मिलेंगे। चौकी स्तर पर भी एसएसपी ने बड़ा कदम उठाया है। जगतपुर, सैटेलाइट, कुतुबखाना, फतेहगंज पश्चिमी, लाल फाटक, देवरनियां, रिठौरा, स्टेशन रोड, आंवला, रामगंगानगर और आवास विकास जैसी कई चौकियों के प्रभारी एक साथ बदल दिए गए हैं। इसे पुलिसिंग को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की कोशिश माना जा रहा है।

सख्त निर्देश और बड़ा संदेश

एसएसपी अनुराग आर्य ने साफ निर्देश दिए हैं कि सभी पुलिसकर्मी तुरंत अपनी नई तैनाती पर कार्यभार संभालें। आदेश का पालन न करने वालों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। कई दरोगाओं को पहली बार चौकी प्रभारी बनाया गया है, जिससे उनकी जिम्मेदारी भी बढ़ गई है। यह उनके लिए एक तरह की परीक्षा भी मानी जा रही है। एक साथ 114 तबादलों को लेकर पुलिस महकमे में चर्चा तेज है। माना जा रहा है कि यह कदम अपराध नियंत्रण और पुलिस की कार्यशैली में सुधार लाने के लिए उठाया गया है। अब देखना होगा कि नए अधिकारी और कर्मचारी मैदान में कितना असर दिखाते हैं और जनता को इसका कितना फायदा मिलता है।

नाबालिग को वयस्क कैदियों के साथ रखना पड़ा भारी

सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद 5 लाख मुआवजा देगी यूपी सरकार

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐसे मामले में कड़ी टिप्पणी की है, जहां एक नाबालिग को वयस्क कैदियों के साथ आगरा की केंद्रीय जेल में रखा गया था। अदालत ने इसे बाल संरक्षण कानूनों और संवैधानिक गारंटियों के मूल सिद्धांतों का उल्लंघन बताया है। कोर्ट की फटकार के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने पीड़ित नाबालिग को 5 लाख रुपये का मुआवजा देने का फैसला किया है। न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी और न्यायमूर्ति ए.एस. चंदुरकर की पीठ ने अपने आदेश में कहा कि यह मामला कानून से टकराने वाले बच्चों के अधिकारों की रक्षा करने में सिस्टम की बड़ी नाकामयाबी है। पीठ ने कहा, "यह एक ऐसा मामला है, जहां एक नाबालिग को नाबालिग घोषित किए जाने के बावजूद, अधिकारियों की ओर से संचार की कमी, असंवेदनशीलता और अमानवीय दृष्टिकोण के कारण गलत तरीके से वयस्क कैदियों वाली नियमित जेल में डाल दिया गया।"

ऐसा करना कानूनी रूप से गलत

सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि किसी भी नाबालिग को वयस्क कैदियों के साथ रखना कानून के तहत पूरी तरह अस्वीकार्य है। अदालत ने यह भी कहा कि इस तरह की कैद बाल संरक्षण कानूनों और संवैधानिक गारंटियों के मूल सिद्धांतों पर गंभीर चोट है। सुप्रीम कोर्ट ने सिर्फ यूपी सरकार तक सीमित रहने के बजाय पूरे देश के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) को जारी किया है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि इस SOP को अन्य सभी राज्यों में भी भेजा जाए ताकि भविष्य में ऐसा कोई मामला न दोहराया जा सके।

'मैं बोझ बन गया हूं' नोएडा चाइल्ड PGI लैब में टेक्नीशियन ट्रेनी ने की आत्महत्या

सुसाइड नोट में लिखा दर्द

हिंदमाता नेटवर्क @ नोएडा

नोएडा सेक्टर 30 में मौजूद चाइल्ड पीजीआई में एक लैब टेक्नीशियन ने आत्महत्या कर ली। अपनी जीवनलीला समाप्त करने वाला युवक ट्रेनी था। उसने अपने कमरे में ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान श्रावस्ती जिले के भिनगा गांव निवासी अवधेश कुमार के रूप में हुई है। वह चाइल्ड पीजीआई में लैब टेक्नीशियन की ट्रेनिंग ले रहा था और अस्पताल परिसर में ही रह रहा था। सोमवार देर रात करीब 11 बजे वह अपने कमरे में फंदे से लटका हुआ मिला। सुबह जब वह अपने कमरे से काफी देर तक बाहर नहीं निकला, तो अन्य दोस्तों ने उसके कमरे में जाकर देखा। कमरा अंदर से बंद था, जिसके बाद इसकी सूचना अस्पताल प्रबंधन को दी गई।

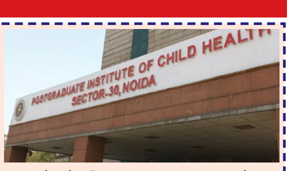

कमरे में मिला सुसाइड नोट

अस्पताल प्रबंधन के लोग जब कमरे के पास पहुंचे, तो उन्होंने किसी तरह दरवाजा तोड़कर अंदर देखा। वह पंखे से लटका हुआ था। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच में जुट गई। जांच के दौरान मौके से पुलिस को एक सुसाइड नोट भी मिला। पुलिस के मुताबिक, सुसाइड नोट में युवक ने लिखा कि वह खुद को बोझ महसूस कर रहा है और किसी को परेशान नहीं करना चाहता। उसने यह भी लिखा कि वह जीवन में कुछ हासिल नहीं कर पाया और इस बात से बेहद दुखी था। सुसाइड नोट में आर्थिक तंगी और मानसिक तनाव के भी संकेत सामने आए हैं।

प्रतापगढ़ में हाईवे पर पलटा डीजल टैंकर

जान जोखिम में डालकर बाल्टियों में भरते दिखे लोग

हिंदमाता नेटवर्क @ प्रतापगढ़

उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर एक बड़ा हादसा सामने आया, जहां एक डीजल टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया। यह घटना जहानाबाद फ्लाईओवर के पास हुई। टैंकर गुजरात से कोलकाता जा रहा था। हादसे के बाद आसपास के इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। टैंकर पलटने के बाद उसमें भरा डीजल हाईवे की नालियों और गड्ढों में बहने लगा। इसके बाद हथिगवा थाना क्षेत्र में सैकड़ों ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और डीजल इकट्ठा करने की होड़ लग गई। लोग जान जोखिम में डालकर बाल्टियों और डिब्बों में डीजल भरते नजर आए। इस दौरान किसी ने भी सुरक्षा का ध्यान नहीं रखा।

हाईवे पर पलटा डीजल से भरा टैंकर

घटना के कई वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि लोग ज्वलनशील डीजल को बेहद लापरवाही से इकट्ठा कर रहे थे। यह स्थिति किसी भी समय बड़े हादसे या धमाके का कारण बन सकती थी, लेकिन इसके बावजूद लोग खतरे को नजरअंदाज करते रहे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंच गईं। टीमों ने स्थिति को संभालते हुए लोगों को वहां से हटाया और हालात पर काबू पाया। प्रशासन ने इस पूरे मामले को गंभीरता से लिया है।

मौके पर पहुंचकर पुलिस ने स्थिति को संभाला

पुलिस अब वायरल वीडियो के आधार पर उन लोगों की पहचान करने में जुटी है, जिन्होंने इस दौरान लापरवाही दिखाई। यह घटना हथिगवां इलाके के राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई, जिसने सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि इस तरह की खतरनाक घटनाओं के दौरान दूरी बनाकर रखें और अपनी जान जोखिम में न डालें।

हिंदमाता एंकर: 17 साल के एक नाबालिग छात्र को बहाने से नैनीताल ले जाकर एक महिला ने उसका शारीरिक शोषण किया गया

दोस्त की भाभी ले गई नैनीताल, होटल में बनाया शारीरिक संबंध, फिर मांगने लगी 10 लाख रुपये

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

लखनऊ के ठाकुरगंज थाना क्षेत्र में रिश्तों को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां 17 साल के एक नाबालिग छात्र को बहाने से नैनीताल ले जाकर एक महिला ने उसका शारीरिक शोषण किया गया। इस दौरान आरोपी महिला ने अश्लील वीडियो और फोटो बनाकर 10 लाख रुपये की रंगदारी भी मांगी। फिलहाल पुलिस ने कार्रवाई करते हुए महिला को गिरफ्तार कर लिया है।

होटल में जबरन बनाया संबंध

पीड़ित की मां के मुताबिक, 17 फरवरी 2026 को उनका बेटा दोपहर करीब 12 बजे से लापता हो गया था और उसका मोबाइल फोन भी बंद था। तलाश के दौरान पता चला कि बेटा कैंपवेल रोड स्थित एक दोस्त के घर आता-जाता था। जब मां वहां पहुंचीं तो जानकारी मिली कि दोस्त की भाभी उसे अपने साथ कहीं ले गई है। इसके बाद ठाकुरगंज थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई। पीड़ित ने बताया कि आरोपी महिला उसे बहाने से अपने साथ नैनीताल ले गई। रास्ते में उसका मोबाइल लेकर सिम कार्ड निकालकर तोड़ दिया, ताकि वह किसी से संपर्क न कर सके। किशोर के अनुसार नैनीताल के एक होटल में आरोपी महिला ने उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए और आपत्तिजनक वीडियो व फोटो रिकॉर्ड कर लिए।

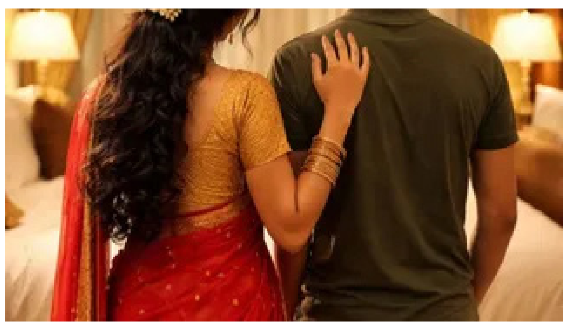

10 लाख की मांगी रंगदारी

आरोपी महिला ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर अलग-अलग मोबाइल नंबरों और सोशल मीडिया के जरिए किशोर को ब्लैकमेल करने लगी। उसने 10 लाख रुपये की मांग की और पैसे न देने पर वीडियो वायरल करने व पूरे परिवार को झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। किशोर ने बताया कि आरोपी महिला उसे बहाने से अपने साथ नैनीताल ले गई। रास्ते में उसका मोबाइल लेकर सिम कार्ड निकालकर तोड़ दिया, ताकि वह किसी से संपर्क न कर सके। इसके बाद होटल में उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए और आपत्तिजनक वीडियो व फोटो बना लिए। आरोपी महिला ने अलग-अलग मोबाइल नंबरों और सोशल मीडिया के जरिए किशोर को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। उसने 10 लाख रुपये की मांग की और पैसे न देने पर वीडियो वायरल करने व परिवार को झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी।

एसीपी ने क्या कहा?

एसीपी चौक राजकुमार सिंह के अनुसार पीड़ित किशोर 9वीं क्लास का छात्र है। 17 फरवरी को वह घर से निकला था और इसके बाद लापता हो गया। उसका मोबाइल फोन भी बंद था। परिजनों की छानबीन में पता चला कि किशोर कैंपवेल रोड स्थित एक दोस्त के घर आता-जाता था। जब मां वहां पहुंचीं तो जानकारी मिली कि दोस्त की भाभी उसे अपने साथ कहीं ले गई हैं। इसके बाद ठाकुरगंज थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई और पुलिस ने 21 फरवरी को किशोर को बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

22 हजार रोहिंग्याओं के लिए मसीहा बना सऊदी

दबाव बनाकर बांग्लादेश से दिलाई नागरिकता

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

म्यांमार से भगाए गए 22 हजार रोहिंग्याओं के लिए सऊदी अरब मसीहा बन गया है। दरअसल, सऊदी के कहने पर बांग्लादेश ने 22 हजार रोहिंग्या शरणार्थियों को बांग्लादेश का पासपोर्ट दिया है। इसकी जानकारी खुद बांग्लादेश के गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने दी है। अहमद के मुताबिक जो लोग बांग्लादेश से वैध तरीके से सऊदी कमाने के लिए गए हैं, उन्हें हमने पासपोर्ट दिया है। ताकि, वहां पर वे ठीक से रह पाएं। दूसरी तरफ सऊदी सरकार का कहना है कि अभी भी बांग्लादेश से गए 69 हजार रोहिंग्या शरणार्थी उनके यहां बिना पासपोर्ट के रह रहे हैं। बांग्लादेश में सऊदी के राजदूत ने इन सभी के लिए तुरंत पासपोर्ट व्यवस्था करने की मांग की है। इससे पहले मंगलवार को सऊदी के दबाव में आकर पाकिस्तान ने सूडान को हथियार नहीं देने का फैसला किया था। सूडान इस वक्त गृह युद्ध में उलझा हुआ है।

बांग्लादेश रोहिंग्या पर सऊदी की बात क्यों मान रहा?

बांग्लादेश में पहले से 10 लाख से ज्यादा रोहिंग्या मौजूद हैं, जिनके कारण खाद्य संकट बढ़ गया है। रोहिंग्या शरणार्थियों के कारण बांग्लादेश के कई इलाकों के अपराधों में भी बढ़ोतरी हुई है। बांग्लादेश के पास इतने पैसे नहीं हैं, जो इन रोहिंग्या को ठीक से रख सके। ऐसे में बांग्लादेश नहीं चाहता है कि किसी और देश से शरणार्थी वापस लौटे। इसके अलावा सऊदी से बांग्लादेश को निवेश की जरूरत है। 2022 में सऊदी ने बांग्लादेश में 10 बिलियन डॉलर का निवेश करने की बात कही थी। हालांकि, सरकार में उथल-पुथल की वजह से यह संभव नहीं हो पाया। वहीं दोनों के बीच व्यापारिक संबंध भी हैं। साल 2025 में बांग्लादेश ने सऊदी से करीब 4 बिलियन डॉलर का सामान खरीदा है। वहीं अधिकृत तौर पर बांग्लादेश के 3 .5 लाख मजदूर सऊदी में काम करते हैं। अगर बांग्लादेश सऊदी की बातों को नहीं मानता है तो सऊदी उस पर एक्शन ले सकता है। सऊदी के एक्शन से बांग्लादेश की आर्थिक स्थिति पूरी तरह से खराब हो जाएगी। बांग्लादेश फिलहाल नौ रिस्क मोड में है।

सऊदी बांग्लादेश का पासपोर्ट क्यों दिलवा रहा है?

1. सऊदी अरब में लगभग 1 लाख रोहिंग्या नागरिक बांग्लादेश से गए थे। बिना पासपोर्ट के इन सभी रोहिंग्या नागरिकों की निगरानी सऊदी के लिए आसान नहीं है। सऊदी चाहता है कि इन सभी के पास वैध (लीगल) दस्तावेज हों, ताकि उन्हें पूरे सऊदी में आसानी से ट्रेस किया जा सके। साथ ही, इन रोहिंग्या लोगों को भी पूरे सऊदी में ठीक से काम करने में सुविधा हो।

2. सऊदी को यह चिंता भी है कि यदि अभी बांग्लादेश उन्हें पासपोर्ट नहीं देता, तो भविष्य में उन्हें वापस भेजना मुश्किल हो सकता है। बांग्लादेश किसी भी कीमत पर उन्हें स्वीकार नहीं करेगा, जिससे सऊदी की परेशानी बढ़ सकती है। इसी वजह से सऊदी दबाव डालकर इन सभी का पासपोर्ट बनवाना चाहता है।

3. सऊदी अरब विजन 2030 पर काम कर रहा है। इसके तहत अवैध नागरिकों को सऊदी अरब से बाहर निकाला जा रहा है। सऊदी का कहना है कि यहां इमिग्रेशन को लेकर कठोर कानून लागू किए जाएंगे। ऐसी स्थिति में ये लगभग 1 लाख रोहिंग्या सऊदी के लिए बड़ी चिंता का विषय बने हुए हैं।

ईरान या अमेरिका,पाकिस्तान में होने जा रही डील में किसकी होगी जीत?

समझौते के प्रस्ताव से समझिए

हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामाबाद

पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच पीस डील को लेकर दूसरे राउंड की बैठक होने जा रही है। सब कुछ ठीक रहता है तो इस मीटिंग में दोनों देश के बीच समझौते पर सहमति बन सकती है। इसके लिए एक प्रस्ताव तैयार किया गया है। इस प्रस्ताव की मानें तो समझौते में अमेरिका के मुकाबले इस बार ईरान का पलड़ा ज्यादा भारी है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बयान में कहा है कि वे 2015 में ओबामा शासन से बेहतरीन समझौता करेंगे। अमेरिकी आउटलेट एक्सियोस के मुताबिक पाकिस्तान की मदद से जो प्रस्ताव तैयार हुआ है, उसमें ईरान से 20 साल के लिए युद्धविराम की बात कही गई है। यानी अगले 20 साल तक ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध नहीं होगा। इस दौरान ईरान परमाणु हथियार बनाने की कोशिश भी नहीं करेगा। ईरान की कोशिश इसे 10 साल तक समेटने की है। ओबामा के साथ जो समझौता हुआ था, उसमें यह डेडलाइन 15 साल के लिए था।

पीस डील का नया प्रपोजल क्या है?

1. 20 साल तक ईरान यूरेनियम संवर्धन का काम नहीं करेगा। इस दौरान ईरान पर अमेरिका का कोई भी हमला नहीं होगा। 2015 में जो समझौता हुआ था, उसमें 15 साल का डेडलाइन रखा गया था।

2. ईरान के 200 अरब डॉलर की राशि को अमेरिका अनफ्रीज करेगा। ईरान की मांग समझौते के तुरंत बाद 27 अरब डॉलर को अनफ्रीज कराने की है। इन पैसों का इस्तेमाल राहत एवं बचाव के लिए किया जाएगा।

3. अब तक अमेरिका ईरान को किसी भी तरह के यूरेनियम को रखने की इजाजत नहीं दे रहा था, लेकिन नए प्रपोजल के अनुसार ईरान ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए यूरेनियम का इस्तेमाल कर सकता है।

4. दोनों के बीच 2 चीजों पर स्थिति स्पष्ट नहीं है। पहला, होर्मुज में पर्मानेंट टोल बूथ बनेगा या नहीं और दूसरा यूरेनियम का खात्मा अमेरिका में होगा या ईरान में। ईरान चाहता है कि यूरेनियम को उसी की जमीन पर पतला किया जाए।

यह प्रपोजल किसके लिए फायदेमंद?

ईरान की तरफ से पीस डील का नेतृत्व कर रहे मोहम्मद बाघेर गालिबफ का कहना है कि अमेरिका समझौते को अपनी जीत बताने की कोशिश कर रहा है। हम इन सबके बहकावे में नहीं आने वाले हैं। न तो हम पर इसका कोई दबाव है। हम अपने हिसाब से समझौता करेंगे। समझौता वही होगा, जो ईरान के हित में है। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप त्वरित जीत चाहते हैं। वहीं ईरान की नजर लॉन्ग टर्म विनिंग फॉर्मूला सेट करने पर है। ईरान लीबिया के उदाहरण से सीख रहा है।

बिजनेस वर्ल्ड

इस डिफेंस कंपनी को सरकार से 590 करोड़ का बड़ा ऑर्डर मिला!

हिंदमाता नेटवर्क @ वाशिंगटन

शेयर बाजार में हर निवेशक एक ऐसे शेयर की तलाश में रहता है जो उसकी छोटी सी पूंजी को एक बड़ी दौलत में बदल दे। अगर कोई आपसे कहे कि कभी 12 रुपये के भाव पर मिलने वाले एक शेयर ने निवेशकों को 14 हजार प्रतिशत से भी ज्यादा का छप्परफाड़ रिटर्न दिया है, तो शायद एक बार में यकीन करना मुश्किल हो। लेकिन सरकारी नवरत्न कंपनियों की लिस्ट में शामिल डिफेंस और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र की एक प्रमुख कंपनी BEML ने बिल्कुल ऐसा ही किया है। इस मल्टीबैगर स्टॉक का सफर 12 .40 से शुरू होकर 2437 तक जा पहुंचा है। निवेशक के लिए यह समझना बेहद जरूरी है कि आखिर इस कंपनी के कारोबार में ऐसा क्या खास है जो यह लगातार रफ्तार पकड़ रहा है और रक्षा मंत्रालय के एक नए फैसले ने कैसे इसमें फिर से जान फूंक दी है। BEML का शेयर उन चुनिंदा स्टॉक्स में शामिल है जिसने लॉन्ग टर्म और शॉर्ट टर्म, दोनों ही तरह के निवेशकों को निराश नहीं किया है। लिस्टिंग के बाद से अब तक यह 14,206% का भारी भरकम रिटर्न दे चुका है। ताजा आंकड़ों की बात करें तो रक्षा मंत्रालय से जुड़ी एक बड़ी खबर के बाद शेयर में फिर से तेजी लौटी है और यह 1.77% की बढ़त के साथ 1,774 रुपये पर बंद हुआ है। शॉर्ट टर्म निवेशकों के लिए भी यह शेयर फायदे का सौदा साबित हुआ है, क्योंकि बीते एक महीने में इसने करीब 27% और सिर्फ पांच दिन में 7% का तगड़ा रिटर्न दिया है। बाजार में इस शेयर की ताजा तेजी के पीछे एक बहुत बड़ी और ठोस वजह है। दरअसल, रक्षा मंत्रालय ने कंपनी की क्षमताओं पर भरोसा जताते हुए उसे लगभग 590 करोड़ रुपये का एक अहम ऑर्डर सौंपा है।

बाजार और कच्चा तेल सब फेल, रुपए के साथ लगातार दूसरे दिन हुआ बड़ा खेल

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

करेंसी मार्केट में लगातार दूसरे दिन डॉलर के मुकाबले रुपए में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। आंकड़ों को देखें तो इन दो दिनों में डॉलर के मुबाबले रुपए में 50 पैसे से ज्यादा की गिरावट देखने को मिल चुकी है। खास बात तो ये है कि अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता की उम्मीदें बढ़ गई है। वहीं दूसरी ओर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। उसके बाद भी रुपए में गिरावट का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। जिसकी वजह से डॉलर के मुकाबजे में 93 .50 के लेवल के करीब पहुंच गया है। खास बात तो ये है कि हाल ही में रुपए को उठाने के लिए कुछ उपाए किए थे। उसके बाद भी रुपए को सपोर्ट नहीं किया है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर रुपए को लेकर किस तरह के आंकड़े देखने को मिल रहे हैं। मंगलवार को रुपया 32 पैसे गिरकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93 .48 (अस्थायी) पर बंद हुआ। इस गिरावट की वजह अमेरिकी करेंसी की मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के साथ-साथ पश्चिम एशिया में शांति वार्ता की प्रगति को लेकर बनी अनिश्चितताएं थीं। फॉरेक्स विश्लेषकों ने बताया कि घरेलू शेयर बाज़ारों में तेजी के बावजूद लोकल करेंसी को कोई सहारा नहीं मिला।

किआ इंडिया ने किआ साइरोस MY26 पेश की 8.39 लाख की शुरुआती कीमत से उपलब्ध

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

भारत के प्रमुख मास-प्रीमियम वाहन निर्माताओं में से एक, किआ इंडिया ने ग्राहकों की बदलती जरूरतों और सुझावों को ध्यान में रखते हुए किआ साइरोस मॉडल ईयर 2026 (MY26) पेश करने की घोषणा की है। इसमें नए HTE, HTE(O), HTK+(O) और HTX(O) ट्रिम्स के साथ मॉडल लाइनअप का विस्तार किया गया है। नई साइरोस MY26 8,39,900 रुपये की शुरुआती कीमत में मिलेगी और इसमें पहले से ज्यादा ऑटोमैटिक विकल्प दिए गए हैं, जिनमें नए डीजल ऑटोमैटिक ट्रिम्स भी शामिल हैं। ये सब किफायती कीमत पर बेहतर मूल्य देने की रणनीति को और मजबूत करते हैं। नई और मजबूत ट्रिम रणनीति, पूरे मॉडल रेंज में बेहतर फीचर्स, और स्पोर्टी व मजबूत फ्रंट-रियर डिजाइन के कारण यह अब पहले से भी ज्यादा आकर्षक एसयूवी लगती है। नई साइरोस अपनी मुख्य खूबियों जैसे शानदार स्पेस, प्रीमियम इंटीरियर और मजबूत सुरक्षा को बरकरार रखते हुए अब ग्राहकों को कहीं ज्यादा सार्थक मूल्य प्रदान करती है। किआ इंडिया के सेल्स एवं मार्केटिंग के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट श्री अतुल सूद ने कहा, "ग्राहकों के सुझावों ने साइरोस मॉडल ईयर 2026 को और बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाई है। इसमें डिजाइन को और आकर्षक बनाया गया है, ट्रिम और फीचर्स को बेहतर तरीके से व्यवस्थित किया गया है, जिससे अब यह पहले से कहीं ज्यादा सार्थक मूल्य देता है। साथ ही, ट्रिम्स और पावरट्रेन में ज्यादा विकल्प भी उपलब्ध कराए गए हैं। लॉन्च के बाद साइरोस ने कई पुरस्कार जीते हैं और ऑटो विशेषज्ञों ने इसकी खूब तारीफ की है।

भारत के फार्मा बाजार में रे नियो फॉर्मा की एंट्री 60% भारतीय आबादी तक पहुँच का लक्ष्य

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

नई पीढ़ी की फार्मास्युटिकल कंपनी, रे नियो फॉर्मा ने आधिकारिक तौर पर अपने परिचालन की शुरुआत की है। कंपनी का उद्देश्य सभी भारतीयों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करना है। एक लचीले और आधुनिक बिजनेस मॉडल पर आधारित यह कंपनी 90 से अधिक फॉर्मूलेशन की एक विस्तृत श्रृंखला पेश कर रही है, जो सामान्य बीमारियों से लेकर विशेष उपचार क्षेत्रों तक फैली हुई है। इसके साथ ही, कई नए और उन्नत फॉर्मूलेशन पर भी काम जारी है। इसकी स्थापना जाने-माने उद्यमी अमित पटनी द्वारा की गई है, जो 'पटनी कंप्यूटर्स' खड़ी करने वाली समृद्ध पारिवारिक विरासत से आते हैं । उनके पास मैन्युफैक्चरिंग, हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर, ऊर्जा और फाइनेंस जैसे क्षेत्रों का गहरा अनुभव है । रे नियो फॉर्मा भारत के उभरते फार्मास्युटिकल क्षेत्र में विज्ञान, नैतिकता और उपभोक्ता-केंद्रित सोच का एक अनूठा मेल पेश करती है । रे नियो फॉर्मा विभिन्न प्रमुख चिकित्सीय क्षेत्रों में दवाएं उपलब्ध कराती है, जिनमें एंटीबायोटिक्स, डायबिटीज, गैस्ट्रो-इंटेस्टाइनल, दर्द एवं ऑर्थोपेडिक उपचार, एलर्जी और श्वसन रोग, हृदय रोग, त्वचा संबंधी समस्याएं और प्रोटॉन पंप इन्हिबिटर्स जैसी दवाएं शामिल हैं। कंपनी का फोकस ऐसे ब्रांडेड जेनेरिक उत्पादों पर है, जो सटीक फॉर्मूलेशन के साथ सामान्य और विशेष दोनों तरह की जरूरतों को पूरा करते हैं और साथ ही उनकी प्रभावशीलता और सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। रे नियो फॉर्मा की मौजूदगी देश के कई घनी आबादी और महत्वपूर्ण राज्यों में है, बिहार, झारखंड, ओडिशा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली-एनसीआर, महाराष्ट्र, कर्नाटक और, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश एवं गोवा जैसे महत्वपूर्ण राज्यों में मजबूत मौजूदगी के साथ, रे नियो फॉर्मा भारत की लगभग 55-60% आबादी तक अपनी पहुँच बना रही है और समुदायों तक जरूरी दवाएं पहुँचा रही है । रे नियो फॉर्मा की सबसे बड़ी खूबी इसका अनुभवी नेतृत्व है ।

एयरटेल ने महाराष्ट्र और गोवा के 36 जिलों में 3,400 नए 5G नेटवर्क साइट्स का विस्तार किया

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

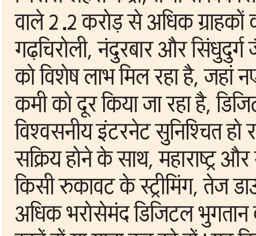

भारत की अग्रणी टेलीकॉम सर्विस प्रदाता कंपनियों में से एक भारती एयरटेल ने आज घोषणा कि उसने पिछले महाराष्ट्र और गोवा में 3,400 से अधिक नए 5G साइट्स स्थापित किए हैं, जिससे ग्राहकों को तेज स्पीड, व्यापक कवरेज और बेहतर नेटवर्क अनुभव मिल रहा है। व्यापक पैमाने पर किया गया यह नेटवर्क विस्तार महाराष्ट्र और गोवा के सभी 36 जिलों में हुआ है, जिससे शहरी केंद्रों, तेजी से विकसित होते कस्बों और दूरदराज के गांवों में रहने वाले 2 .2 करोड़ से अधिक ग्राहकों को कवर किया गया है। इसके परिणामस्वरूप गढ़चिरोली, नंदुरबार और सिंधुदुर्ग जैसे उभरते और विकासशील जिलों में ग्राहकों को विशेष लाभ मिल रहा है, जहां नए साइट्स के माध्यम से कनेक्टिविटी की कमी को दूर किया जा रहा है, डिजिटल समावेशन को बढ़ावा मिल रहा है और विश्वसनीय इंटरनेट सुनिश्चित हो रहा है। हर दिन 9 से अधिक नए साइट्स के सक्रिय होने के साथ, महाराष्ट्र और गोवा के विभिन्न जिलों के ग्राहक अब बिना किसी रुकावट के स्ट्रीमिंग, तेज डाउनलोड, ऑनलाइन काम और पढ़ाई, तथा अधिक भरोसेमंद डिजिटल भुगतान का अनुभव कर सकते हैं—चाहे वे कहीं भी रहते हों या यात्रा कर रहे हों। यह विस्तारित 5G नेटवर्क नागरिकों, छात्रों, सूक्ष्म व्यवसायों, पर्यटकों और सरकारी संस्थानों की दैनिक डिजिटल जरूरतों को सहज रूप से पूरा करने में सक्षम बना रहा है। "महाराष्ट्र और गोवा में डेटा की मांग तेजी से बढ़ रही है, और हमारा लक्ष्य लगातार अपने नेटवर्क को मजबूत करते हुए इस मांग से आगे रहना है। 3,400 से अधिक नए 5G साइट्स के जुड़ने से हम 2 .2 करोड़ से अधिक ग्राहकों को तेज स्पीड, व्यापक कवरेज और अधिक विश्वसनीय अनुभव प्रदान कर रहे हैं। विशेष रूप से विकासशील जिलों में हमारे निरंतर निवेश, एयरटेल की उस प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं, जिसके तहत हम कनेक्टिविटी की कमी को दूर कर क्षेत्र के डिजिटल विकास को भविष्य-उन्मुख नेटवर्क के माध्यम से सशक्त बना रहे हैं," रबी शंकर मिश्रा, सीईओ – महाराष्ट्र एवं गोवा, भारती एयरटेल ने कहा।

सऊदी के लिए नए दुश्मन हैं ये आतंकी संगठन

ईरान युद्ध में बर्बाद किए रियाद के तेल ठिकाने

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

सऊदी अरब के लिए एक नया खतरा सामने आया है। यह खतरा इराक के ईरान समर्थित शिया आतंकी समूहों से है, इनमें कताइब हिजबुल्लाह और असैब अहल अल-हक का नाम प्रमुख है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन आतंकी संगठनों ने 5 हफ्तों में सऊदी अरब पर लगभग 1000 ड्रोन हमले किए हैं इनमें से करीब आधे हमले इराक की जमीन से किए गए। इन हमलों में सऊदी के यानबू ऑयल हब की रिफाइनरी और पूर्वी इलाके के तेल ठिकानों को निशाना बनाया गया। इससे सऊदी के तेल ढांचे को नुकसान पहुंचा। सिर्फ सऊदी ही नहीं, बल्कि कुवैत, बहरीन और UAE भी इन हमलों से प्रभावित हुए। कुवैत के इकलौते सिविल एयरपोर्ट और बहरीन पर भी ड्रोन हमले हुए। इराक के अंदर कुवैत के कांसुलेट और यूएई के दूतावास को भी निशाना बनाया गया।

इन संगठनों के पास 2.5 लाख लड़ाके

ये आतंकी संगठन ईरान की रणनीति का हिस्सा माने जा रहे हैं। ईरान खुद भी अपने दुश्मनों पर ड्रोन और मिसाइल हमले कर रहा है। इसके अलावा लेबनान का हिज्बुल्लाब और इराक के ये समूह मिलकर हमले कर रहे हैं, जिससे ईरान की ताकत और बढ़ जाती है। इराक में इन समूहों की ताकत काफी ज्यादा है। इनकी संख्या दर्जनों में है और इनके पास करीब 2 .5 लाख लड़ाके हैं। इनके पास अरबों डॉलर का फंड और लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइलें भी हैं। अमेरिका ने चेतावनी दी है कि ये समूह आगे भी हमले कर सकते हैं। उसने अपने नागरिकों को इराक में दूतावास और कांसुलेट से दूर रहने को कहा है। बगदाद में अमेरिकी दूतावास पर कई बार हमले हो चुके हैं और वहां से ज्यादातर स्टाफ हटा लिया गया है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि खाड़ी देश अब सीधे ईरान पर हमला करने के बजाय इराक में इन आंतकी संगठनों को निशाना बना सकते हैं। सऊदी अरब इराक में चेतावनी के तौर पर छोटे हमले कर सकता है। वहीं कुवैत और बहरीन अमेरिका को अपने इलाके से हमला करने की इजाजत दे सकते हैं।

चीन ने कर दिया साइलेंट गेम

घर से बाहर नहीं निकल पा रहे ताइवान के राष्ट्रपति

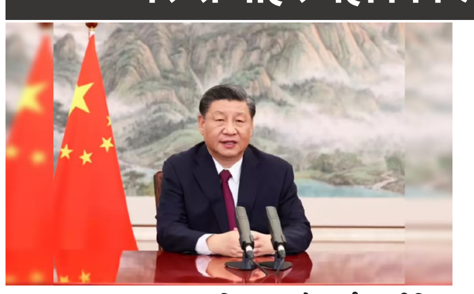

हिंदमाता नेटवर्क @बीजिंग

ताइवान के राष्ट्रपति विलियम लाइ चिंग ते के साथ चीन ने साइलेंट गेम कर दिया है। इसके कारण ताइवान के राष्ट्रपति विलियम लाइ अपने घर यानी देश से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। ताइवान सरकार के प्रवक्ता का कहना है कि चीन के दबाव के कारण एस्वातिनी की यात्रा राष्ट्रपति लाइ नहीं कर पाएंगे क्योंकि, एस्वातिनी जाने के लिए सेशेल्स, मेडागास्कर और मॉरीशस ने ताइवान के राष्ट्रपति को अपने स्पेस में उड़ने की परमिशन नहीं दी है। दिलचस्प बात है कि कुछ ही दिन पहले चीन ने ताइवान के आसपास के एयरस्पेस को बंद करने का फैसला किया था। ताइवान सरकार का कहना है कि डेढ़ साल बाद चीन के कारण ताइवान के राष्ट्रपति किसी देश के यात्रा पर नहीं जा पाएंगे। उनकी एस्वातिनी की यात्रा को रद्द कर दी गई है। राष्ट्रपति लाइ ने चीन सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि चीन की इस हरकत को पूरी दुनिया देश रही है। चीन को इससे कुछ नहीं मिलने वाला है। वहीं मेडागास्कर विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स से बात करते हुए कहा कि हम सिर्फ चीन को मान्यता देते हैं। इसलिए ताइवान के राष्ट्रपति की उड़ान पर प्रतिबंध लगाया गया है।

चीन ने ताइवान की घेराबंदी तेज की

हाल के दिनों में चीन ने ताइवान की घेराबंदी तेज कर दी है। अमेरिकी सुरक्षा अधिकारियों का मानना है कि चीन ताइवान पर 2027 के आखिर तक अटैक कर सकता है। इसी के मद्देनजर चीन लगातार प्रैक्टिस कर रहा है। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि वहां के राष्ट्रपति को एक अलगाववादी नेता।

1. ताइवान को साधने के लिए चीन ने हाल ही में वहां के मुख्य विपक्षी नेता को बीजिंग में आमंत्रित किया था। यहां पर खुद चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने चेंग ली वुन से मुलाकात की थी। मुलाकात में जिनपिंग ने कहा था कि ताइवान चीन का है और इसे सबको समझने की जरूरत है।

चेंग को राष्ट्रपति ली का विरोधी माना जाता है। चीन चेंग के जरिए ताइवान को साधने की कवायद में जुटा है। चेंग की पार्टी को ताइवान में चीन समर्थक माना जाता है।

2. चीन ताइवान की घेराबंदी के लिए मजबूत प्रैक्टिस कर रहा है। हाल ही में चीन ने 40 दिन के लिए ताइवान के आसपास के एयरस्पेस को बंद करने का फैसला लिया था। ताइवान ने इस फैसले का विरोध किया था। हालांकि, एयरस्पेस में चीन प्रतिबंध जारी रहा।

इसके अलावा चीन साउथ चाइना सी के एंट्री गेट पर बैरिकेड लगाने का अभ्यास कर रही है। चीन की नजर मई के मध्य में डोनाल्ड ट्रंप के बीजिंग यात्रा पर है। कहा जा रहा है कि इस मुलाकात के बाद ताइवान को लेकर कोई फैसला हो सकता है।

अमेरिका से जंग के बीच ईरान का बड़ा दांव

इराकी मिलिशिया को दी हमले की खुली छूट

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान

मिडिल ईस्ट में जारी जंग के बीच ईरान ने अपनी रणनीति में अहम बदलाव किया है। तेहरान ने इराक में सक्रिय अपने समर्थित मिलिशिया गुटों पर तैनात फील्ड कमांडरों को छूट दे दी है। इसके तहत वे अब बिना केंद्रीय मंजूरी के भी किसी ऑपरेशन को अंजाम दे सकते हैं। एसोसिएटेड प्रेस के मुताबिक, ये बदलाव युद्ध के दबाव के चलते किया गया है। दरअसल, ईरान के समर्थन वाली कई मिलिशिया इराक के सरकारी ढांचे के भीतर ही काम करती हैं। उन्हें सरकारी बजट से फंडिंग भी मिलती है। इसी वजह से अमेरिका और अन्य देशों ने लगातार इसकी आलोचना की है। उनका कहना है कि इन मिलिशिया के हमलों का सबसे ज्यादा असर उन्हीं पर पड़ा है। बगदाद इन्हें रोकने में नाकाम रहा है। अमेरिका के बढ़ते दबाव के बावजूद इराक इन गुटों को काबू में करने के लिए संघर्ष कर रहा है। एक मिलिशिया अधिकारी ने बताया कि सबसे कट्टरपंथी गुट अब ईरानी सलाहकारों की निगरानी में एक विकेंद्रीकृत कमांड ढांचे के तहत काम कर रहे हैं। एक अधिकारी ने कहा, "हमें अधिकार दिया गया है कि केंद्रीय कमांड से पूछे बिना कार्रवाई कर सकते हैं।" वाशिंगटन और मिलिशिया गुटों के बीच चल रहा समानांतर टकराव हालात को गंभीर बना रहा है।

संकट के वक्त पूल पार्टी कर रही थी ट्रंप की महिला मंत्री

अब गई कुर्सी

हिंदमाता नेटवर्क @ लेबनान

अमेरिका के श्रम मंत्री के इस्तीफे को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। मंत्री लोरी चावेज-डेरेमर पर अमेरिका में संकट के वक्त पूल पार्टी करने का आरोप है। वो भी सरकारी पैसों से। इसकी जांच शुरू होने के बाद नैतिकता के आधार पर डेरेमर ने इस्तीफा देने की घोषणा की है। हाल के दिनों में यह तीसरा मौका है, जब ट्रंप कैबिनेट के किसी सदस्य का इस्तीफा हुआ है। 58 साल की लोरी चावेज को दूसरी बार सरकार में आने के बाद ट्रंप ने श्रम मंत्री के तौर पर अपने कैबिनेट में शामिल किया था। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक 58 साल की लोरी कदाचार मामलों की जांच के दौरान इस्तीफा देने का फैसला किया है। उनके विभाग के 4 और अफसरों का इस्तीफा हुआ है। सभी पर अमेरिका में शटडाउन के वक्त पूल पार्टी करने का आरोप है। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता स्टीवन चेउंग का कहना है कि निजी क्षेत्र में काम करने के लिए डेरेमर ने इस्तीफा देने का फैसला किया है। एक साल में उन्होंने श्रम क्षेत्र के लिए जो किया है, वो काफी उल्लेखनीय है।

डेरेमर का इस्तीफा क्यों हुआ?

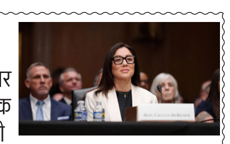

1. न्यूयॉर्क पोस्ट ने एक शिकायत के आधार पर डेरेमर को लेकर रिपोर्ट की थी। इसके मुताबिक डेरेमर अपने कर्मचारियों पर चिखती-चिल्लाती हैं। इतना ही नहीं, काम के दौरान डेरेमर शराब का भी सेवन करती हैं।

2. डेरेमर पर यह भी आरोप था कि उन्होंने अपने करीबी अफसरों को सरकारी पैसों पर टूर के लिए भेजा, जो कानूनन गलत था। डेरेमर पर पद का दुरुपयोग का आरोप भी लगा। उनके सुरक्षा गार्ड को लेकर भी कई तरह के आरोप लगाए गए।

3. डेरेमर तब सुर्खियों में आईं, जब अक्टूबर 2025 में अमेरिका में शटडाउन की घोषणा हुई। उस वक्त अपने दोस्तों के साथ डेरेमर पूल पार्टी करने चली गईं। इसको लेकर अमेरिका में हंगामा मच गया।

प्रारंभिक जांच के बाद हुआ इस्तीफा

रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती जांच में यह पाया गया कि काम के दौरान डेरेमर अपने दोस्तों के साथ क्लब में शराब पीने जाती थीं। इतना ही नहीं उन पर सरकारी पैसों से टूर करने का आरोप भी सही साबित हुआ। जांच की रिपोर्ट सीनेट को भेज दी गई, जिसके बाद डेरेमर ने इस्तीफा देने का फैसला किया।

हिंदमाता एंकर ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ईरान के बंदरगाहों पर अपनी नाकेबंदी जारी रखेगा, जब तक दोनों देशों के बीच कोई अंतिम समझौता नहीं हो जाता

किल्लत होते ही भेजा दोगुना तेल, यूएई-सऊदी के टैंकर होर्मुज में रुके तो भारत का सहारा बना रूस

हिंदमाता नेटवर्क @ वाशिंगटन

ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल की जंग के कारण होर्मुज स्ट्रेट के जरिए मध्य पूर्व से तेल सप्लाई लगभग रुक सी गई है। सप्लाई रुकने की वजह से मार्च में भारत के कच्चे तेल का आयात फरवरी के युद्ध से पहले के स्तर की तुलना में 13% गिर गया है। इसमें भी कुल आयात का आधा हिस्सा रूस से आया है। यानी मिडिल ईस्ट से सप्लाई संकट के बीच रूस से तेल आयात ने भारत को संभाले रखा है। इंडस्ट्री के सूत्रों से प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक, दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक और उपभोक्ता भारत ने मार्च में 45 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल आयात किया। मार्च में रूस से भारत का तेल आयात फरवरी की तुलना में लगभग दोगुना होकर 22.5 लाख बैरल प्रतिदिन पहुंच गया। वहीं, मध्य पूर्व से सप्लाई 61% गिरकर 11.8 लाख बैरल प्रतिदिन रह गई। होर्मुज स्ट्रेट, जहां से आमतौर पर दुनिया की करीब पांचवें हिस्से की तेल सप्लाई गुजरती है, 28 फरवरी को युद्ध की शुरुआत से ही लगभग ठप हो गया है। पिछले दो महीनों में केवल कुछ ही तेल टैंकर भारत पहुंचे हैं। शनिवार को स्ट्रेट पार करने की कोशिश कर रहे भारत के झंडे वाले दो जहाजों पर हमला भी किया गया।

इराक और यूएई से तेल खरीद में भारी गिरावट

डेटा के अनुसार, मार्च में भारत के कुल कच्चे तेल आयात में मध्य पूर्वी तेल की हिस्सेदारी घटकर रिकॉर्ड निचले स्तर 26 .3% पर आ गई। इराक और संयुक्त अरब अमीरात (UAE) से सप्लाई कई सालों के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई। मध्य पूर्वी तेल की कमी पूरी करने के लिए भारतीय रिफाइनरियों ने समुद्र में उपलब्ध रूसी तेल की खरीद तेज कर दी। यह खरीद रूसी तेल पर अमेरिका की तरफ से जारी छूट के बाद वापस शुरू की गई है। अमेरिका ने ईरान युद्ध के कारण तेल की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए रूसी तेल से प्रतिबंध हटा दिए हैं और रूसी तेल खरीदने की छूट पाने वाला भारत पहला देश बना था। ट्रंप प्रशासन ने शुक्रवार को रूसी तेल की खरीद पर छूट एक महीने के लिए बढ़ा दी है जिसके बाद दुनिया के देश समुद्र में उपलब्ध प्रतिबंधित रूसी तेल खरीद सकते हैं। यह छूट भारत के लिए बड़ी राहत लेकर आई है और उम्मीद है कि रूसी तेल आयात बढ़ता ही जाएगा।

रूस रहा टॉप सप्लायर, अफ्रीकी देश से तेल खरीद भी बढ़ी

मार्च में रूस भारत का सबसे बड़ा तेल सप्लायर बना रहा और सऊदी अरब ने इराक को पीछे छोड़कर दूसरा स्थान हासिल किया। डेटा के मुताबिक, मध्य पूर्वी सप्लाई घटने के कारण भारतीय रिफाइनरियों ने अफ्रीका से आयात बढ़ाया, जिससे अंगोला तीसरे स्थान पर पहुंच गया। इसके बाद UAE और इराक का स्थान रहा। मध्य पूर्व से कम आयात के कारण भारत के कुल आयात में ओपेक (OPEC) तेल की हिस्सेदारी घटकर रिकॉर्ड निचले स्तर 29% पर आ गई। मार्च 2026 तक समाप्त वित्त वर्ष में भारत का रूसी तेल आयात पिछले साल की तुलना में 6 .2% घट गया, क्योंकि अमेरिकी दबाव के बीच भारतीय रिफाइनरियों ने रूस के तेल खरीद कम कर दी थी। लेकिन अब अमेरिकी छूट के बाद रूस से तेल आयात फिर से बढ़ गया है और रूस भारत का सबसे बड़ा सप्लायर बन गया है।

दैनिक ठाणे, बुधवार 22 अप्रैल, 2026

हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

GAME & GLAMOUR

'मातृभूमि' के लिए सलमान खान ने लद्दाख की पहाड़ियों में बहाया पसीना

बॉलीवुड के सुल्तान सलमान खान अपनी फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' के साथ पर्दे पर बहादुरी और बलिदान की एक ऐसी कहानी लाने जा रहे हैं, जिसे देखकर दर्शक दंग रह जाएंगे। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बन रही इस फिल्म के लिए सलमान ने जो समर्पण दिखाया है, वह फिल्म जगत में चर्चा का विषय बन गया है। लद्दाख की चुनौतीपूर्ण ऊंचाइयों पर, जहां सांस लेना भी मुश्किल होता है, वहां सलमान ने अपनी फिटनेस को एक नए शिखर पर पहुंचाया है।

बिना जिम, कैलिस्थेनिक्स का सहारा

प्रोडक्शन से जुड़े एक सूत्र ने बताया, "सलमान खान ने इस फिल्म के लिए अविश्वसनीय फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन किया है। लद्दाख के 45 दिनों के शेड्यूल के दौरान, किसी हाई-टेक जिम की सुविधा नहीं थी। ऐसे में सुपरस्टार ने अपनी बॉडी को शेप देने के लिए कैलिस्थेनिक्स (इङ्ग्टिर्ध्वे३ ळ९ंल्ल्लॅ) और कठिन एंड्योरेंस ड्रिल्स का सहारा लिया। यह उनके पिछले कई सालों के सबसे मुश्किल फिटनेस रूटीन में से एक है।"

चोटों के बावजूद नहीं मानी हार

सूत्र ने आगे खुलासा किया कि सलमान यह सब तब कर रहे थे जब वे कई पुरानी शारीरिक चोटों से जूझ रहे थे। ऐसी दर्दनाक स्थिति और लद्दाख जैसे कठिन वातावरण में घंटों पसीना बहाना केवल सलमान खान के बस की ही बात है। उनका यह अनुशासन और रोल के प्रति जुनून 'मातृभूमि' को बेहद खास बनाता है।

फिल्म के बारे में

'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' का निर्माण सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले सलमान खान द्वारा किया गया है। फिल्म में चित्रांगदा सिंह भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। यह फिल्म न केवल एक्शन बल्कि जुझारूपन और देशभक्ति का एक बेबाक चित्रण पेश करने का वादा करती है।

T-20I रैंकिंग में शेफाली वर्मा का हुआ फायदा

मंधाना और जेमिमा को झेलना पड़ा नुकसान

भारत की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा पांच मैच की टी-20 इंटरनेशनल सीरीज में अर्धशतक की बदौलत आईसीसी की लेटेस्ट महिला T-20I बल्लेबाजी रैंकिंग में दो स्थान के फायदे से छठे पायदान पर पहुंच गईं। 22 वर्षीय शेफाली ने रविवार को डरबन में खेले गए दूसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 38 गेंद पर 57 रन बनाए थे लेकिन भारत मेजबान टीम से आठ विकेट से हार गया जिससे सीरीज में वह 0-2 से पिछड़ गया। भारत को इसी मैदान पर खेले गए पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय में भी छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था जिसमें शेफाली ने 34 रन का योगदान दिया था।

मंधाना का नुकसान, हरमन का हुआ फायदा

भारत की उपकप्तान और शेफाली की सलामी जोड़ीदार स्मृति मंधाना अब तक खेले गए दोनों मैच में निराशाजनक प्रदर्शन किया है और एक स्थान नीचे चौथे स्थान पर खिसक गई हैं। उन्होंने इन मुकाबलों में 13 और 12 रन बनाए। तीसरे स्थान पर अब वेस्टइंडीज की हेले मैथ्यूज हैं। भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर दो स्थान ऊपर चढ़कर अब शीर्ष 10 में शामिल होने के करीब हैं। वह फिलहाल 11वें स्थान पर हैं। उन्होंने पहले टी-20 में नाबाद 47 रन बनाए थे।

जेमिमा रोड्रिग्स चार स्थान का नीचे खिसकी

महिला वनडे वर्ल्ड कप की स्टार खिलाड़ी जेमिमा रोड्रिग्स को चार स्थान का नुकसान हुआ है। खराब फॉर्म के चलते वह अब बल्लेबाजों की सूची में 14वें स्थान पर खिसक गई हैं। यह सीरीज दोनों टीम के लिए आगामी टी-20 वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है जो जून में इंग्लैंड और वेल्स में शुरू होने वाला है। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट ने भारत के खिलाफ दूसरे मैच में शानदार अर्धशतक लगाने के बाद बल्लेबाजों की सूची में अपना पांचवां स्थान बरकरार रखा है।

दीप्ति शर्मा समेत इन खिलाड़ियो को भी झटका

ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल शीर्ष पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की अन्य खिलाड़ियों में एनेरी डर्कसेन (18 स्थान के फायदे से 33वें स्थान पर) और सुने लुस (आठ स्थान के फायदे से 35वें स्थान पर) ने भी रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई है। भारत की प्रमुख गेंदबाज दीप्ति शर्मा, रेणुका सिंह ठाकुर और अरुंधति रेड्डी गेंदबाजों की रैंकिंग में नीचे खिसक गई हैं। दीप्ति दो स्थान नीचे पांचवें जबकि रेणुका चार स्थान नीचे नौवें स्थान पर हैं। अरुंधति भी तीन स्थान के नुकसान से 12वें स्थान पर खिसक गई हैं और शीर्ष 10 गेंदबाजों की सूची से बाहर हो गई हैं।

सनी देओल और इमरान हाशमी की बॉक्स ऑफिस पर होगी टक्कर

इमरान हाशमी की 'आवारापन' का पहला भाग साल 2007 में रिलीज हुआ था और उसने अपनी दमदार कहानी और दिल छूने वाले संगीत से एक पक्का फैन बेस बना लिया था। अब, 'आवारापन 2' के साथ वह वापसी करने जा रहे हैं, जो उनकी पहली फिल्म से लगभग दो दशक बाद आएगी। फिल्म का निर्देशन नितिन कक्कड़ कर रहे हैं और इसका निर्माण मुकेश भट्ट द्वारा किया गया है। 14 अगस्त 2026 को 'आवारापन 2' सिनेमाघरों में दस्तक देगी, जो कि स्वतंत्रता दिवस के लंबे सप्ताहांत में एक ब्लॉकबस्टर साबित हो सकती है।

बॉक्स ऑफिस पर टकराव: 'आवारापन 2' और 'लाहौर 1947' की जंग

हालांकि, 'आवारापन 2' के लिए यह स्वतंत्रता दिवस सप्ताहांत एक बड़ी चुनौती पेश करता है। फिल्म का सामना सनी देओल की फिल्म 'लाहौर 1947' से होगा, जो आमिर खान द्वारा निर्मित है और 13 अगस्त 2026 को रिलीज होगी। राजकुमार संतोषी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में शबाना आजमी, प्रीति जिंटा, और करण देओल जैसे बड़े नाम हैं। इसके संगीत का जिम्मा ए.आर. रहमान ने लिया है, जबकि गीतकार जावेद अख्तर हैं। दो बहुप्रतीक्षित फिल्मों के बीच यह बॉक्स ऑफिस टकराव बेहद रोमांचक होगा।

इमरान हाशमी और दिशा पटानी की जोड़ी

आवारापन 2 में इमरान हाशमी के साथ दिशा पटानी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। दिशा पटानी की यह फिल्म में एंट्री उनके फैंस के लिए एक खास ट्रीट होगी। फिल्म के निर्माता विशेष भट्ट हैं और इसका लेखन बिलाल सिद्दिकी ने किया है, जो पहले 'बास्टड्र्स ऑफ बॉलीवुड' में काम कर चुके हैं।

'आवारापन' की धरोहर और 'लाहौर 1947' का ऐतिहासिक असर

आवारापन के पहले भाग की कहानी ने दर्शकों का दिल जीता था। इस फिल्म में इमरान हाशमी ने गैंगस्टर शिवम पांडे का किरदार निभाया था, जिसे अपने बॉस भारत मलिक (अशुतोष राणा) द्वारा एक पाकिस्तानी महिला के प्रति नजर रखने का आदेश मिलता है। इस फिल्म ने एक जबरदस्त फैन फॉलोइंग बनाई, खासतौर पर अपनी भावनात्मक गहराई और संगीत के लिए। वहीं, 'लाहौर 1947' एक ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्म है, जो विभाजन के समय के संघर्ष और भारतीय इतिहास के एक महत्वपूर्ण अध्याय को उजागर करती है।

फिल्मों के बीच इस स्वतंत्रता दिवस की लड़ाई

अब देखना यह होगा कि 'आवारापन 2' और 'लाहौर 1947' के बीच का यह बॉक्स ऑफिस मुकाबला कौन अपने नाम करता है। दोनों ही फिल्में अपने-अपने अंदाज में दर्शकों को आकर्षित करने में सफल हो सकती हैं। यदि आप एक्शन, इमोशन और रोमांच पसंद करते हैं, तो यह स्वतंत्रता दिवस सप्ताहांत आपके लिए खास होगा।

आयुष्मान खुराना बनेंगे सूरज बड़जात्या के नए 'प्रेम'

भारतीय सिनेमा में पारिवारिक फिल्मों के पर्याय बन चुके निर्देशक सूरज बड़जात्या अपनी अगली बड़ी फिल्म के साथ तैयार हैं। 'ऊंचाई' के लिए नेशनल अवॉर्ड जीतने के बाद, उन्होंने अपनी नई फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' की आधिकारिक घोषणा कर दी है। राजश्री प्रोडक्शंस और महावीर जैन फिल्म्स के सहयोग से बन रही यह फिल्म एक बार फिर दर्शकों को पारिवारिक मूल्यों और संगीत के सफर पर ले जाएगी।

12 साल बाद 'प्रेम' की वापसी

राजश्री का सबसे मशहूर नाम 'प्रेम' करीब 12 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहा है। इस बार इस आइकॉनिक किरदार को निभाने की जिम्मेदारी सुपरस्टार आयुष्मान खुराना को दी गई है। आयुष्मान अपनी सहजता और शरारती अंदाज के लिए जाने जाते हैं, जो इस किरदार में एक नई जान फूकेंगे। फिल्म में उनके अपोजिट पहली बार शरवरी नजर आएंगी, जिनकी सादगी और खूबसूरती राजश्री की हीरोइनों की परंपरा को आगे बढ़ाती है।

संगीत का जादू: सूरज बड़जात्या और हिमेश रेशमिया फिर साथ

फिल्म का एक और बड़ा आकर्षण इसका संगीत है। 'प्रेम रतन धन पायो' की ब्लॉकबस्टर सफलता के 12 साल बाद सूरज बड़जात्या और हिमेश रेशमिया की जोड़ी फिर से एक साथ आई है। एक 'म्यूजिकल फैमिली एंटरटेनर' होने के नाते, उम्मीद जताई जा रही है कि हिमेश एक बार फिर चार्टबस्टर एल्बम देंगे।

एक्शन और हॉरर के बीच एक सच्ची 'फैमिली फिल्म'

आज के दौर में जहां सिनेमाघरों में एक्शन और डार्क थ्रिलर फिल्मों का बोलबाला है, राजश्री प्रोडक्शंस अपनी जड़ों की ओर लौट रहा है। 'ये प्रेम मोल लिया' पूरी तरह से एक शुद्ध पारिवारिक फिल्म होगी। यह फिल्म 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जो परिवारों को एक साथ सिनेमाघरों तक लाने का वादा करती है।

स्केचर्स, द कम्फर्ट टेक्नोलॉजी कंपनी के मार्केटिंग कैंपेन में शामिल होंगे सूर्यकुमार

स्केचर्स, द कम्फर्ट टेक्नोलॉजी कंपनी, सूर्यकुमार यादव को साइन करके अपने क्रिकेट सफर को तेज कर रही है-जो इंडियन क्रिकेट टीम के सबसे काबिल और असरदार बैट्समैन में से एक हैं और हाल ही में 2026 टी-20 वर्ल्ड कप चैंपियन बने हैं। अपनी कंसिस्टेंसी, शांत और मैच जिताने वाले परफॉर्मेंस के लिए मशहूर, सूर्यकुमार यादव अब स्केचर्स क्रिकेट फुटवियर में खेल रहे हैं और क्रिकेट और दूसरे परफॉर्मेंस फुटवियर कलेक्शन को सपोर्ट करने वाले ब्रांड के मार्केटिंग कैंपेन में शामिल होंगे।

सूर्या ने एशोसिएशन पर बात करते हुए क्या कहा?

इस एसोसिएशन पर बात करते हुए, टीम इंडिया के टी-20 वर्ल्ड कप कैप्टन, सूर्यकुमार यादव ने कहा कि क्रिकेट के सबसे ऊंचे लेवल पर, आराम आपको फोकस्ड और कंसिस्टेंट रहने में मदद करने में अहम रोल निभाता है। आराम को परफॉर्मेंस के साथ जोड़ने का स्केचर्स का तरीका सच में सबसे अलग है और इसी वजह से यह ब्रांड मेरे लिए एकदम सही है। चाहे मैच का दिन हो या ट्रेनिंग, उनके जूते खेल की जरूरतों को पूरा करते हैं, और मैं स्केचर्स परिवार का हिस्सा बनकर उत्साहित हूं। राहुल वीरा, सीईओ, स्केचर्स साउथ एशिया प्राइवेट लिमिटेड लिमिटेड ने कहा कि सूर्यकुमार यादव मॉडर्न इंडियन क्रिकेट की स्पिरिट को दिखाते हैं - डाइनैमिक, मजबूत और निडर। इस साल वर्ल्ड कप में टीम इंडिया को कॉन्फिडेंस और क्लैरिटी के साथ जीत दिलाने के बाद, वह वही एनर्जी और इरादा लाते हैं जो स्केचर्स के परफॉर्मेंस और इनोवेशन के अप्रोच को दिखाता है। मूवमेंट, एडैप्टेबिलिटी और सेल्फ-बिलीफ से ड्रिवन उनका सफर, जसप्रीत बुमराह जैसे हमारे एलीट प्लेयर्स के रोस्टर के साथ-साथ मुंबई इंडियंस के ऑफिशियल किट स्पॉन्सर के तौर पर हमारे चल रहे एसोसिएशन से भी पूरी तरह मेल खाता है। ये पार्टनरशिप क्रिकेट के प्रति हमारे कमिटमेंट को दिखाती हैं, ऐसे फुटवियर बनाकर जो हर एथलीट को अपना बेस्ट परफॉर्म करने में मदद करते हैं।

सूर्या का करियर

मुंबई में जन्मे, सूर्यकुमार यादव ने 35 साल की उम्र में खुद को एक डाइनैमिक राइट-हैंडेड टी-20 बैट्समैन के तौर पर स्थापित किया है, जो अपने 360-डिग्री शॉट-मेकिंग और जबरदस्त स्ट्राइक रेट के लिए मशहूर हैं। 'स्काई' निकनेम वाले यादव मुंबई के घरेलू क्लब क्रिकेट में आगे बढ़े, रणजी ट्रॉफी में उनकी कप्तानी की, और 2012 में मुंबई इंडियंस के साथ साइन करने के बाद इंडियन प्रीमियर लीग में स्टार बने। उन्होंने 2018 में इंडियंस में लौटने से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ भी चार सीजन बिताए, जहां वे आज भी खेल रहे हैं। इंटरनेशनल लेवल पर, 2021 में अपने T20I डेब्यू के बाद से, वह भारत के T20 गेमप्ले के लिए अहम रहे हैं और उन्होंने लगातार आईसीसी टी-20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर (2022-23) का अवॉर्ड जीता है। स्काई भारत की टी-20 टीम की कप्तानी करते हैं, जिसका शानदार रिकॉर्ड है, जिसमें इस साल की शुरुआत में वर्ल्ड कप जीतना भी शामिल है। उनके शांत स्वभाव और टैक्टिकल स्किल ने भारत के व्हाइट-बॉल दबदबे को मजबूत किया है। इस घोषणा के साथ, सूर्यकुमार यादव भारत में एक मजबूत स्केचर्स रोस्टर में शामिल हो गए हैं जिसमें क्रिकेटर जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, ईशान किशन और यास्तिका भाटिया के साथ-साथ स्केचर्स फुटबॉल के लिए दिग्गज फॉरवर्ड सुनील छेत्री भी शामिल हैं।

यश करेंगे KGF 3 में धमाका

एक्टर यश के पास कई दिलचस्प फिल्में लाइन में हैं, जिनमें नितेश तिवारी की 'रामायण', जिसमें वे रावण का किरदार निभा रहे हैं और गीतू मोहनदास की 'Toxic' शामिल हैं। लेकिन, फैन्स बेसब्री से 'KGF 3' से जुड़ी खबरों का इंतजार कर रहे हैं, जो 2022 की हिट फिल्म 'KGF: ChÔpter 2' का मोस्ट अवेटेड सीक्वल है। हाल ही में, यश ने इस बारे में चल रही अटकलों पर बात की।

KGF 3 को लेकर क्या बोले यश?

हाल ही में एक इंटरव्यू में यश ने बताया कि KGF 3 को लेकर अभी कोई तत्काल योजना नहीं है, क्योंकि उनका मौजूदा ध्यान 'Toxic' AüSX 'Ramayana में अपनी भूमिकाओं पर केंद्रित है। USA में CinemaCon 2026 में अपनी मौजूदगी के दौरान, 'रामायण' के प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा के साथ, यश ने कई इंटरव्यू में हिस्सा लिया और अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स पर चर्चा की। यश ने 'KGF 3' पर टिप्पणी करते हुए कहा कि यह फिल्म तभी आगे बढ़ेगी जब इसके लिए एक सही स्क्रिप्ट तैयार हो जाएगी।

KGF 2 के बारे में

2022 में रिलीज हुई 'KGF: Chapter 2' एक पीरियड एक्शन फिल्म है, जिसे प्रशांत नील ने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म में यश, संजय दत्त, रवीना टंडन, श्रीनिधि शेट्टी, प्रकाश राज और अन्य कलाकार शामिल हैं। 'KGF 2' अब तक बनी सबसे महंगी कन्नड़ फिल्म बन गई और इसे जबरदस्त सफलता मिली; यह 2022 में भारत की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी। इस फ्रेंचाइजी के पहले और दूसरे पार्ट ने कुल मिलाकर 1500 करोड़ रुपए ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर कमाए। यश का मानना है कि दुनिया कुछ नया और ताजा कंटेंट देखने के लिए बेताब है, और उनकी दोनों आने वाली फिल्में - 'रामायण' और 'Toxic' - इसी मांग को पूरा करने का लक्ष्य रखती हैं। उन्होंने कहा कि इन फिल्मों का मकसद अलग-अलग दुनियाओं को आपस में मिलाना है, ताकि दर्शकों को मनोरंजन के साथ-साथ अलग-अलग संस्कृतियों को जानने-समझने का भी मौका मिल सके।

Jr. NTR के बर्थडे पर आएगी NTRNeel की पहली झलक

NTRNeel 2027 की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक होने वाली है। मनोरंजन की दुनिया की दो बड़ी ताकतें 'मैन ऑफ द मासेज' जूनियर एनटीआर और 'KGF' व 'सालार' के डायरेक्टर प्रशांत नील जब एक साथ आ रहे हैं, तो यह तय है कि दर्शकों को पर्दे पर एक अनोखा और भव्य सिनेमाई अनुभव देखने को मिलेगा!

जब से #NTRNeel का ऐलान हुआ है, यह सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बनी हुई है। भारतीय सिनेमा की दो सबसे बड़ी ताकतों, जूनियर एनटीआर और प्रशांत नील का साथ आना ही इसे 2027 की सबसे बड़ी फिल्मों की कतार में खड़ा कर देता है। बढ़ते उत्साह के बीच, मेकर्स ने एक बेहद रोमांचक पोस्टर जारी किया है और फिल्म की पहली झलक को लेकर बड़ी घोषणा की है, जो एनटीआर के जन्मदिन पर 20th May को रिलीज होगी। पोस्टर में एनटीआर का स्टाइल और पावरफुल अवतार फिल्म को लेकर बनी चर्चा को और भी बढ़ा रहा है। 20th May को आने वाली पहली झलक के साथ फिल्म का क्रेज सातवें आसमान पर पहुँच गया है। एनटीआर के जन्मदिन के मौके पर रिलीज होने वाली यह झलक उन लाखों फैंस के लिए एक खास तोहफा होगी जो उन्हें बड़े पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसके अलावा, इस फिल्म के लिए एनटीआर के जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन ने सबको हैरान कर दिया है। उनके इस नए लुक की तस्वीरें पहले ही वायरल हो चुकी हैं और फैंस के बीच तहलका मचा रही हैं।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित।
दूरध्वनि: 0251- 3238100, **कार्यकारी संपादक:** पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। hindmatamirror1@gmail.com RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 **स्थानीय संपादक:** शिवप्रताप